1300 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित होंगी 13 परियोजनाएं
- 8

शेयरों में मुनाफावसूली से सेंसेक्स 123 अंक टूटा, निफ्टी 24,200 के नीचे बंद
- 8

ईरान युद्ध : यूरोप में बढ़ा संकट, सिर्फ छह सप्ताह के लिए बचा विमान ईंधन
-9

आर वैशाली ने फिडे विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर रचा इतिहास
- 10

आज का मौसम

39.0° अधिकतम तापमान

24.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.45

सूर्यास्त 06.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या 05:21 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 69, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

उत्सव की खुशी
उत्सव के ऑफर्स संग

0% कटौती*
पुराने सोने के एक्सचेंज पर

50% तक छूट*
सोने के गहनों की बनवाई पर

100% तक छूट*
हीरे के गहनों की बनवाई पर

PNG JEWELLERS

*शर्तें लागू। ऑफ़र १० से २० अप्रैल २०२६ तक उपलब्ध है।

UP TO ₹6,000 CASHBACK# SBI card

#Min. Trxn.: ₹45,000; Max. Cashback: ₹6,000 per card account; Validity: 17 Apr - 23 Apr 2026. T&C Apply.

पत्रकारपुरम चौराहा, गोमती नगर, लखनऊ. संपर्क: +91 77670 07323
बिरहाना रोड, त्रिपाल मार्केट, कानपुर. संपर्क: +91 77670 07293
मेडिकल रोड, विष्णु मंदिर के पास, गोरखपुर. संपर्क: 77670 07358
सिगरा चौराहा, वाराणसी. संपर्क: +91 77670 07304

टोल फ्री नं: १८०० २३३ ५००५ (सुबह ११ – शाम ७) www.pngjewellers.com I info@pngadgil.com

INDIA I USA

न्यूज ब्रीफ

श्रमिकों से मिलने आज नोएडा जाएगा सपा प्रतिनिधिमंडल

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल शनिवार 17 अप्रैल को नोएडा गौतमबुद्धनगर जायेगा। पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए लाठी चार्ज प्रकरण की जानकारी लेने श्रमिकों, मजदूरों एवं उनके परिवार से मिलने के लिए प्रतिनिधिमंडल के लोग श्रमिकों के पास पहुंचेंगे। नोएडा में 10 हजार से 11 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर 10-12 घंटे नौकरी करने वाले मजदूरों और श्रमिकों साप्ताहिक अवकाश न मिलने पर शांति प्रदर्शन किया जा रहा था। वेतन बढ़ाने और अतिरिक्त काम के एवज में ओवरटाइम की मांग कर रहे थे। नोएडा फेस-2 में मदरसन इंडिया लिमिटेड के प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया। प्रतिनिधिमंडल में माता प्रसाद पांडेय, शाहिद मंजूर, कमाल अख्तर, अतुल प्रधान, पंकज कुमार मलिक, राज कुमार भाटी, सुधीर भाटी, आश्रय गुप्ता, शशांक यादव, फकीर चन्द्र नागर, वीर सिंह यादव विशेष आमंत्रित सदस्य सुनील चौधरी पूर्व प्रत्याशी नोएडा शामिल हैं।

अटल विद्यालयों के 93.15 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

अमृत विचार, लखनऊ : निर्माण श्रमिकों और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए संचालित अटल आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों पहली ही सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा में इतिहास रच दिया है। प्रदेश के इन विद्यालयों का कुल परीक्षा परिणाम 93.15 फीसदी रहा, जो इस नई शैक्षिक पहल की सफलता को दर्शाता है। विद्यालयों की मेधा सूची में आजमगढ़ के संगम यादव ने 97.6 फीसदी अंक के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष 2,178 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी, जिनमें से अधिकांश सफल रहे। खास बात यह रही कि वाराणसी और प्रयागराज के अटल आवासीय विद्यालयों ने 100 फीसदी परिणाम हासिल कर उत्कृष्टता का नया मानदंड स्थापित किया। मेधा सूची में वाराणसी के हर्ष कुशवाहा 97.2 फीसदी अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि प्रयागराज के हर्षित ने 95.8 फीसदी अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। आगरा के गणेश (95.4प्रतिशत) और मुरादाबाद के उदय प्रताप (95 प्रतिशत) भी शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालयों में नारी शक्ति वंदन अभियान शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में "नारी शक्ति वंदन" अभियान की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाना, निर्णय प्रक्रिया में उनकी भूमिका मजबूत करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। अभियान के पहले दिन "नारी शक्ति सम्मान" कार्यक्रम आयोजित कर 70 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति वाली छात्राओं के अभिभावकों को सम्मानित किया गया। साथ ही छात्राओं और महिला शिक्षकों ने मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि यह अभियान बालिकाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा की भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करेगा। 17 अप्रैल को आत्मरक्षा प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और समाज सेवा गतिविधियां होंगी, जबकि 20 अप्रैल को वाद-विवाद, निबंध, कविता और पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। अधिकारियों को कार्यक्रमों के पारदर्शी व प्रभावी आयोजन के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा सरकार आई तो बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाएंगे माफिया और मौलाना : योगी

मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की तीन चुनावी सभाओं में तृणमूल कांग्रेस समेत विपक्ष पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के बाराबनी, रामपुरहाट और बोलपुर में आयोजित तीन बड़ी जनसभाओं में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), कांग्रेस और वाम दलों पर तीखा हमला बोला। भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में वोट मांगते हुए उन्होंने कहा कि यदि बंगाल में भाजपा की सरकार बनी, तो गुंडे, माफिया और अराजक तत्व बने मौलाना सड़कों पर झाड़ू लगाते नजर आएंगे।

तीनों जनसभाओं में भारी भीड़ उमड़ी और लोग मुख्यमंत्री योगी की एक झलक पाने के लिए छतों और पेड़ों तक पर चढ़े दिखाई दिए। योगी ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे भयमुक्त होकर मतदान करें और डबल इंजन सरकार बनाकर टीएमसी का सूपड़ा साफ कर दें। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में बंगाल "सैंड, कोल और लैंड माफिया" का अड्डा बन गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र से आने वाला विकास का पैसा भ्रष्टाचार में खत्म हो जाता है।

सांस्कृतिक पहचान बनाम 'क्राइम कैपिटल' का मुद्दा : योगी ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य अपनी पहचान खो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन में त्योहारों, परंपराओं और सामाजिक समरसता पर असर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल के बोलपुर में आयोजित जनसभा के दौरान मंच से भाजपा नेताओं के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

- **एक झलक पाने को उमड़े लोग सीएम बोले- भाजपा साफ करेगी तृणमूल का सूपड़ा**

भाजपा की गारंटी, न गो माता कटेगी न हिंदू बंटेगा : योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में माफियाओं पर बुलडोजर कार्रवाई से व्यवस्था सुधरी है और यही मॉडल बंगाल में भी लागू किया जाएगा। भाजपा की गारंटी दोहराते हुए कहा कि 'गोमाता की रक्षा होगी और हिंदू समाज को बांटने नहीं दिया जाएगा।

बांग्ला में बात कर योगी ने जीता दिल : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की जनसभाओं में उपस्थित जनसमूह से बांग्ला में संवाद कर उनका दिल जीत लिया। रामपुरहाट व बोलपुर में मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से कहा कि आप सबको भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताना है। अपना आशीर्वाद देना है। इसलिए अब मैं जो कहूंगा, आप लोग उसका जवाब दीजिएगा। फिर सीएम ने कहा, ऑन्धकार हटबे (अंधकार हटेगा)। जनता ने उत्तर दिया- सूरोज उठेबे, कोमोल खिलबे (सूरज उगेगा-कमल खिलेगा)। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, पलटानो दोरकार (परिवर्तन की जरूरत है), जनता ने उत्तर दिया- चाई बीजेपी सोरकार (चाहिए भाजपा सरकार)। सीएम ने जब "आमार सोनार बांग्ला, टीएमसी मुक्तो बांग्ला (हमारा सोने जैसा बंगाल, टीएमसी मुक्त बंगाल)" कहा तो उपस्थित जनसमूह ने भी दोनों हाथ उठाकर इसे कई बार दोहराया।

जनता दर्शन में योगी बोले- घबराइए मत, इलाज में नहीं आएगी बाधा

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में संवेदनशीलता दिखाते हुए श्रावस्ती से आई एक महिला को उसके बीमार बच्चे के इलाज का भरोसा दिया। महिला ने सहायता की गुहार लगाई, जिस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड की जानकारी ली। कार्ड न बनने पर उन्होंने आश्वासन दिया कि इलाज में कोई बाधा नहीं आएगी और अधिकारियों को तत्काल आयुष्मान कार्ड बनवाने, इलाज का इस्टीमेट तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। साथ ही विवेकाधीन कोष से मदद का भी भरोसा दिया। जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनी गईं। गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण करने के निर्देश दिए। जमीन कब्जे और अपराध से जुड़े मामलों में सख्ती बरतने को कहा। इस दौरान उन्होंने बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत कर उन्हें चॉकलेट भी दी।

धार्मिक पर्यटन के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **नैमिषारण्य-दधीचि तीर्थ के साथ औरैया-अमरोहा में मिलेगी पर्यटन को रफ्तार**
- **सीतापुर में 99 लाख, औरैया में 278 लाख व अमरोहा में 337 लाख रुपये मंजूर**

अमृत विचार : राज्य सरकार धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर निवेश कर रही है। इसी कड़ी में सीतापुर के मिश्रिख स्थित महर्षि दधीचि तीर्थ के विकास के साथ-साथ औरैया व अमरोहा जिलों में भी करोड़ों रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

सीतापुर में महर्षि दधीचि की तपोभूमि के विकास के लिए 99.14 लाख रुपये की परियोजना पर काम शुरू हो गया है। पहली किस्त के रूप में 74 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं। इस योजना के तहत यात्री शेड, चेंज रूम, भव्य प्रवेश द्वार, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सरकार का लक्ष्य नैमिषारण्य को विश्वस्तरीय धार्मिक-पर्यटन हब के रूप में स्थापित करना है।

उधर, कानपुर मंडल के औरैया जिले में भी पर्यटन विकास के लिए 278 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से दिबियापुर के सेहुद धाम हनुमान मंदिर, विधूना के दुर्वासा आश्रम और सहार क्षेत्र के गंगा बाबा स्थल का विकास किया जाएगा।

इसी तरह मुरादाबाद मंडल के अमरोहा में पांच परियोजनाओं के लिए 337 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इनमें बाबा लालचंद मंदिर, धुने वाले बाबा शिव मंदिर, प्रज्ञा बुद्ध विहार, डिडौली शिव मंदिर और चामुंडा देवी मंदिर का विकास शामिल है। इन सभी कार्यों के लिए यूपीएसटीडीसी को कार्यदायी संस्था बनाया गया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

अनुशासनहीनता में मऊ के एसडीओ निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के मामले में मऊ जिले के एसडीओ अमित कुमार को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक आपत्तिजनक वीडियो के मामले में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई कराई है। मंत्री ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार से बात कर पूरे प्रकरण की गहन जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद एमडी ने उपखंड अधिकारी (एसडीओ) अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। मुख्य अभियंता, आजमगढ़ ने भी पुष्टि की कि मऊ डिवीजन प्रथम में तैनात एसडीओ के खिलाफ वायरल वीडियो को लेकर यह कार्रवाई की गई है।

खनन कार्यों में लापरवाही पर कार्रवाई के आदेश

मंडलायुक्त की रिपोर्ट के आधार पर सात अधिकारियों-कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में खनन कार्यों में लापरवाही बरतने वाले सात अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। इनमें चार ज्येष्ठ खान अधिकारी भी शामिल हैं। यह कार्रवाई मिर्जापुर मंडलायुक्त की रिपोर्ट और संस्तुति के आधार पर की गई है।

कार्रवाई की जद में आए अधिकारियों-कर्मचारियों में महबूब, जेपी द्विवेदी, कमलेश कुमार राय, आशीष कुमार, चन्द्र प्रकाश तिवारी, कमला शंकर उपाध्याय और सुनील कुमार शामिल हैं, जो उस समय सोनभद्र जिले में तैनात थे।

- **राजस्व हानि के मामले में बड़ा कदम, समयबद्ध खदान संचालन के निर्देश**

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि यह कार्रवाई वर्ष 2017 में आवंटित चूना पत्थर की खदान के संचालन में गंभीर लापरवाही के मामले में की गई है। नियमानुसार खदान का संचालन वर्ष 2019 तक शुरू होना था, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने समयबद्ध तरीके से कार्य नहीं किया। साथ ही, समयसीमा विस्तार के लिए जरूरी प्रस्ताव भी समय पर शासन को नहीं भेजे गए, जिससे खदान संचालन बाधित रहा और राजस्व की संभावित हानि हुई।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि खनन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार की प्राथमिकता है कि खदानों का संचालन पूरी पारदर्शिता और नियमों के तहत समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि राजस्व में वृद्धि हो और संसाधनों का सही उपयोग हो सके।

गैरहाजिर आईएएस समीर वर्मा पर कसा शिकंजा

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष 2002 बैच के आईएएस अधिकारी समीर वर्मा की लंबे समय से गैरहाजिरी पर शासन ने सख्ती दिखाते हुए विभागीय जांच शुरू कर दी है। उन्हें 8 अक्टूबर 2025 को नियोजन विभाग में सचिव पद पर तैनाती दी गई थी, लेकिन उन्होंने अब तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रमुख सचिव अनिल गर्ग को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। बताया जा रहा है कि समीर वर्मा ने स्टडी लीव के लिए आवेदन किया था, जिसे मंजूरी नहीं मिली, इसके बावजूद वे ड्यूटी पर नहीं लौटे। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। उल्लेखनीय है कि समीर वर्मा पहले भी स्टांप एवं पंजीयन विभाग में तबादला विवाद को लेकर चर्चा में रहे हैं, जिसके बाद उन्हें पद से हटाकर प्रतीक्षारत कर दिया गया था।

नोएडा हिंसा मामले में सामने आया पाकिस्तान कनेक्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/नोएडा

- **पुलिस कमिश्नर का खुलासा पाकिस्तान से संचालित दो एक्स हैंडलरों पर रिपोर्ट दर्ज**
- **मामले में 62 गिरफ्तारियां पुलिस की सख्ती से धीरे-धीरे सुधर रहे हालात**

अमृत विचार: नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा अब बड़े साजिशी एंगल की ओर इशारा कर रही है। जांच में सामने आया है कि इस पूरे बवाल को भड़काने में पाकिस्तान से संचालित सोशल मीडिया हैंडल्स की भूमिका रही है। पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए विदेशी कनेक्शन की जांच तेज कर दी है।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने खुलासा किया कि पाकिस्तान से संचालित दो एक्स (ट्विटर) हैंडल्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अब तक कुल 13 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं और 62 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए सुनियोजित तरीके से माहौल को भड़काया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि वेतन वृद्धि की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अचानक हिंसक हो गया। इसकी चिंगारी तेलंगाना और कर्नाटक से संचालित व्हाट्सऐप ग्रुपों के जरिए फैली। कई संगठनों ने इन ग्रुपों का इस्तेमाल कर श्रमिकों को उकसाने का प्रयास किया। इसके अलावा टेलीग्राम चैनलों के माध्यम से भी अफवाहें फैलाकर स्थिति को बिगाड़ा गया।

पूरे मामले की जांच कर रही एसटीएफ अब तक 500 से अधिक वीडियो फुटेज खंगाल चुकी है। इन वीडियो के आधार पर हिंसा में शामिल लोगों और साजिशकर्ताओं की पहचान की जा रही है। डिजिटल ट्रेल से दक्षिण भारत से जुड़े कुछ संदिग्धों के तार भी सामने आए हैं, जिनकी भूमिका की गहन जांच जारी है। सोमवार को हुई हिंसा के बाद पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए कोतवाली फेज-1, फेज-2, सेक्टर-58, सेक्टर-63 और फेज-3 समेत औद्योगिक क्षेत्रों से लोगों को हिरासत में लिया। लगातार छापेमारी कर अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और बड़ी संख्या में लोगों से पूछताछ की जा रही है।

प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। जिलाधिकारी मेधा रूपम समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर डेरा डाले हुए हैं और श्रमिकों से सीधे संवाद कर रहे हैं। वेतन वृद्धि और अन्य फैसलों की सही जानकारी देकर अफवाहों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

प्रशासन मैदान में, शांति बहाली की कवायद

हालात सामान्य करने के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय है। औद्योगिक क्षेत्रों और श्रमिकों के गांवों में शांति मार्च निकाले जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा सीधे संवाद स्थापित कर भ्रम दूर किया जा रहा है। श्रमिकों को वेतन वृद्धि और सरकारी फैसलों की जानकारी देकर स्थिति को शांत करने का प्रयास जारी है।

'मजदूर बिगुल' पर कार्रवाई, कई गिरफ्तार

पुलिस ने मजदूर बिगुल दस्ता संगठन के प्रमुख रूपेश राय समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि संगठन के सदस्य फैक्ट्रियों के आसपास घूमकर श्रमिकों को उकसा रहे थे। इससे पहले भी इस संगठन पर अन्य राज्यों में हिंसा भड़काने के आरोप लग चुके हैं।

80 फीसदी औद्योगिक इकाइयों में कामकाज शुरू

पुलिस-प्रशासन की सख्ती के बाद हालात तेजी से सुधर रहे हैं। करीब 80 फीसदी औद्योगिक इकाइयों में कामकाज दोबारा शुरू हो चुका है। सुरक्षा एजेंसियां अभी भी अलर्ट मोड पर हैं और किसी भी नई साजिश या अफवाह को रोकने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।

एक हजार पंचायतों से होगी आधार सेवा की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पंचायती राज विभाग द्वारा सभी 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों तक आधार सेवाएं पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। पहले चरण में 1000 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा शुरू की जा रही है।

पंचायत सहायकों और आधार ऑपरेटरों की भूमिका संवेदनशील बताते हुए पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने निर्देश दिए हैं कि सभी कर्मी पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि हर पात्र व्यक्ति तक आधार सेवाएं आसानी से पहुंच सकें। प्रदेश के विभिन्न जिलों, लखनऊ, बाराबंकी, खीरी, सीतापुर और बलरामपुर की 77 ग्राम पंचायतों में पहले से ही आधार सेवाएं संचालित हो रही हैं। इस मॉडल को पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। आधार ऑपरेटरों और सुपरवाइजर्स के लिए पंचायती राज निदेशालय, अलीगंज लखनऊ में एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। इसमें पंचायत सहायकों और बैंक से जुड़े ऑपरेटरों को प्रशिक्षण दिया गया।

'निपुण शिक्षक सारथी' से शैक्षिक नींव होगी मजबूत

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में निपुण भारत मिशन के तहत 'निपुण शिक्षक सारथी' कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य बेसिक शिक्षा को परिणामोन्मुख बनाना है। इस पहल में कक्षा 2 के विद्यार्थियों की भाषा और गणितीय दक्षताओं को मजबूत करने पर विशेष फोकस किया गया है, ताकि शुरुआती स्तर पर ही मजबूत शैक्षिक नींव तैयार हो सके।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसे चित्रकूट, सोनभद्र, बलरामपुर, गोरखपुर और सीतापुर में लागू किया गया है। 15 राज्य स्तरीय संदर्भ समूह (एसआरजी) को प्रशिक्षित कर तकनीक के माध्यम से शिक्षकों से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें निरंतर शैक्षणिक मार्गदर्शन मिल सके। अब शिक्षकों और तकनीकी टीम के बीच नियमित संवाद बढ़ाकर 18-20 बार संपर्क सुनिश्चित किया जाएगा। इस मॉडल से फील्ड विजिट पर निर्भरता घटेगी और दूरदराज क्षेत्रों तक भी सहायता पहुंचेगी। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को तकनीक-सक्षम मार्गदर्शक बनाकर छात्रों के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

फंसा पेंच | दो माह बाद भी आदेश लागू नहीं, केजीएमयू जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं

असहमति से अटकी पोस्टमार्टम सुधार योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में दुर्घटनाग्रस्त और जटिल मामलों के शवों का पोस्टमार्टम फोरेंसिक विशेषज्ञों से कराने के शासनादेश को जारी हुए करीब दो माह बीत चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई खास बदलाव नहीं दिखा है। व्यवस्था में सुधार के उद्देश्य से लिया गया यह फैसला फिलहाल विभागीय असहमति और संसाधनों की कमी के कारण अटका हुआ है।

इस संबंध में विधि विज्ञान प्रयोगशाला के निदेशक डॉ. आदर्श कुमार के नेतृत्व में दो अहम बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन

- **लोहिया व एसजीपीजीआई में संसाधनों की कमी**

अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, जहां संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के फोरेंसिक विशेषज्ञों ने पोस्टमार्टम करने पर सहमति दे दी है, वहीं केजीएमयू का फोरेंसिक विभाग जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

दूसरी ओर, केजीएमयू प्रशासन का कहना है कि लोहिया और एसजीपीजीआई में मानक के अनुरूप पोस्टमार्टम हाउस और आवश्यक टेबल की व्यवस्था नहीं है, जिससे प्रक्रिया को लागू करने में दिक्कत आ रही है।

पुरानी व्यवस्था ही जारी : वर्तमान में पोस्टमार्टम का कार्य अब भी स्वास्थ्य विभाग (प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग) के चिकित्सकों द्वारा ही किया जा रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी की निगरानी में जिला चिकित्सालय एवं अन्य सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों को रोटेशन के आधार पर यह जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। हालांकि विवादित मामलों में मेडिकल कॉलेजों के फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद ली जाती है।

बैठकों का दौर जारी, सहमति का प्रयास

लखनऊ के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह का कहना है कि नई व्यवस्था लागू करने में शुरुआती दिक्कतें स्वाभाविक हैं। सभी मेडिकल कॉलेजों के फोरेंसिक विभागाध्यक्षों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं। राजधानी के 54 थानों से जुड़े पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू, लोहिया और एसजीपीजीआई को केंद्र बनाया जाएगा। वहीं, केजीएमयू के फोरेंसिक विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप वर्मा का कहना है कि संस्थान को शासनादेश के पालन में कोई आपत्ति नहीं है और परिसर में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पहले से जारी है। समस्या अन्य संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं की कमी को लेकर है।

चिकित्सकों का विरोध बना कारण

सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक लंबे समय से पोस्टमार्टम ड्यूटी का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे इस विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं, जिससे कानूनी मामलों में सटीक जवाब देना कठिन होता है और अस्पतालों की नियमित चिकित्सा सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने पोस्टमार्टम की जिम्मेदारी फोरेंसिक विशेषज्ञों को सौंपने का आदेश जारी किया था। इसमें सरकारी के साथ निजी मेडिकल कॉलेजों और पीपीपी मोड पर संचालित संस्थानों को भी शर्तों के साथ शामिल करने के निर्देश दिए गए थे।

सीएम युवा योजना के तहत तैनात होंगे 90 क्रेडिट काउंसलर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **एमएसएमई को मिलेगा ऋण मार्गदर्शन, 1.5 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य**

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने सीएम युवा योजना को और प्रभावी बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और बैंकिंग प्रक्रियाओं को आसान बनाने के उद्देश्य से 90 सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर्स तैनात किए जाएंगे। ये काउंसलर युवाओं और बैंकों के बीच सेतु बनकर काम करेंगे।

गोमतीनगर में शुरू हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में 50 जिलों और दूसरे में 25 जिलों को शामिल किया गया है। सिडबी और आईआईबीएफ के सहयोग से चल रहे इस कार्यक्रम को भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी मिली है। 'ट्रिपल सी' कोर्स के जरिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया जाएगा, जो खासकर एमएसएमई क्षेत्र के लिए लाभकारी होगा। सरकार ने इस वर्ष योजना के तहत 1.5 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा है। साथ ही सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों को भी इस पहल से जोड़कर उनकी विशेषज्ञता का उपयोग किया जाएगा।

यूपीकॉन के एमडी प्रवीण सिंह के अनुसार, सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर एमएसएमई उद्यमियों को उपयुक्त ऋण योजनाओं की जानकारी देंगे, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने में मदद करेंगे और वित्तीय दस्तावेजों को व्यवस्थित करेंगे।

ओबीसी महिलाओं का हक छीन रही भाजपा

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि देश में पिछड़ों की कुल जनसंख्या 70 फीसदी है तो उनकी आधी-आबादी 33 फीसदी से ज्यादा पिछड़ी महिलाओं के हक की बात इस महिला आरक्षण बिल में नहीं है। स्पष्ट है कि यह सरकार पिछड़े वर्ग की 33 फीसदी से ज्यादा महिला आबादी का हक छीन रही है, उन्हें अधिकार नहीं देना चाहती है। सपा प्रमुख ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि सपा महिला आरक्षण के पक्ष में है, पर उस भाजपाई चालबाजी के खिलाफ है, जो साजिश के तहत की जा रही है। कहा कि भाजपा ने नारी को अपने मातृ संगठन में नहीं रखा, वे उनका मान सम्मान कैसे रखेंगे।

- 1300 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित होंगी 13 परियोजनाएं - 8

- शेयरों में मुनाफावसूली से सेंसेक्स 123 अंक टूटा, निफ्टी 24,200 के नीचे बंद - 8

- ईरान युद्ध : यूरोप में बढ़ा संकट, सिर्फ छह सप्ताह के लिए बचा विमान ईंधन -9

- आर वैशाली ने फिडे विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर रचा इतिहास - 10

आज का मौसम
39.0° अधिकतम तापमान
24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.45
सूर्यास्त 06.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या 05:21 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 69, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

महिला आरक्षण: विरोध किया तो चुकाएंगे कीमत

प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान (131वां) संशोधन, परिसीमन और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर रखे विचार | बोले- इस विषय को राजनीति के तराजू से नहीं तौलना चाहिए और इसका श्रेय वह विपक्षी दलों को भी देने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसद में महिला सशक्तीकरण की दिशा में देश ऐतिहासिक कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार : मोदी
- कांग्रेस ने कहा- सरकार महिला आरक्षण रोकने के लिए परिसीमन बिल लाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में परिसीमन के अनुपात में कोई बदलाव नहीं होने का आश्वासन देते हुए गुरुवार को लोकसभा में सभी राजनीतिक दलों से महिला आरक्षण अधिनियम संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने की अपील की और कहा कि जो भी इसका विरोध करेंगे, उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। मोदी ने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 व संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर अपने विचार रखते हुए यह भी कहा कि इस विषय को राजनीति के तराजू से नहीं तौलना चाहिए और इसका श्रेय वह विपक्षी दलों को भी देने को तैयार हैं।

उन्होंने कहा, हमारे देश में जबसे महिला आरक्षण को लेकर चर्चा शुरू हुई है और जब-जब चुनाव आया है, जिस दल ने महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का विरोध किया है, देश की महिलाओं ने उन्हें माफ नहीं किया। मोदी ने कहा, 2024 के चुनाव में ऐसा नहीं हुआ क्योंकि सब ने (2023 में) सहमति से इसे (महिला आरक्षण विधेयक) पारित किया था। किसी का राजनीतिक फायदा नहीं हुआ, किसी का नुकसान नहीं हुआ। अगर हम सब साथ में रहेंगे तो इतिहास गवाह है कि यह किसी के राजनीतिक पक्ष में नहीं जाएगा, देश के लोकतंत्र और सामूहिक निर्णय के पक्ष में जाएगा। जिन्हें इसमें राजनीति की बू आ रही है। वे खुद के 30 साल के परिणामों को देख लें। उनका इसमें ही फायदा है। नुकसान से बच जाएंगे। राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं। जो विरोध करेंगे उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने महिला आरक्षण व परिसीमन के लिए विधेयक एक साथ लाने पर और कुछ राज्यों के साथ भेदभाव होने संबंधी कुछ विपक्षी सदस्यों की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा, संविधान ने हमें यहां बैठकर देश को टुकड़ों में सोचने का अधिकार ही नहीं दिया है। न टुकड़ों में सोच सकते हैं, ना टुकड़ों में निर्णय ले सकते हैं। निराधार बात है, इसमें रत्ती भर सचाई नहीं है। केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए बवंडर खड़ा किया जा रहा है। मैं बड़ी जिम्मेदारी से आज सदन में कहना चाहता हूं कि दक्षिण हो, उत्तर हो, पूरब हो पश्चिम हो, छोटे या बड़े राज्य हों निर्णय प्रकिया किसी के साथ भेदभाव नहीं करेगी।

महिला आरक्षण अधिनियम 2023 लागू

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने वाला महिला आरक्षण अधिनियम 2023 गुरुवार से लागू हो गया। केंद्रीय विधि मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। हालांकि, यह तुरंत पता नहीं चल पाया है कि संसद में इस कानून में संशोधन करने और इसे 2029 में लागू करने पर जारी चर्चा के बीच 2023 के अधिनियम को 16 अप्रैल से प्रभावी क्यों अधिसूचित किया गया। कानून को लागू करने के संबंध में एक अधिकारी ने तकनीकी खामियों का हवाला दिया, लेकिन इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया। अधिकारी ने कहा कि हालांकि अधिनियम लागू हो चुका है, लेकिन मौजूदा सदन में आरक्षण को क्रियान्वित नहीं किया जा सकता। अधिसूचना के अनुसार, संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार एतद्द्वारा 16 अप्रैल, 2026 को वह तिथि घोषित करती है जिस दिन से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे। 2023 के कानून के तहत, आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता, क्योंकि यह 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन प्रक्रिया के पूरा होने से जुड़ा हुआ है।

परिसीमन अनुपात पर गारंटी

शब्द चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं

मोदी ने कहा, अतीत में जो सरकारें रहीं, जिनके कालखंड में परिसीमन हुआ और जो अनुपात उस समय से चला आ रहा है, उसमें कोई बदलाव नहीं होगा और वृद्धि भी उसी अनुपात में होगी। जब तमिलनाडु की एक सांसद ने गारंटी देने की बात कही तो मोदी ने कहा, अगर गारंटी शब्द चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं, वादा शब्द चाहें ते इसका इस्तेमाल करता हूं। तमिल में कोई अच्छा शब्द हो तो उसका इस्तेमाल करता हूं। नीयत साफ है तो शब्दों का खेल करने की कोई जरूरत नहीं है। जब 25-30 साल पहले महिला आरक्षण का विचार आया था तभी इसे लागू कर दिया जाना चाहिए था। हम सब भाग्यवान हैं कि हमें आधी आबादी को इस राष्ट्र निर्माण की नीति निर्धारण प्रक्रिया में हिस्सा बनाने का सौभाग्य मिला है।

कोई भी अहंकार में न रहे कि हम नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम सभी को इस अहंकार में नहीं रहना चाहिए कि हम नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं। यह उसका अधिकार है। उन्होंने कुछ विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि समय-समय पर सभी ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का समर्थन तो किया लेकिन किसी न किसी बहाने से इसे रोकने का प्रयास करते रहे। उन्होंने कहा तरह-तरह की बहानेबाजी और चीजों को उलझाना अब नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, यहां कुछ लोगों को लगता है कि इसमें मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। अगर आप इसका विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि मुझे इसका राजनीतिक लाभ होगा। लेकिन साथ चलेंगे तो किसी को इसका लाभ नहीं होगा।

नए परिसीमन पर शाह बोले- दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा, बल्कि बढ़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- गृह मंत्री ने कहा- 2029 के लोस चुनाव से पहले सभी चुनाव मौजूदा व्यवस्था के तहत ही होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नए परिसीमन के बाद दक्षिणी राज्यों का संसद में प्रतिनिधित्व कम होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए गुरुवार को कहा कि उनकी हिस्सेदारी कम नहीं होगी, बल्कि बढ़ेगी और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सभी चुनाव मौजूदा व्यवस्था के तहत ही होंगे। महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित विधेयक, 2026 पर चर्चा में कुछ विपक्षी सदस्यों की विभिन्न आशंकाओं और आपत्तियों को खारिज करते हुए शाह ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि वह विधेयकों पर चर्चा का जवाब शुक्रवार को विस्तार से देंगे, लेकिन कुछ भ्रांतियों को अभी दूर करना चाहते हैं। शाह ने कहा कि ऐसी धारणा पैदा की जा रही है कि इन तीनों विधेयकों के पारित होने से दक्षिण राज्यों की संख्या लोकसभा में बहुत कम हो जाएगी और उन्हें बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने इसे खारिज करते हुए कहा कि कर्नाटक में अभी 28 लोकसभा सीट हैं जो कुल 543 सीट का 5.15 प्रतिशत हैं, लेकिन ये विधेयक पारित होने के बाद कर्नाटक के सदस्यों की संख्या 42 हो जाएगी जो कुल 816 सीटों का 5.14 प्रतिशत होगी। शाह ने कहा कि आंध्र प्रदेश में अभी 25 लोकसभा सीट हैं और उसका प्रतिनिधित्व 4.6 प्रतिशत है जो परिसीमन के बाद 38 (4.65 प्रतिशत) हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में मौजूदा सीट की संख्या 17 (3.13 प्रतिशत) है, जो बाद में 26 (3.18 प्रतिशत) हो जाएंगी। शाह ने कहा, मैं तमिलनाडु की जनता को आश्वस्त करना चहता हूं कि उनके प्रतिनिधित्व में भी कोई कमी नहीं आएगी और राज्य को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अभी राज्य के 39 सदस्य (7.18 प्रतिशत) हैं जो परिसीमन के बाद 59 (7.23 प्रतिशत) हो जाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

गूगल ने बीते वर्ष भारत में 48.3 करोड़ से अधिक विज्ञापनों को हटाया

नई दिल्ली। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने अपने एआई मंच जैमिनी की मदद से वर्ष 2025 में भारत में नीति का उल्लंघन करने वाले 48.37 करोड़ विज्ञापनों को हटाया है। साथ ही 17 लाख विज्ञापनदाता खातों को निलंबित किया गया। गूगल ने गुरुवार को जारी 2025 विज्ञापन सुरक्षा रिपोर्ट में बताया कि उसने पिछले साल वैश्विक स्तर पर 8.3 अरब से अधिक विज्ञापनों को हटाया और 2.49 करोड़ विज्ञापनदाता खातों को निलंबित किया। कंपनी ने कहा कि उसके जैमिनी एआई मॉडल के एकीकरण ने तत्काल गलत तत्वों का पता लगाने और उन्हें रोकने की उसकी क्षमता में बहुत अधिक सुधार किया है।

प्रधानमंत्री मोदी और मैक्रों ने होर्मुज में नौवहन की स्वतंत्रता पर बात की

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान में शांति वार्ता के विफल होने के बाद होर्मुज को समुद्री जहाजों के लिए खोले जाने के लिए अलग-अलग स्तर पर किए जा रहे प्रयास के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति पर बातचीत की। मोदी ने मैक्रों के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति मैक्रों का फोन आया। हमने प. एशिया पर चर्चा की और होर्मुज में सुरक्षा तथा नौवहन की स्वतंत्रता को शीघ्र बहाल करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

गाजियाबाद में आग से 300 झुग्गियां जलीं, सिलेंडर फटे

गाजियाबाद, एजेंसी

- कनवानी गांव में भीषण आग के कारण आसपास की कई इमारतें खाली कराई गईं

गाजियाबाद जिले के एक गांव में गुरुवार दोपहर भीषण आग लगने से 300 से अधिक झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में उस जगह पर भीषण आग लगने की सूचना मिली, जहां कबाड़ के निस्तारण और पुनर्चक्रण का काम होता है। आग लगने के तुरंत बाद झुग्गियों में रखे रसोई गैस सिलिंडर एक-एक करके फटने लगे। इन धमाकों की आवाज से पूरा क्षेत्र दहल उठा और लोगों में दहशत फैल गई।

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मंदार के मुताबिक, झुग्गियों के जलने से कई परिवार बेघर हो गए हैं। दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया है, लेकिन पूरे इलाके में धुएं का गुबार है। मंदार के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बात की पुष्टि करने के लिए इलाके में सर्वेक्षण कराया जा रहा है कि कोई व्यक्ति लापता तो नहीं है। चिकित्सकों की एक टीम मौके पर है और आसपास के अस्पतालों को भी अलर्ट कर दिया गया है। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है, हालांकि अधिकारियों को संदेह है कि अवैध बिजली कनेक्शन में शॉर्ट सर्किट या गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण चिंगारी भड़की होगी। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित परिवारों को अस्थायी आश्रयों में ले जाया गया है और उन्हें राहत सामग्री उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस के अनुसार, मौके पर शीतलन प्रक्रिया पूरी होने के बाद घटना की गहन जांच शुरू की जाएगी। कनवानी गांव में लगी आग के दौरान बड़ी संख्या में निवासी अपने काम पर गए हुए थे। इस दौरान कई परिवारों के छोटे बच्चे झुग्गियों में ही मौजूद थे।

लखनऊ की झुग्गी बस्ती में आग लगने से दो बच्चों की मौत

लखनऊ। यहां के विकास नगर स्थित एक झुग्गी बस्ती में बुधवार को लगी भीषण आग में दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) दीक्षा शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों बच्चों (जिनकी उम्र लगभग दो साल थी) के शव बुधवार देर रात एक बड़े तलाशी अभियान के बाद बरामद किये गये। उन्होंने बताया, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अमेठी में ट्रेन की चपेट में आने से महिला समेत बच्चे की मौत

अमेठी, अमृत विचार। जगदीशपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय एक महिला और उसके एक बच्चे की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शुकुल बाजार रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास यह हादसा उस समय हुआ जब एक अज्ञात महिला बच्चों के साथ पटरी पार कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से महिला और एक बच्चे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक गंभीर घायल बच्चा अस्पताल में उपचाराधीन है। स्थानीय पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों के नाम अभी सामने नहीं आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इजराइल-लेबनान में 10 दिन का संघर्षविराम

वाशिंगटन/काहिरा, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इजराइल और लेबनान 10 दिन के सीजफायर पर राजी हो गए हैं। यह युद्धविराम भारतीय समयानुसार गुरुवार देर रात 2:30 बजे से लागू होगा।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की, जिसके बाद यह सहमति बनी। उन्होंने बताया कि वह नेतन्याहू और जोसेफ औन को वॉशिंगटन में बातचीत के लिए आमंत्रित करेंगे। इस हफ्ते वॉशिंगटन में दोनों देशों के बीच 34 साल बाद पहली बार सीधी बातचीत हुई थी, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी शामिल थे।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री रुबियो और जॉइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन को निर्देश दिए हैं कि वे दोनों देशों के साथ मिलकर स्थायी शांति सुनिश्चित करने की दिशा में काम करें। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य लोगों को इजराइल और लेबनान के साथ मिलकर स्थायी शांति स्थापित करने का निर्देश दिया है।

ट्रंप युद्धविराम बढ़ाने को तैयार, समझौते पर हस्ताक्षर करने जा सकते इस्लामाबाद

वाशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को संकेत दिया कि वह ईरान के साथ युद्धविराम को बढ़ाने के लिए तैयार हैं। 14 दिन का युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है। ट्रंप ने यह टिप्पणी पत्रकारों के साथ बातचीत में की। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ वार्ता में प्रगति हो रही है और संकेत दिया कि यदि कोई शांति समझौता होता है तो वह उस पर हस्ताक्षर करने में शामिल हो सकते हैं।

अकासा-स्पाइसजेट विमानों के पंख टकराए, जांच शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

- डीजीसीए ने वायु यातायात नियंत्रक व स्पाइसजेट के पायलटों को ड्यूटी से हटाया

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार दोपहर अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमानों के पंखों के टकराने से दोनों विमानों को नुकसान पहुंचा। उड्डयन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद दोनों बोइंग 737 विमानों को हवाई अड्डे पर ही रोक दिया गया है।

डीजीसीए ने कहा कि जांच लंबित रहने तक एक वायु यातायात नियंत्रक और स्पाइसजेट के पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। यह घटना अपराह्न हुई जब अकासा का विमान टैक्सीवे पर उड़ान भरने के लिए निकलने वाला था और स्पाइसजेट का विमान पार्किंग की तरफ जा रहा था।

बस हादसे में मृत कार्मिक के आश्रितों को मिलेंगे 20 हजार रुपये

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई व्यवस्था से परिवारों को मिलेगा त्वरित आर्थिक संबल

अमृत विचार : परिवहन निगम की बस दुर्घटना में चालक या परिचालक की मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को अंतिम संस्कार के लिए अब तत्काल 20 हजार रुपये दिए जाएंगे। यह वृद्धि उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम ने यात्री राहत योजना अंतर्गत अपने संविदा कार्मिकों के हित में की है।

परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि निगम में कार्यरत नियमित, संविदा और आउटसोर्स कार्मिकों की ड्यूटी के दौरान किसी भी कारण से मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को 20 हजार राशि दी जाएगी। पहले आश्रितों को केवल पांच हजार रुपये की आकस्मिक सहायता मिलती थी, जिसे बाद में कार्मिक के वेतन से समायोजित कर लिया जाता था। नई व्यवस्था में 20 हजार रुपये सीधे निगम की आय से दिए जाएंगे और इसे बाद में किसी प्रकार से वसूल नहीं किया जाएगा।

अनिल अंबानी की याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंबानी ने बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को दी थी चुनौती

सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी की बंबई हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं को गुरुवार को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने तीन बैंकों द्वारा उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खातों को फर्जी घोषित करने के लिए शुरू की गई कार्यवाही को जारी रखने की अनुमति दी थी।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने साथ ही अंबानी को बैंकों के कारण बताओ नोटिस के खिलाफ उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष अपनी याचिका जारी रखने की अनुमति दी। पीठ ने एकल पीठ से अनुरोध किया कि वह इन बैंक द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के खिलाफ अंबानी की याचिका पर शीघ्र निर्णय करे। उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश अंबानी द्वारा दायर तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया, जिनमें उन्होंने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 23 फरवरी के आदेश को चुनौती दी थी। खंडपीठ ने एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खिलाफ खातों को फर्जी घोषित करने की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी। इसके साथ ही खंडपीठ ने तीन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और ऑडिट कंपनी बीडीओ इंडिया एलएलपी द्वारा दिसंबर 2025 में एकल पीठ के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर अपीलों को स्वीकार कर लिया था। एकल पीठ के आदेश में इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा की जा रही वर्तमान और भविष्य की सभी कार्रवाइयों पर रोक लगाई गई थी।

अदालत ने कहा था कि यह कार्रवाई कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण फॉरेंसिक ऑडिट पर आधारित है और भारतीय रिजर्व बैंक के अनिवार्य दिशानिर्देशों का उल्लंघन करती है। अंबानी ने एकल पीठ के समक्ष इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस को चुनौती दी थी।

बदलाव | गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र में 9.18 करोड़ से बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों का उद्घाटन, सीएम ने कहा, सुशासन की पहली शर्त सुरक्षा

समय पर भर्ती-ट्रेनिंग से बदली पुलिस की तस्वीर : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

गोरखपुर : आधुनिक सुरक्षा भवन का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद पुलिस विभाग में समय पर भर्ती, समय पर ट्रेनिंग और अवस्थापना सुविधाओं के विकास से पुलिसकर्मियों के कार्य की गति बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर माहौल बना और सुशासन का बेहतरीन मॉडल खड़ा हुआ।

वे गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इन भवनों में मंदिर सुरक्षा से जुड़े अपर पुलिस अधीक्षक व पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, कंट्रोल रूम, पुलिस स्टोर रूम और मेंटिनेंस वर्कशाप बनाई गई है। इसके निर्माण पर 9.18 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा भवनों में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन भी किया। कहा कि सुरक्षा, सुशासन की पहली शर्त होती है। हर व्यक्ति को सुरक्षा चाहिए। इसके लिए सरकार के स्तर पर प्रयास किए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पुलिस भर्ती, ट्रेनिंग और सुविधाओं की अनदेखी होती थी, जिससे युवाओं का रुझान भी कम था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

पुलिस किसी भी स्थिति में असहाय नहीं

सीएम ने कहा कि अब पुलिस असहाय नहीं है। अपराधियों को पकड़ने और थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संसाधन और बल मौजूद है। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती से कार्रवाई करेगी। अब अपराधी भाग नहीं सकता, क्योंकि उसे थाने में ही रोककर रखने की सुविधाएं दी गई हैं। अब कोई थाने पर हमला नहीं कर सकता, क्योंकि थाने में पुलिस कार्मिकों के लिए अलग से बेहतरीन सुविधाओं से युक्त बैरक बनाए गए हैं। हर समय, हर थाने में पर्याप्त संख्या में पुलिस कार्मिक उपलब्ध होंगे।

पहले नहीं थी अच्छी आवासीय सुविधा

योगी ने कहा कि पहले थाना हो, चौकी हो, पुलिस लाइन हो या पीएसी वाहिनी, कहीं भी पुलिसकर्मियों के लिए अच्छी आवासीय सुविधा और अच्छे बैरक नहीं थे। पुलिसकर्मी किराए पर रहकर जैसे-तैसे जीवन व्यतीत करता था। होता यह था कि उसके बच्चे की परीक्षा है और उसी समय मकान मालिक घर खाली करने को कह देता। इस पर वह झल्ला कर कहता, घर नहीं खाली करेंगे। आज ये सारी शिकायतें समाप्त हो गई हैं, । सरकार ने हर पुलिस लाइन में आवासीय सुविधा दी है, बैरक बनवाए गए हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

मंदिर से दानपेटी चोरी करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने शिव दुर्गा मंदिर हबीरपुर से दानपेटी तोड़कर रुपये चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आदर्श नगर नीलमथा निवासी रामभजू राय की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी दीपांशु रावत उर्फ मोगली निवासी हबीरपुर हरिहरपुर को पकड़ लिया। उसके पास से दानपेटी और चोरी किए गए 1605 रुपये बरामद हुए हैं।

चोरी करने का आरोपी शाहजहांपुर में गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ/मलिहाबाद : मिर्जागंज स्थित ज्वैलरी दुकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए मलिहाबाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को शाहजहांपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 483 ग्राम चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं, जबकि उसके दो साथी अभी फरार हैं। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी के अनुसार, 21 दिसंबर 2025 को मोहल्ला मिर्जागंज निवासी यूसुफ वली बेग उर्फ बबली ने दुकान का शटर तोड़कर जेवर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान फते उर्फ फतेह सिंह (निवासी निगोही, शाहजहांपुर) का नाम सामने आया। सूचना के आधार पर पुलिस ने शाहजहांपुर के पृथ्वीपुर गांव स्थित शराब फैक्ट्री के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपने साथियों रामपाल और लोकी उर्फ ओमप्रकाश के साथ मिलकर चोरी की वारदात अंजाम देने की बात कबूल की। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ प्रयागराज और खीरी में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बाग में पड़ा मिला युवक का शव

अमृत विचार, मोहनलालगंज : थाना क्षेत्र के मऊ गांव में नहर किनारे आम के बाग में एक युवक का शव औंधे मुंह पड़ा मिला। गुरुवार शाम करीब पांच बजे किसानों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक अर्द्धनग्न अवस्था में था। छानबीन के दौरान शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

आग से 12 बीघा गेहूं की फसल राख

अमृत विचार, गोसाईंगंज : थाना क्षेत्र के मलौली गांव में गुरुवार को गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गयी। तेज हवाओं के चलते आग तेजी से फैली। आग से कई किसानों से करीब 12 बीघा फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक किसानों की महीनों की मेहनत और पूंजी जलकर बर्बाद हो चुकी थी। इस घटना से प्रभावित किसानों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित किसानों में प्रभाकर वर्मा, देवेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, धर्म यादव, राजकिशोर यादव, रामदीन, जमील, साबिर अली, राम दिन और दिनेश शामिल हैं। जानकारी पर लेखपाल विवेक वर्मा मौके पर पहुंचे और संबंधित उच्च अधिकारियों को पूरी जानकारी दी। ग्रामीणों ने गरीब किसानों को उनकी बर्बादी का उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

सर्वोदय विद्यालयों का बढ़ा क्रेज, सात गुना अधिक आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। सत्र 2026-27 के लिए 10,790 सीटों के मुकाबले 68,780 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो सीटों से लगभग सात गुना अधिक हैं। प्रदेश में 103 सर्वोदय विद्यालय संचालित हैं, जिनमें 70 बालकों और 33 बालिकाओं के लिए हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित माहौल और आवासीय सुविधाओं के चलते इन विद्यालयों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। अब ग्रामीण के साथ-साथ शहरी अभिभावक भी इन स्कूलों को प्राथमिकता दे रहे हैं। सीटों के अनुसार, बालक वर्ग में 7,452 और बालिका वर्ग में 3,338 सीटें निर्धारित हैं। वहीं आवेदन में बालकों के 44,743 और बालिकाओं के 24,037 आवेदन शामिल हैं, जिनमें कक्षा-6 के लिए सबसे अधिक आवेदन आए हैं। समाज कल्याण विभाग के अनुसार, आधुनिक संसाधन, बेहतर शिक्षण पद्धति और खेल-सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

एआई से अश्लील फोटो बनाकर की वायरल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीड़िता के बहन के देवर पर आरोप, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: मलिहाबाद इलाके में युवती ने बड़ी बहन के देवर पर एआई की मदद से अश्लील फोटो बनाकर वायरल करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि आरोपी की हरकत में देवर के साथ ही ननद भी शामिल है।

आरोप है कि बहन के निकाह के दौरान देवर की ओछी हरकतों को नजरअंदाज कर पीड़िता शांत रही। चुप्पी का फायदा उठाते हुए आरोपी ने अश्लील फोटो बनाकर रिश्तेदार को भेज दी। घरवालों ने शिकायत की तो गलती मानी। उसके बाद दोबारा नग्न फोटो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

थाना क्षेत्र निवासी 22 वर्षीय युवती ने बताया कि बहन का निकाह हरदोई के मल्लावां के रहने वाले मशहूद अली अंसारी से हुआ था। निकाह के बाद से ही बहन का देवर मोनिस अली उर्फ चांद उसके पीछे पड़ गया था। मोनिस अक्सर आपत्तिजनक हरकत करता था। मोनिस की करतूत में उसकी बहन शबाना भी साथ देती थी।

अपराधियों का बचना मुश्किल, 300 क्राइम सीन एक्सपर्ट तैयार

पुलिसकर्मियों ने सीखी साइबर एवं फॉरेंसिक विषयों की तकनीक, पुलिसिंग को मिलेगी नई रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेशभर से आए कर्मियों को फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट में मिला 42 का विशेष प्रशिक्षण

अमृत विचार : प्रदेश में अपराधियों के लिए बच निकलना असंभव होगा। योगी सरकार ने प्रदेश की पुलिसिंग को तकनीक और वैज्ञानिक जांच से सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) ने 300 प्रशिक्षित "क्राइम सीन एक्सपर्ट" तैयार किए हैं। इस तीसरे बैच के प्रशिक्षण में 105 क्राइम सीन एक्सपर्ट तैयार किए गए हैं। दो बैच इससे पहले तैयार किए जा चुके हैं।

प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट और जनपदों से आए पुलिसकर्मियों ने 42 दिन का विशेष "क्राइम सीन मैनेजमेंट" प्रशिक्षण पूरा किया, जिसमें उन्हें साइबर एवं फॉरेंसिक तकनीकों की आधुनिक ट्रेनिंग दी गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की मजबूत कानून व्यवस्था की चर्चा पूरे देश में होती है। इसे और सशक्त बनाने के लिए यूपीएसआईएफएस में क्राइम सीन एक्सपर्ट तैयार किए जा रहे हैं। यहां मुख्य अतिथि के तौर पर अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं नवीन अरोरा ने तकनीकी बारीकियां बताईं। उन्होंने कहा कि अपराधी घटनास्थल पर कहीं न कहीं साक्ष्य अवश्य छोड़ता है। नवीन अरोरा ने प्रशिक्षणार्थियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जनपदों और यूनिट्स में जाकर वर्कशॉप आयोजित करें और अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करें, ताकि क्राइम सीन मैनेजमेंट की विशेषज्ञता पूरे पुलिस बल तक पहुंचे। इससे पूरे प्रदेश में फॉरेंसिक आधारित जांच तंत्र मजबूत होगा।

पुलिसकर्मियों को क्राइम सीन मैनेजमेंट के लिए तकनीक की जानकारी देते अधिकारी।

संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी ने बताया कि इस तरह से कुल पांच चरणों में 500 एक्सपर्ट तैयार किए जाएंगे। इस तीसरे बैच के प्रशिक्षण में 105 क्राइम सीन एक्सपर्ट तैयार किए गए हैं। चौथा बैच 27 अप्रैल से शुरू किया जाएगा। अफसरों को केवल पारंपरिक क्राइम सीन प्रबंधन ही नहीं, बल्कि साइबर फॉरेंसिक, डिजिटल साक्ष्य संरक्षण, वैज्ञानिक सैंपलिंग, एविडेंस प्रिजर्वेशन और टेक्नोलॉजी-आधारित जांच की बारीकियां भी सिखाई गईं। यूपीएसआईएफएस के महानिरीक्षक राजीव मल्होत्रा और उप महानिरीक्षक हेमराज मीना ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

सड़क हादसों में छात्र समेत चार की मौत

दुबग्गा में बाइक सवार छात्र घायल पड़ा मिला, पारा में खड़े डाले में बाइक टकराने से हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: दुबग्गा इलाके में दोस्त से मिलने गए बाइक सवार छात्र की सड़क हादसे में मौत हो गई। वहीं, पारा के हंसखेड़ा स्थित निजी लॉन के पास तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े डाला में पीछे से जा टकराई। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

दुबग्गा के बसंत कुंज निवासी कार्तिक शर्मा (17) ठाकुरगंज स्थित बालागंज के एक निजी स्कूल से 12वीं का छात्र था। चाचा सागर शर्मा ने बताया कि उनका भतीजा गुरुवार दोपहर एक बजे ठाकुरगंज निवासी दोस्त से मिलने बाइक से गया था। पुलिस ने बताया कि कार्तिक लहूलुहान हालत में दुबग्गा के प्रेरणा स्थल पर घायल पड़ा था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस घायल को गंभीर हालत में पास के अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने कार्तिक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को तलाशी के दौरान कार्तिक के पास से मिले मोबाइल फोन से कॉल की। फोन हरिद्धार गए भाई अचिंत ने उठाया। उसने वीडियो कॉल कर छोटे भाई की पहचान की।वहीं, पारा डिप्टी खेड़ा निवासी दीपक कुमार (24) अपने दोस्त राजेंद्र के साथ मजदूरी कर लौट रहा था। रास्ते में हंसखेड़ा स्थित निजी लॉन के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डाला से टकरा गई। बाइक टकराने से दीपक व राजेंद्र गम्भीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान देर रात दीपक की मौत हो गई। राजेंद्र की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र के बसहरी गांव के पास ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक में टक्कर मार दी। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां गुरुवार को युवक की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब वह ससुराल से घर आ रहा था। इसी थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से मानसिक विक्षिप्त अधेड़ की मौत हो गई।

- माल में अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की गई जान

विनय

हरदोई के देवकली रायपुर निवासी किसान विनय (24) बुधवार को मंझी गांव स्थित ससुराल से मोटरसाइकिल से अपने गांव वापस जा रहा था। रास्ते में माल-इटौंजा मार्ग पर बसहरी गांव के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से विनय उछलकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर माल पुलिस व परिजन मौके पर पहुंचे। घायल को सीएचसी पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। गुरुवार दोपहर इलाज के दौरान विनय ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मृतक के परिवार में पत्नी रेशमा, चार वर्षीय बेटा विराज और चार माह की बेटी काव्या है।

इसी थाना क्षेत्र के माल-अतरौली मार्ग पर केडौरा गांव के पास बुधवार देर रात 55 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक पिछले कई दिनों से क्षेत्र में घूमता रहता था। उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

राहुल गांधी से जुड़े मामले में आज भी होगी सुनवाई

विधि संवाददाता, लखनऊ

- कथित दोहरी नागरिकता मामले में इन-चैंबर सुनवाई हुई

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में राहुल गांधी से जुड़े कथित दोहरी नागरिकता विवाद के मामले में इन-चैंबर सुनवायी हुई। सुनवाई के समय याची एस विग्नेश शिशिर ने न्यायालय से पूरक शपथपत्र दाखिल करने के लिए समय मांगा। जिसे न्यायालय ने मंजूर करते हुए मामले को सुनवाई के लिए 17 अप्रैल की तारीख नियत की है। मामले की सुनवाई न्यायालय कक्ष के बजाय जज के चेंबर में हुई, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे संवेदनशील मुद्दा बताते हुए चैंबर में सुनवाई के लिए न्यायायल से मांग की थी। अब मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को तय की गई है।

यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने एस विग्नेश शिशिर की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई के पश्चात पारित किया। याची ने 28 जनवरी 2026 को लखनऊ की विशेष एमपी/एमएलए अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत ने कहा था कि नागरिकता का मुद्दा तय करने का अधिकार उसके पास नहीं है। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और विस्तृत जांच की मांग की है। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता, गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत कई आरोप लगाए हैं।

जनभवन में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध शासकीय एवं वित्त पोषित महाविद्यालयों की समीक्षा बैठक करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। अमृत विचार

रिक्त पदों पर करें शीघ्र नियुक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की राज्यपाल ने समीक्षा बैठक की

अमृत विचार : राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने महाविद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों, जर्जर भवनों एवं कम नामांकन जैसी समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए शीघ्र नियुक्ति करने के निर्देश दिए। साथ ही, आवश्यकतानुसार आउटसोर्सिंग अथवा महाविद्यालय स्तर से पदों की रिक्तियों को न्यून करने के भी निर्देश दिये। शैक्षणिक वातावरण सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने प्राचार्यों एवं शिक्षकों को महाविद्यालय परिसर में निवास करने की भी अपेक्षा व्यक्त की है।

राज्यपाल गुरुवार को बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी से संबद्ध शासकीय एवं वित्त पोषित महाविद्यालयों की समीक्षा बैठक कर रही थीं। जनभवन में हुई बैठक में कुल 24 राजकीय महाविद्यालयों एवं 13 अनुदानित महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने प्रतिभाग किया। इनमें बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट, जालौन, झांसी, ललितपुर एवं महोबा के शासकीय एवं वित्तपोषित महाविद्यालय सम्मिलित रहे। इस दौरान आनन्दीबेन पटेल ने निकटवर्ती निजी महाविद्यालयों एवं डीम्ड विश्वविद्यालयों से समन्वय स्थापित कर संसाधनों का बेहतर उपयोग करने का सुझाव दिया।

छात्राओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने महाविद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं के नियमित हीमोग्लोबिन परीक्षण एवं वजन मापन कराने तथा कमजोर स्वास्थ्य वाली छात्राओं के लिए विशेष प्रयास किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने महाविद्यालयों में 'गर्भ संस्कार' जैसे विषयों पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

किशोर ने किया आंबेडकर के पोस्टर का अपमान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वीडियो वायरल, राष्ट्रीय कल्याण मंच के अध्यक्ष ने मोहनलालगंज कोतवाली में दी तहरीर

अमृत विचार: मोहनलालगंज के सिसेंडी इलाके में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के पोस्टर का अपमान एक किशोर ने किया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से लोगों में आक्रोश है।

वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर राष्ट्रीय कल्याण मंच के पदाधिकारी देर शाम मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचे। उन्होंने इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय कल्याण मंच के अध्यक्ष अनोद कुमार रावत ने वीडियो के आधार पर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि समिति के सदस्यों ने वायरल वीडियो के आधार पर दो लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। दोनों आरोपी नाबालिग है। जिसमें एक आरोपी किशोर दलित है।

दिल्ली में भाजपा की बड़ी बैठक क्षेत्रीय अध्यक्षों को लेकर मंथन तेज

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली/लखनऊ

- संगठन विस्तार और रणनीति पर चर्चा

अमृत विचार: उप्र. भाजपा संगठन को लेकर राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पार्टी की अहम बैठक जारी है। बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष मौजूद हैं।

बैठक में उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक यह बैठक प्रदेश संगठन में अहम बदलावों की दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

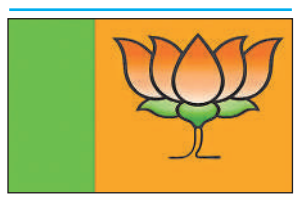

सूत्रों के अनुसार बैठक में उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय अध्यक्षों के चयन को लेकर गहन मंथन चल रहा है। पार्टी संगठन को और प्रभावी बनाने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर नेतृत्व को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि जातीय और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों को जिम्मेदारी दी जा सकती है।

बैठक में केवल क्षेत्रीय अध्यक्ष ही नहीं, बल्कि संगठन के अन्य स्तरों पर भी विस्तार और बदलाव को लेकर चर्चा की जा रही है। आगामी चुनावी तैयारियों और पार्टी की जमीनी पकड़ को मजबूत करने के लिए रणनीति बनाई जा रही है।

बताया जा रहा है कि पार्टी हाईकमान राज्य में संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने के लिए जल्द ही कुछ अहम फैसले ले सकता है।

बिजली निजीकरण के विरोध में अभियान शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर गुरुवार को सहारनपुर और शामली में प्रदेशव्यापी जनजागरण अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान 15 अप्रैल से 21 मई तक चलेगा, जिसके तहत केंद्रीय पदाधिकारियों की ओर 36 दिवसीय प्रांतीय दौरा भी किया जाएगा।

समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण, ओबरा और अनपरा विद्युत परियोजनाओं को ज्वाइंट वेंचर के माध्यम से निजी हाथों में सौंपने, गंगा कैनाल स्थित जल विद्युत परियोजनाओं को निजी कंपनियों को लीज पर देने के साथ ट्रांसमिशन क्षेत्र में टैरिफ बेस्ड कॉम्पिटेटिव बिडिंग के जरिए निजीकरण के प्रयास उपभोक्ताओं और बिजली व्यवस्था दोनों के हित में नहीं हैं। संघर्ष समिति ने प्रदेश की जनता, किसानों और उपभोक्ताओं से अपील की कि यह आंदोलन केवल कर्मचारियों का नहीं, बल्कि सस्ती, सुलभ और विश्वसनीय बिजली व्यवस्था को बचाने का संघर्ष है।

- प्रदेशभर में 36 दिन चलेगा जनजागरण

दौरा | नेपाली जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरि चरण शाह ने की यूपी सरकार की सराहना

नेपाल सीमा के जिलों में विकास से बढ़ा सहयोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- रोजगार और पर्यटन को मिली नई मजबूती

अमृत विचार: नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दल नेपाली जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरि चरण शाह ने उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए कहा कि नेपाल सीमा से लगे जिलों में हुए विकास कार्यों ने दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर माहौल और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने में यूपी सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

भारत दौरे के दौरान लखनऊ पहुंचे शाह ने कहा कि भारत-नेपाल संबंधों में उत्तर प्रदेश की भूमिका बेहद अहम है। दशकों से सीमावर्ती जिलों में 'रोटी-बेटी' का रिश्ता कायम है, जो सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का मजबूत आधार है। उन्होंने बताया कि गोरखपुर सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों में नेपाली मूल के लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं। इससे न केवल उनकी आजीविका मजबूत हुई है, बल्कि दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग भी बढ़ा है।

'रोटी-बेटी' का रिश्ता बना मजबूत आधार

नेपाल और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों के बीच वर्षों पुराना 'रोटी-बेटी' का रिश्ता सामाजिक समरसता की मिसाल है। रोजगार, व्यापार और सांस्कृतिक जुड़ाव ने इस संबंध को और मजबूत किया है, जिससे दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

शाह ने कहा कि नेपाल की लंबी सीमा उत्तर प्रदेश से जुड़ी हुई है और इन क्षेत्रों में सड़क, कनेक्टिविटी और आधारभूत सुविधाओं के विकास से दोनों देशों को सीधा लाभ मिला है। सीमावर्ती इलाकों में विकास कार्यों से पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश और नेपाल के बीच धार्मिक संबंध भी गहरे हैं। माता सीता का मायका जनकपुर (नेपाल) में है, जबकि ससुराल अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में स्थित है। यह सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध दोनों क्षेत्रों को स्वाभाविक रूप से जोड़ते हैं। शाह ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भारत और नेपाल के बीच सहयोग और मजबूत होगा।

नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर

पीसीसीएम ने उत्तर रेलवे के सभी मंडलों के अधिकारियों के साथ की बैठक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) प्रवीण पाण्डेय का वाराणसी जंक्शन पर आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने दिल्ली, लखनऊ, मुरादाबाद, फिरोजपुर, अंबाला और जम्मू मंडलों के वाणिज्यिक अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में नॉन-फेयर रेवेन्यू (एनएफआर) के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

सभी मंडलों के अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में एनएफआर के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक के उपरांत पीसीसीएम ने वाराणसी जंक्शन स्टेशन का निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा सर्कुलेटिंग एरिया का जायजा लिया। उन्होंने रोप-वे का भी निरीक्षण कर उसकी कार्यप्रणाली और उपयोगिता का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार किया जाए तथा नवाचार के माध्यम से एनएफआर के स्रोतों को बढ़ाकर रेलवे की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जाए।

वाराणसी जंक्शन स्टेशन का निरीक्षण करते पीसीसीएम प्रवीण पाण्डेय, साथ में अन्य।

आग में दो बहनें जिंदा जलीं, मलबे में देर रात मिले शव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

अमृत विचार: विकासनगर के रिंग रोड स्थित झुग्गी बस्ती में बुधवार शाम को आग लग गई। आग की चपेट में अपने से करीब 600 से झोपड़ियां जलकर राख हो गई। हादसे में बाराबंकी निवासी दो मासूम बहनें जिंदा जल गई। उनका शव मलबे से देर रात करीब दो बजे राख से बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रिंग रोड स्थित खाली भूखंड पर बसी झुग्गी बस्ती में बुधवार शाम आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया । करीब 600 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं, परिवार सड़क पर आ गये। आग की तपिश से 30 से अधिक रसोई गैस सिलिंडर धमाके के साथ फटे। जिससे पूरा इलाका दहल गया। मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की 20 से अधिक गाड़ियों ने सात घंटे में आग पर काबू पाया। हादसे में एक ही परिवार की दो मासूम बच्चियां जिंदा जल गई। एसओ विकासनगर आलोक कुमार सिंह के मुताबिक बाराबंकी के राम सनेही घाट क्षेत्र के काशीपुरवा निवासी सतीश ने घटना स्थल पर झोपड़ी बनाई थी। उसी में परिवार के साथ रहता था।

सतीश के मुताबिक उसकी तीन बेटियां है। 2वर्षीया पीहू, दो वर्षीया स्वाति और दो माह की आयुषी। हादसे के वक्त उनकी दो वर्षीय बेटी श्रुति उर्फ स्वाति और दो माह की आयुषी झोपड़ी में सो रही थीं। पीहू हादसे के समय झोपड़ी के बाहर थी। आग लगते ही उसे लोगों ने बचा लिया। जबकि स्वाति और आयुषी अंदर ही फंसे रह गये। आग पर काबू पाने के बाद पुलिस, एसडीआरएफ, एनजीआरएफ व अग्निशमन विभाग की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। देर रात करीब दो बजे स्वाति और आयुषी का शव बरामद किया। परिवार के शिनाख्त करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बेटियों के शव देखते ही सतीश बेसुध हो गए। बिलखते हुए बोले मेरा तो सब कुछ आग में जल गया। पुलिस ने दोनों बच्चियों के शव मिलने के बाद जल्दी ही पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। करीब 11 बजे दोनों के पोस्टमार्टम हुए और फिर पुलिस ने शव को सिपुर्द कर दिया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में सतीश ने दोनों बच्चियों के शव को दफनाया और वह परिवार के साथ बाराबंकी गांव चले गए। इस दौरान वह दोबारा उस जगह भी नहीं गया जहां झुग्गी झोपड़ी बनी थी।

विकास नगर अग्निकांड

- देर रात ही शवों को मॉर्च्युरी भेज दिया गया, सुबह हुआ पोस्टमार्टम

विकासनगर झुग्गी बस्ती में बक्से में रखी सामग्री में धधकती आग। अमृत विचार

देर रात तक चला सर्च ऑपरेशन

- डीसीपी पूर्वी डॉ .दीक्षा शर्मा के मुताबिक देर रात आग बुझाने के बाद पुलिस और व अन्य बचाव टीमों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। सर्च ऑपरेशन के दौरान स्वाति और आयुषी के जले हुए शव मिले। दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। डॉक्टरों के पैनल ने बच्चियों के शवों का पोस्टमार्टम के किया। इसके बाद बच्चियों के शवों को माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में गुलाला घाट में दोनों बच्चियों को दफनाया गया। सतीष की मांग है कि उन्हें प्रशासन और सरकार एक पक्का मकान उपलब्ध कराए। इसके अलावा परिवार के एक सदस्य को नौकार और मुआवजा दिया जाए।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये दिया गया मुआवजा

- विकास नगर बस्ती अग्निकांड में जान गंवाने वाले दो बच्चों के परिजनों को शासन की तरफ 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर विधायक ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर सहायता राशि का चेक सौंपा। साथ ही पीड़ितों को सरकार की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को ही इस घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पीड़ितों के लिए नजदीकी कम्युनिटी सेंटर में रहने और खाने की व्यवस्था की गई। वहीं घटना स्थल पर भी नगर निगम और रेरा की टीम खाने के पैकेट का वितरण कर रही है।

मदद और आश्वासन को आए आगे

बस्ती के लोगों को कपड़े व सामग्री बांटते रोटी कपड़ा फाउंडेशन के पदाधिकारी।

रोटी कपड़ा फाउंडेशन ने दी खाद्य सामग्री

- **अमृत विचार, लखनऊ :** रोटी कपड़ा फाउंडेशन की टीम ने विकास नगर में अग्निकांड पीड़ितों से मिलकर घटना की जानकारी ली। टीम ने पीड़ित परिवारों को समोसे, बिस्कुट, फ्रूटी और पानी का वितरण भी किया।छोटे बच्चों को नए कपड़े पहनाए गए, जिससे उनके चेहरे पर खुशी देखते ही बनती थी। इस अवसर पर रिद्धि किशोर गौड़, आशीष अग्रवाल और अजय मेहरोत्रा मौजूद रहे।

आरपीआई ने बांटे कपड़े, भोजन

विकासनगर झुग्गी बस्ती में आरपीआई के पदाधिकारी व अन्य।

- **अमृत विचार, लखनऊ :** रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अ) के प्रतिनिधिमंडल ने भी विकास नगर जाकर अग्निकांड पीड़ितों से मुलाकात कर जानकारी ली। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पीड़ितों को भोजन, कपड़े और जरूरी सामान वितरित किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कई परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है। पार्टी ने राज्य सरकार की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए कहा कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद अब तक कोई ठोस राहत पैकेज घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की कि आग के कारणों की निष्पक्ष जांच हो, लापता लोगों की जानकारी जल्द सामने लाई जाए और प्रभावित परिवारों के लिए स्थायी पुनर्वास योजना बनाई जाए। साथ ही, मृतकों के परिजनों और नुकसान झेलने वालों को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग भी उठाई गई। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

अग्निकांड पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

अग्निकांड पीड़ितों से जानकारी लेतीं विधायक आराधना मिश्रा व अन्य कांग्रेसी।

- अमृत विचार,लखनऊ झुग्गी-झोपड़ियों में लगी भीषण आग के बाद राहत कार्यों में कथित देरी को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को घटनास्थल का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि आग लगने के बाद करीब तीन घंटे तक फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंची। घटना के 24 घंटे बाद भी जले हुए पशु वहीं पड़े होने और आवश्यक सरकारी सहायता न मिलने पर लोगों ने नाराजगी जताई। आराधना मिश्रा ने उस परिवार से भी मुलाकात की जिसने इस हादसे में अपने बच्चों को खो दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद पत्रकारों से बातचीत में प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि हाईवे के पास होने के बावजूद देरी चिंताजनक है। उन्होंने अपने निजी कोष से एक लाख रुपये की सहायता राशि कांग्रेस पार्टी को प्रदान की और राहत सामग्री जल्द भेजने की घोषणा की। प्रतिनिधिमंडल में मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, ओंकारनाथ सिंह, जिलाध्यक्ष रूद्र दमन सिंह, शहर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी शहजाद आलम, पार्षद मुकेश सिंह चैहान, शैलेन्द्र तिवारी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से तत्काल राहत, सफाई, पशु निस्तारण और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की मांग भी की।

10-10 लाख रुपये दिया जाए मुआवजा

- **अमृत विचार,लखनऊ :** विकासनगर क्षेत्र में अग्निकांड का जायजा लेने भाकपा (माले) की तीन सदस्यीय टीम ने गुरुवार को पहुंची। इसमें शामिल जिला प्रभारी रमेश सिंह सेंगर, राज्य कमेटी सदस्य राधेश्याम मौर्य और मजदूर नेता कुमार मधुसूदन मगन दर्जनों पीड़ित परिवारों से घटना की जानकारी ली। पीड़ितों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि सामान बचाना तो दूर, जान बचाना मुश्किल हो गया। कई परिवारों के रुपये, जेवर, कपड़े और अन्य सामान सब जल गया। सीतापुर की मोहिनी और उनके पति सर्वेश ने बताया कि मजदूरी कर परिवार चला रहे थे, लेकिन अब कुछ भी नहीं बचा। बाराबंकी के आशाराम और उनके परिजनों ने बताया कि आग शराब के ठेके के पास से लगी थी। लखीमपुर-खीरी के मेराज ने बेटी की शादी के लिए रखी नकदी और जेवर जल जाने की पीड़ा बयां जांच टीम ने सरकार से तत्काल राहत कैंप लगाने, भोजन-पानी व दवा की व्यवस्था करने, प्रत्येक परिवार को दस लाख रुपये मुआवजा देने, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर उपलब्ध कराने और बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही घटना की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई।

मृतक आश्रितों को मिले एक करोड़ मुआवजा : मेहरोत्रा

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मध्य विधानसभा क्षेत्र से विधायक रविदास मेहरोत्रा, विकास नगर क्षेत्र स्थित अग्निकांड घटनास्थल पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। पीड़ितों का हाल जानने के बाद उन्होंने मांग की है कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए तथा जिनकी झोपड़ियां जली हैं उन्हें कम से कम 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। विधायक ने कहा कि जहां आग लगी, वहां से फायर ब्रिगेड कार्यालय की दूरी मात्र पांच मिनट की है, फिर भी दमकल की गाड़ियां दो घंटे तक नहीं पहुंचीं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि समय पर राहत कार्य शुरू होता तो सैकड़ों झोपड़ियां बचाई जा सकती थीं। यह भी दावा किया कि इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है, लेकिन प्रशासन इन मौतों को छुपाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आरोप है कि आग लगने के बाद रातभर प्रभावित लोगों को अपनी झोपड़ियों में जाने नहीं दिया गया, जिससे वे अपना सामान नहीं निकाल सके।

विदा होकर रिश्तेदार के घर गई बहू

- बस्ती में रहने वाले मनीष की बारात डीके मैरिज लान करीब 10 बजे पहुंची। बारात में रिश्तेदार और परिजन समेत करीब 10 लोग ही शामिल हो सके। बाकी के लोग बस्ती में थे। मनीष के भाई लकी ने बताया कि लड़की पक्ष ने करीब 100 से 150 बरातियों के खाने की व्यवस्था की थी। सब खाना वहां बर्बाद हो गया। आग में उनकी सारी झोपड़ी और गृहस्थी जलकर राख हो गई। घर पर कुछ भी नहीं बचा। भाई जब निकला तो बाजार से एक जोड़ी उसके लिए कपड़े खरीदे गए। रिश्तेदारों से रुपये उधार लिए गए थे। वही पहनाकर भंवरे कराई गई। गेस्ट हाउस के भाभी की विदाई हुई। विदा होकर वह मुंशी पुलिया पर रहने वाले चाचा के घर गई।

राख के ढेर में तलाशते रहे उम्मीदें

अवशेष में जली गृहस्थी देख कोई फफक कर रोया तो कोई सिसकता रहा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

अमृत विचार: विकासनगर के रिंग रोड स्थित झुग्गी बस्ती में आग से राख हुई झोपड़ियों में गुरुवार को पीड़ित उम्मीदें तलाशते रहे। जले घरों और गृहस्थी को देख कोई दहाड़े मारकर रोया तो किसी की सिसकियां निकलती रहीं।

झुग्गी झोपडी में आग से जली झोपड़ियों में अवशेष के बीच बचे जेवर व अन्य सामान तलाशने के लिए पीड़ित पहुंच गए। भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने पीड़ितों की लाइन लगवाई। सभी का नाम, पता और अन्य जानकारी एक रजिस्टर में दर्ज की गई। इसके बाद पुलिस व बचाव दल की निगरानी में उन्हीं उनकी झुग्गियों के अवशेष तक जाने दिया गया। अवशेष के बीच अपनी जली गृहस्थी और अन्य कीमते वस्तुएं जली देख लोग बिलखते रहे। आग की चपेट में आकर झुलसे गुमानी यादव भी पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि सामान बचाने के प्रयास में झुलस गए थे। एसडीआरएफ और पुलिस के जवान दूसरे दिन में मलबे में लोगों की तलाश करते रहे।

विकासनगर झुग्गी बस्ती में जले आशियानों में गृहस्थी के अवशेष देखकर बिलखतीं महिलाएं। अमृत विचार

पार्क में बैठे राख निहारते काटी रात

- प्रशासन ने कुछ परिवारों को रात में ही रैन बसेरों में ठहराया। कई परिवार पास के पार्क में बैठे रहे। अग्निशमन विभाग ने आग पर रात करीब 12:50 बजे पाया। इसके बाद राहत कार्य शुरू किया। इस दौरान पार्क में बैठे परिवार अपने झोपड़ियों की राख को निहारते है। अंधेरा होने के कारण कोई सामान नहीं दिख रहा था। ड्रैगन लाइट व गाड़ियों की रोशनी में पुलिस व सुरक्षा बल राहत कार्य कर रहे थे। सुबह होने पर सामान की तलाशी शुरू हुई तो कई लोगों ने चोरी होने का आरोप भी लगाया। तनाव की आशंका को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारी बेघर हुए परिवारों की सूची तैयार कर रहे हैं, हालांकि मुआवजे को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

झोपड़ी की राख में बचे सामान की तलाश करती महिला। अमृत विचार

कुछ सामान बचा होने की उम्मीद में जली झोपड़ियों तक जाने के लिए लाइन लगाए महिलाएं। अमृत विचार

आग लगने के कारण पता लगा रही टीम

- मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश मित्तल के अनुसार, शुरूआती जांच और पूछताछ में सामने आया कि झुग्गी बस्ती में शराब की दुकान है। उसके पास कूड़े का ढेर लगा था। जिसमें बुधवार शाम को आग लग गई। चिंगारी भड़ककर झोपड़ी पर पड़ी और आग लग गई। वहीं, कुछ लोगों ने बताया कि एक झोपड़ी में खाना बनाते समय आग लग गई थी। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। फिलहाल, जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

नगर निगम की जेसीबी देख भड़के लोग, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बस्ती के लोगों ने की नारेबाजी पुलिस ने किया बीच बचाव

अमृत विचार : रिंग रोड विकासनगर झुग्गी बस्ती में आग पर देर रात करीब डेढ़ बजे काबू पाया गया। राहत कार्य में पुलिस, एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग की टीम जुटी थी। राहत कार्य के दौरान पास के एक भूखंड से रास्ता बनाने के लिए नगर निगम से जेसीबी मंगाई गई थी। जैसे ही जेसीबी भूखंड पर पहुंची। वहां की झुग्गी बस्ती वालों ने हंगामा शुरू कर दिया। आरोप लगाया कि बस्ती खाली कराई जा रही है। हंगामा और नारेबाजी होता देख एसओ विकासनगर आलोक कुमार सिंह टीम के साथ पहुंचे। किसी तरह लोगों को शांत कराया। बताया कि बस्ती हटाने के लिए नहीं रास्ता बनाने के लिए जेसीबी मंगाई गई है।

मामा-भांजे भिड़े

- आग पर काबू पाने के बाद देर रात को लोग अपने सामान तलाशने में जुटे थे। आग की चपेट में आने और अंधेरा होने के कारण सारे बक्से एक ही जैसे दिख रहे थे। इसी बीच एक बुजुर्ग ने अपने भांजे का कॉलर पकड़ लिया। उसकी पिटाई शुरू कर दी। आरोप लगाया कि उसने उनके बॉक्स से सोने के जेवर चोरी किये हैं। किसी तरह पुलिस ने समझाया। इसके बाद बुजुर्ग का बॉक्स तलाशकर सुपुर्द किये।

झुग्गी बस्ती में मिले सौ से अधिक सिलिंडर

- झुग्गी बस्ती में बुधवार शाम को हुए अग्निकांड को लेकर पुलिस व अग्निशमन विभाग साजिश व हादसा के बिंदु पर जांच कर रही है। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि जानबूझकर आग लगाई गई। वहीं, कुछ लोग कैंटीन और एक झोपड़ी से निकली चिंगारी के कारण हादसा होना बता रहे हैं। गुरुवार को अग्निशमन विभाग की टीम ने झुग्गी बस्ती से छोटे-बड़े सौ से अधिक सिलिंडर बरामद किये। आशंका है कि बस्ती में ढाई से तीन सौ सिलिंडर मौजूद थे। सिलिंडरों की संख्या किसी बड़ी घटना की साजिश की तरफ इशारा कर रहे हैं। अग्निशमन विभाग के अनुसा गुरुवार दोपहर बस्ती में 100 से अधिक सिलिंडर मिले हैं। टीम को आशंका है कि बस्ती में ढाई से तीन सौ सिलिंडर रहे होंगे। आग लगने के बाद से लेकर काबू पाने के बीच 30 से अधिक बड़े धमाके हुए।

बस्ती खाली करने की दी जा रही थी धमकी

- झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों ने साजिश करार बताया है। पीड़ितों के मुताबिक स्थानीय लोग उन्हें लगातार यहां से हटने के लिए दबाव बना रहे थे। कुछ महिलाओं का आरोप है कि उन्हें पहले धमकाया गया था कि झोपड़ियां खाली कर दें। अन्यथा अंजाम भुगतना पड़ेगा। दावा है कि धमकियों के बाद ही आग लगाई गई। हालांकि पुलिस इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच कर रही है। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह के मुताबिक अग्निशमन विभाग के सहयोग से आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का सुराग मिल सके। प्रारंभिक जांच में आग लगने के तीन अलग-अलग कारण सामने आए हैं।

भायावह अतीत शहर के पूर्वी, उत्तरी, पश्चिम जोन में हुई सर्वाधिक अग्निकांड की घटनाएं

अप्रैल में ही हुए बड़े अग्निकांड, कई की जान भी गई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शहर में एक दशक में झुग्गी बस्तियों में अप्रैल में सबसे अधिक अग्निकांड हुए हैं। जोन वार देखा जाए तो पूर्वी, उत्तरी और पश्चिमी जोन में सर्वाधिक घटनाएं हुई। वहीं, विभूतिखंड, इंदिरानगर और विकासनगर में गृहस्थी जलने के साथ कई जानें जा चुकी हैं।

इसके बाद भी पुलिस, प्रशासन और अग्निशमन विभाग ने बचाव के कोई खास उपाय नहीं किये। न ही बिना अनुमति के झुग्गी बस्ती बसाने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई है। पिछले से कृष्णानगर के केशरीखेड़ा में हुए अग्निकांड में पहली बार भूखंड स्वामी और किराए पर झुग्गी बस्ती बसाने वालों पर एफआईआर दर्ज की गई। अग्निशमन विभाग भी मानता है कि मार्च, अप्रैल, मई में सर्वाधिक अग्निकांड होते है। इसके लिए वह पूरी तैयारी करता है।

इसके बाद भी अप्रैल में सबसे अधिक अग्निकांड हो रहे हैं। पिछले वर्ष एक सप्ताह में चार स्थानों झुग्गी बस्ती में आग लगी थी। 22 अप्रैल को कृष्णानगर के केशरीखेड़ा में दो सौ झुग्गी जलकर राख हो गई।

दो दिन बाद 24 अप्रैल को सआदतगंज थाने के पीछे डेढ़ सौ झुग्गी जली, 25 अप्रैल को बाजारखाला ऐशबाग एलडीए कॉलोनी की झुग्गी बस्ती में आग लगी 40 झोपड़ी जलकर राख हुई। वहीं, 28 अप्रैल को मड़ियांव के फैजुल्लागंज में मंदिर के पास झुग्गी बस्ती में आग लग गई। सौ से अधिक झोपड़ियां जल गई। इन बस्तियों में भी ताबड़तोड़ रसोई गैस सिलिंडर धमाके के साथ फटे थे। पूरा इलाका दहल गया, तीन लोग झुलस गये थे।

झुग्गी बस्ती की राख पर बन गये व्यावसायिक भवन

- विभूतिखंड के बेहननपुरवा की झुग्गी बस्ती में 16 अप्रैल 2018 की दोपहर अचानक आग लग गई। हादसे में सौ से अधिक झोपड़ी जलकर राख हो गये। आग की चपेट में आने से तीन वर्षीय मासूम जिंदा जल गया। आग पर काबू पाया गया। पर, दोबारा मजदूरों को बसने का स्थान नहीं दिया गया। वहां पर डेढ़ वर्ष बाद पांच से छह मंजिल के व्यावसायिक भवन बनकर तैयार हो गये। पुलिस ने गैस रिफिलिंग के दौरान आग लगने का कारण बताते हुए एक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया था।

कुछ और अग्निकांड

- **18 दिसंबर 2017 :** आलमबाग स्थित श्रम विहार कालोनी में रेलवे की जमीन पर बसी झुग्गी बस्ती में लगी आग। हादसे में 15 से अधिक जानवर जलकर मर गये। वहीं, आठ परिवार को सुरक्षित निकाला गया। हादसे में 500 से अधिक झोपड़ियां राख हुई।
- **15 अप्रैल 2019 :** ठाकुरगंज के मोहिनीपुरवा में झुग्गी बस्ती में आग लगी। 24 सिलिंडर धमाके के साथ फटे, 28 झोपड़ियां, एक स्कूटी, बाइक और 20 साइकिल राख।
- **12 अक्टूबर 2020 :** ऐशबाग झुग्गी बस्ती में लगी आग। यहां पर लोग 40 साल से रह रहे थे। 400 से अधिक परिवार बेघर हो गया।
- **21 दिसंबर 2022 :** विकासनगर झुग्गी बस्ती में लगी आग। हादसे में दो बच्चियों समेत तीन लोग झुलस गये। करीब 35 झोपड़ियां जलकर राख हुई।
- **7 नवंबर 2019 :** विभूतिखंड के डिवाइन हॉस्पिटल के पास स्थित झुग्गी बस्ती में लगी आग। हादसे में 25 से अधिक झोपड़ी राख हो गई।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

कार से भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद

कुशीनगर, अमृत विचार : थाना रामकोला पुलिस ने संदिग्ध वाहन चेकिंग के दौरान एक कार से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। बरामद गांजा की कीमत लाखों रुपये में आंकी गई है। पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान हरिकेश पुत्र रामप्रीत साकिन भिस्वा उर्फ कोटियार पकड़ियार थाना घुघली जनपद महाराजगंज के रूप में हुई है। उसे जेल भेज दिया गया।

डीएम व एसपी ने दिए आवश्यक निर्देश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में अभियोजन कार्यों, महिला अपराधों के संबंध मे गोष्ठी की गयी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में अभियोजन के कार्यों के संबंध में गोष्ठी कर संबंधित को दिशा निर्देश दिया गया।

प्रतिबंधित दवा के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा पर बुधवार शाम नो-मैंस लैण्ड स्थित पिलर संख्या 556 के पास एसएसबी व पुलिस चौकी खुनुवां की संयुक्त चेकिंग के दौरान एक नेपाली युवक को प्रतिबंधित दवाओं के साथ गिरफ्तार किया गया। युवक ने अपना नाम विशाल थापा निवासी कपिलवस्तु नगरपालिका वार्ड नम्बर-04, पिपरहवा, थाना तौलिहवा, जिला कपिलवस्तु, नेपाल बताया।

अपनी पसंद या जाति के जांच अधिकारी की मांग अस्वीकार्य

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एससी-एसटी से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए की टिप्पणी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एससी-एसटी से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति कोर्ट से यह निर्देश नहीं मांग सकता कि किसी मामले की जांच उसकी पसंद के अधिकारी द्वारा या किसी विशेष जाति/समुदाय से संबंधित अधिकारी द्वारा कराई जाए। कोर्ट ने ऐसी मांगों को प्रथम दृष्टया कानून के विपरीत और प्रक्रिया का दुरुपयोग करार दिया है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद की एकलपीठ ने एससी-एसटी अधिनियम से जुड़े एक मामले में अपीलकर्ताओं के विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाते हुए पारित किया। कोर्ट के समक्ष मामला एक पुराने विवाद से जुड़ा था, जिसमें अपीलकर्ताओं ने वर्ष 2013 में विपक्षी नरेश कुमार के खिलाफ मारपीट व धमकी की शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में जवाबी कार्रवाई के रूप में शिकायतकर्ता ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3) के तहत आवेदन देकर अपीलकर्ताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई। विस्तृत जांच के बाद पुलिस ने जनवरी 2014 में अंतिम रिपोर्ट दाखिल करते हुए आरोपों को निराधार पाया। इसके विरोध में शिकायतकर्ता ने विरोध याचिका दाखिल कर जांच को पक्षपातपूर्ण बताते हुए न केवल अंतिम रिपोर्ट निरस्त करने, बल्कि अनुसूचित जाति के अधिकारी से पुनः जांच कराने की मांग की। विशेष एससी/एसटी न्यायालय ने विरोध याचिका को शिकायत मानते हुए 2017 में अपीलकर्ताओं के विरुद्ध समन जारी कर दिया तथा बाद में उनकी बरी होने की अर्जी भी खारिज कर दी। इस आदेश को चुनौती देते हुए अपीलकर्ताओं ने हाई कोर्ट के समक्ष वर्तमान अपील दाखिल की।

मुखिया की मृत्यु के आधार पर परिवार के अधिकारों का हनन करना अनुचित

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी स्थित बुनकर कॉलोनी के एक लंबे समय से लंबित विवाद में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि यदि किसी बुनकर (पति) की मृत्यु हो जाती है, तो यह आधार उसकी पत्नी (विधवा) को उसी अधिकार से वंचित करने का कारण नहीं बन सकता है। कोर्ट ने अपने आदेश में आगे कहा कि भारत में बुनकर परिवारों में बुनाई का कार्य सभी सदस्य मिलकर करते हैं और यह एक पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाली पारंपरिक कला है। परिवार के मुखिया की मृत्यु के आधार पर बुनकर परिवार के सदस्यों को कॉलोनी से हटाना इस परंपरागत कला के समाप्त होने जैसा होगा, जिसे किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं दी जा सकती है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने कमरुन्निशा की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया।

चार दशक बाद न्याय: दोष सिद्धि बरकरार, सजा में राहत

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगभग चार दशक पुराने आपराधिक मामले में समयांतराल और दंड के अनुपात को स्पष्ट करते हुए कहा कि केवल समय बीतने के आधार पर दोषसिद्धि को समाप्त नहीं किया जा सकता, लेकिन सजा में संशोधन करते समय यह एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है। कोर्ट ने दोहराया कि सजा अपराध की गंभीरता के अनुरूप होनी चाहिए, लेकिन इसके निर्धारण में समय का अंतराल, अभियुक्त की वर्तमान स्थिति (आयु, स्वास्थ्य) और उसका आचरण आदि प्रासंगिक कारकों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की एकलपीठ ने कन्हैया का अन्य की आपराधिक अपील खारिज कर दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए पारित किया, साथ ही 75 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

अप्रासंगिक कानून का हवाला देने पर परिवार न्यायालय को फटकार

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परिवार न्यायालय, बांदा द्वारा पारित तलाक़ संबंधी आदेश को गंभीर त्रुटियों के कारण निरस्त करते हुए कहा कि निचली अदालत ने अपने निर्णय में ऐसे कानून का बार-बार हवाला दिया, जो अस्तित्व में ही नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मात्र गलत प्रावधान का उल्लेख होने से निर्णय स्वत: अवैध नहीं होता, बशर्ते न्यायालय सही कानून के तहत निर्णय देने का अधिकार रखता हो। हालांकि इस मामले में परिवार न्यायालय ने पूरे फैसले में बार-बार "मुस्लिम स्त्री विवाह विच्छेद अधिनियम, 1986" का उल्लेख किया, जो किसी भी विधि में मौजूद नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने हाफिज की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया। कोर्ट ने इसे निचली अदालत की गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि एक वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह जिस कानून का हवाला दे रहा है, उसकी वैधता सुनिश्चित करे।

पत्नी की हत्या में दोषी पति को आजीवन कैद

संवाददाता, संतकबीरनगर

- **बेटा-बेटी और बहू के बयान बने अहम साक्ष्य, ढाई साल में आया फैसला**

अमृत विचार। धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के बढ़या गांव में पत्नी की निर्मम हत्या और बेटे पर जानलेवा हमले के मामले में सत्र न्यायालय ने आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 30 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने पर छह माह के अतिरिक्त कारावास का आदेश दिया गया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) विशाल श्रीवास्तव के अनुसार, वादी इश्तियाक अहमद ने तहरीर देकर बताया था कि उसके पिता सई मोहम्मद और मां महीरा खातून के बीच पिछले चार-पांच वर्षों से विवाद चल रहा था। घटना 6 जुलाई 2023 की रात की है, जब पूरा परिवार भोजन के बाद सो गया था। रात करीब एक बजे आरोपी सई मोहम्मद ने घर का चैनल बाहर से बंद कर दिया, ताकि कोई बाहर न निकल सके। इसके बाद वह घर में रखा फावड़ा लेकर अंदर आया और सो रही पत्नी महीरा खातून व बेटे इसरार पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। दोनों के सिर पर तीन-तीन प्रहार किए गए। चीख-पुकार सुनकर परिवार के अन्य सदस्य जागे। बहन सालेहा ने दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला। तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुका था। परिजन घायलों को सरकारी अस्पताल नौगढ़ ले गए, जहां डॉक्टरों ने महीरा खातून को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल इसरार को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 13 गवाह पेश किए गए, जिनमें बेटे, बेटी और बहू के बयान अहम रहे। सभी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सत्र न्यायाधीश रणधीर सिंह ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। करीब ढाई वर्ष चली सुनवाई के बाद आए इस फैसले से पीड़ित परिवार को न्याय मिला है।

जनहित के आवरण में निजी हित वाली याचिका दाखिल करना पेशेवर कदाचार

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा कि किसी अधिवक्ता द्वारा अपने मुवक्किलों के हित में जनहित का आवरण ओढ़कर याचिका दाखिल करना स्वीकार्य नहीं है।

कोर्ट ने ऐसी प्रवृत्ति की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जब कोई अधिवक्ता अपने मुवक्किलों की ओर से अधिकृत होकर उनके निजी हितों की पैरवी कर रहा हो, तो वह उसी विवाद को जनहित याचिका का रूप देकर न्यायालय के समक्ष नहीं ला सकता। ऐसी स्थिति में याचिका वस्तुतः उन विशेष व्यक्तियों या उद्योगों के हितों की रक्षा के लिए होती है, न कि व्यापक जनसमूह के हित में, इसलिए इस प्रकार की याचिका को जनहित नहीं, बल्कि निजी हित माना जाएगा, जो कानून की दृष्टि में स्वीकार्य नहीं है। उक्त टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली तथा न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने सुरेंद्र कुमार शर्मा की याचिका को वापस लिए जाने के आधार पर निरस्त करते हुए की। मौजूदा याचिका में फिरोजाबाद के एक अधिवक्ता ने अदालत से यह निर्देश देने की मांग की थी कि संबंधित उद्योगों को प्राकृतिक गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए और इस संबंध में 22 फरवरी 2026 को दिए गए उनके आवेदन पर पेट्रोलियम मंत्रालय की निर्धारित गाइडलाइंस के अनुसार निर्णय लिया जाए।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा के लिए 04072/04071 नई दिल्ली-सुपौल-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन नई दिल्ली से 17 अप्रैल से 15 जुलाई तक (21, 22, 23, 24 एवं 25 मई को छोड़कर) प्रतिदिन तथा सुपौल से 19 अप्रैल से 17 जुलाई तक (23, 24, 25, 26 एवं 27 मई को छोड़कर) प्रतिदिन 85 फेरों के लिये किया जायेगा।

04072 नई दिल्ली-सुपौल ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 17 अप्रैल से 15 जुलाई तक (21, 22, 23, 24 एवं 25 मई, 2026 को छोड़कर) प्रतिदिन नई दिल्ली से 21.35 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी यात्रा में 04071 सुपौल-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 19 अप्रैल से 17 जुलाई तक (23, 24, 25, 26 एवं 27 मई, 2026 को छोड़कर) प्रतिदिन सुपौल से 07.45 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा के लिए 04008/04007 आनन्द विहार टर्मिनल-जोगबनी-आनन्द विहार टर्मिनल वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन आनन्द विहार टर्मिनल से 18 अप्रैल से 11 जुलाई तक (23 मई, 2026 को छोड़कर) प्रत्येक शनिवार को तथा जोगबनी से 19 अप्रैल से 12 जुलाई तक (24 मई, 2026 को छोड़कर) प्रत्येक रविवार को 12 फेरों के लिये किया जायेगा। 04008 आनन्द विहार टर्मिनल-जोगबनी ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 18 अप्रैल से 11 जुलाई तक (23 मई को छोड़कर) प्रत्येक शनिवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 08.30 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी यात्रा में 04007 जोगबनी-आनन्द विहार टर्मिनल ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 19 अप्रैल से 12 जुलाई तक (24 मई, 2026 को छोड़कर) प्रत्येक रविवार को जोगबनी से 18.30 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 12, शयनयान श्रेणी के 04, जनरेटर सह लगेज यान का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 19 कोच लगाये जायेंगे।

स्टेशन पर दिए गए ठहराव में विस्तार

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुविधा के लिए गाड़ियों का ठहराव लुधियाना स्टेशन के स्थान पर ढंडारी कलां स्टेशन पर दिया गया है। 09 गाड़ियों का पूर्व में ढंडारी कलां स्टेशन पर दिया गया ठहराव आगामी 03 महीनों के लिये सितम्बर, 2026 तक बढ़ा दिया गया है। यह गाड़ियां अपने पूर्ववत ठहराव एवं समयानुसार विस्तारित अवधि में ढंडारी कलां स्टेशन पर ठहराव के साथ चलाई जायेंगी। 14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस का ढंडारी कलां स्टेशन पर ठहराव 30 सितम्बर, 2026 तक बढ़ा दिया गया है।

संतकबीर एकेडमी में शॉर्टसर्किट से आग

संवाददाता, संतकबीरनगर

मौके पर जांच-पड़ताल करते एडीएम जय प्रकाश और एएसपी सुशील कुमार सिंह।

- **आरएसएस की जन गोष्ठी के दौरान प्रेक्षागृह में हुआ हादसा**

अमृत विचार। मगहर स्थित कबीर चौरा परिसर में संतकबीर एकेडमी के प्रेक्षागृह में गुरुवार को अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इससे वहां अफ़रा-तफ़री मच गई।घटना के दौरान प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जन गोष्ठी का कार्यक्रम चल रहा था और हाल खचाखच भरा हुआ था। आग लगते ही लोगों ने बाहर भागकर किसी तरह से अपनी जान बचाई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जनगोष्ठी कार्यक्रम के शुरू होते ही मंच के बाईं ओर दीवार में लगे स्ट्रिप लाइट में शॉर्ट सर्किट हो गई। इससे चिंगारी निकली, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग के साथ पूरे प्रेक्षागृह में धुआं फैल गया और अचानक बिजली भी गुल होने से अंधेरा छा गया, जिससे मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौजूद लोगों ने मोबाइल की रोशनी में बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। वहीं, कुछ लोगों ने साहस दिखाते हुए बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत कर करीब एक घंटे के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। उधर, एहतियातन कार्यक्रम को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया।

वोटर लिस्ट और जनगणना में दर्ज कराएं नाम : डॉ. अय्यूब

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। सेमरियावां विकास खंड के बिगरामीर में आयोजित पीस पार्टी कार्यकर्ता महा सम्मेलन में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, मतदाता सूची संशोधन और जनगणना में सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं खलीलाबाद के पूर्व विधायक डॉ. मुहम्मद अय्यूब ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इसी तरह जनगणना में भी सभी पात्र लोगों का नाम शामिल कराने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि नागरिक अधिकारों की रक्षा और अपने हक हासिल करने के लिए मतदाता सूची और जनगणना दोनों में नाम दर्ज होना जरूरी है। विशेष रूप से कमजोर और पिछड़े वर्गों को जागरूक करने की आवश्यकता है, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रह सकें। डॉ. अय्यूब ने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती ही राजनीति की पहली सीढ़ी है। बूथ कमेटियां जनता की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करें, जबकि विधानसभा और जिला स्तर की कमेटियां प्रशासन व शासन से संवाद स्थापित कर समस्याओं का निराकरण कराएं। उन्होंने कहा कि जो समाज राजनीतिक रूप से संगठित नहीं होगा, वह अपने अधिकारों से वंचित रह जाएगा। सम्मेलन में संगठन विस्तार और आगामी रणनीतियों पर भी चर्चा की गई।

पंचायत से पार्लियामेंट तक बढ़ा सम्मान : उमा

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। नगर पालिका सिद्धार्थनगर के महंत अवैद्यनाथ सभागार में भाजपा द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कपिलवस्तु विधानसभा की महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता शोहरतगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल रहीं। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा की अध्यक्ष अरुणा मिश्रा ने किया।

महिलाओं को संबोधित करते हुए उमा अग्रवाल ने कहा कि आज जो सम्मान महिलाओं को मिल रहा है, वह पहले किसी सरकार में नहीं मिला। आज सरकार 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण देकर पंचायत से पार्लियामेंट तक सम्मान बढ़ाने का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में उपस्थित नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल व अन्य महिलाएं।

नारी शक्ति वंदन के तहत रैली निकालतीं महिलाएं। अमृत विचार

डॉ. सीमा मिश्रा ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक युगांतरकारी और दूरदर्शी कदम है। इस अधिनियम से शासन व्यवस्था में लैंगिक असमानता कम होगी। इससे 'आधी आबादी' को अपनी समस्याओं और दृष्टिकोण को सीधे सदन के पटल पर रखने का अधिकार मिलेगा। कार्यक्रम को जिला उपाध्यक्ष मुन्नी देवी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष विंदूमती मिश्रा तथा पूर्व प्रधान सरोज शुक्ला ने भी संबोधित किया। नगरपालिका के अध्यक्ष गोविंद माधव ने सभी महिला शक्ति व अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी के बाद महिलाओं ने शहर में पदयात्रा निकालकर मोदी सरकार को धन्यवाद दिया। जिसका समापन सिद्धार्थ तिराहे पर हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, भाजपा नेता सत्यप्रकाश राही, नगर अध्यक्ष सतीश रस्तोगी, नितेश पांडे, आर्चिष्मान मिश्रा सहित सैकड़ो की संख्या में महिलाएं एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

कागजों में हेराफेरी कर मठ की भूमि कब्जा का आरोप

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: जनपद के तमकुहीराज तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत डुमरिया मठ में मठ की जमीन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। मठ के महंत रूद्रानंद गिरी ने आरोप लगाया है कि सुनियोजित साजिश के तहत मठ की भूमि को कागजों में हेरफेर कर कब्रिस्तान के रूप में दर्ज करा दिया गया और उसी आधार पर वहां अवैध रूप से कब्रिस्तान बना दिया गया है।

महंत रूद्रानंद गिरी ने इस मामले को गंभीर बताते हुए मंडलायुक्त गोरखपुर को प्रार्थना पत्र सौंपकर पुरातत्व विभाग से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह भूमि दशकों से मठ की संपत्ति रही है, लेकिन कुछ लोगों ने कब्जे की नीयत से दस्तावेजों में छेड़छाड़ की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वह मुख्यमंत्री को भी पत्र भेज चुके हैं, ताकि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच हो सके। महंत का दावा है कि पूर्व महंत महादेवा नंद गिरी के अनुसार मठ की जमीन के भीतर भगवान शिव की मूर्ति भी दबे होने की संभावना है, जो इस स्थान के धार्मिक महत्व को दर्शाती है।

महंत ने प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंडलायुक्त के निर्देश पर तमकुहीराज तहसीलदार द्वारा लगभग ढाई माह पूर्व जांच शुरू की गई थी, लेकिन अब तक जांच की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। इससे न केवल मामले में अनिश्चितता बनी हुई है, बल्कि विरोधी पक्ष का मनोबल भी बढ़ रहा है।

बैठक — मासिक अपराध गोष्ठी में एसपी संदीप कुमार मीना ने की समीक्षा

बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मी सम्मानित

संवाददाता, संतकबीरनगर

रिजर्व पुलिसलाइन में सैनिक सम्मेलन एवं मासिक अपराध गोष्ठी में मातहतों से बातचीत करते एसपी संदीप कुमार मीना व अन्य लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में सैनिक सम्मेलन एवं मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में अपराध नियंत्रण को लेकर कड़े निर्देश दिए गए, वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को 'कॉप ऑफ द मंथ' के तहत सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह की उपस्थिति में सम्मेलन की शुरुआत हुई। इस दौरान एसपी ने विभिन्न थानों व शाखाओं से आए पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। गोष्ठी के दौरान एसपी ने यातायात, साइबर अपराध और महिला अपराध से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लंबित विवेचनाओं को तेजी से निपटाने, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा महिला अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अपहृताओं की सकुशल बरामदगी पर विशेष जोर दिया। एसपी ने शातिर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनकी हिस्ट्रीशीट खोलने और गुंडा एक्ट के तहत जिलाबदर की कार्रवाई तेज करने को कहा। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और लूट जैसे गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के निर्देश भी दिए। वहीं, चोरी, नकबजनी और वाहन चोरी की घटनाओं पर रोक के लिए ठोस रणनीति बनाने, जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच, अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज करने तथा माल मुकदमाती के शीघ्र निस्तारण पर भी जोर दिया गया।

नेशनल हाईवे पर पड़ा मिला महिला का शव

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के भुजैनी चौराहे के पास में गुरुवार की तड़के सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सुबह सड़क किनारे महिला का शव देखा और इसकी सूचना कांटे चौकी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक शिनाख्त नहीं हो सकी। कांटे पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। कोतवाल जयप्रकाश दूबे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, महिला की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

रैंकिंग में सुधार को गंभीरता से करें प्रयास

संवाददाता कुशीनगर

अधिकारियों के साथ बैठक करतीं सीडीओ वंदिता श्रीवास्तव।

- **सीएम डैशबोर्ड पर प्राप्त ग्रेडिंग एवं रैंकिंग की सीडीओ ने की समीक्षा**

अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गुरुवार को विकास भवन के सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर विभिन्न विभागों को माहवार प्राप्त ग्रेडिंग एवं रैंकिंग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। माह फरवरी में जनपद की रैंकिंग 13वीं थी, जो माह मार्च में 30वे स्थान पर आ गई है। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी संबंधित विभागों को रैंकिंग में अपेक्षित सुधार लाने हेतु गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने-अपने लक्ष्यों के सापेक्ष योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक दशा में माह अप्रैल में ग्रेडिंग एवं रैंकिंग में सुधार लाया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों का डाटा शत-प्रतिशत पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने उन्होंने समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहां की सभी उप जिलाधिकारी तथा खंड विकास अधिकारी स्तर पर कोई भी सत्यापन रिपोर्ट लंबित नहीं रहना चाहिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा में मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि ग्राम चौपाल लगाकर जल आपूर्ति का कनेक्शन लेने के लिए जन सामान्य को जागरूक किया जाए।

परिसीमन विधेयक पारित हुआ तो देश में खत्म हो जाएगा लोकतंत्र : प्रियंका

कहा- लोकसभा के वर्तमान संख्या बल के आधार पर लागू किया जाए महिला आरक्षण

- ओबीसी को भागीदारी देने की मंशा न होने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर महिला आरक्षण और परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को सत्ता बने रहने के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि यदि परिसीमन के प्रावधान वाला विधेयक पारित हो गया तो देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। उन्होंने महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित विधेयकों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को लोकसभा के वर्तमान संख्याबल 543 के आधार पर महिला आरक्षण को लागू करना चाहिए और जाति जनगणना के बिना परिसीमन नहीं होना चाहिए।

प्रियंका ने आरोप लगाया कि सरकार यह विधेयक लाई है क्योंकि वह ओबीसी को भागीदारी नहीं देना चाहती है। 2011 की जनगणना को परिसीमन का आधार बनाकर प्रधानमंत्री ओबीसी वर्ग का हक छीनना चाह रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी ऐसा कभी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, अगर प्रधानमंत्री महिलाओं का सम्मान करते हैं तो महिलाओं का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं करते। अगर प्रधानमंत्री ने यह ऐतिहासिक कदम ईमानदारी से उठाया होता तो पूरा सदन इसका समर्थन करता।

लोकसभा में परिसीमन संबंधी बिधेयक पर बोलतीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी।

राजीव गांधी के समय में पंचायतों में कांग्रेस ने लागू किया महिला आरक्षण, भाजपा ने किया था विरोध

प्रियंका ने कहा, पंचायतों और निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान कांग्रेस की सरकार ने राजीव गांधी जी के नेतृत्व में संसद में पेश किया था। लेकिन उस समय ये प्रावधान पारित नहीं हो पाए। आज प्रधानमंत्री ने भी इसका जिक्र किया लेकिन हमेशा की तरह उन्होंने आधी बात ही बताई। प्रधानमंत्री जी ने बताया कि उस समय इस प्रावधान का विरोध हुआ, लेकिन यह नहीं बताया कि किसने विरोध किया। सच्चाई यह है कि तब आपने (भाजपा) ही इस विधेयक का विरोध किया था।

शाह से कहा- चाणक्य होते तो वह भी आपकी कुटिलता पर चौंक जाते

प्रियंका ने अपने भाषण के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के हंसने का उल्लेख किया और हुए उन पर तंज कसते हुए कहा, गृह मंत्री हंस रहे हैं, पूरी योजना बना रखी है... यदि आज चाणक्य जिंदा होते तो वह भी चौंक जाते आपकी राजनीतिक कुटिलता पर। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी समस्याओं से घिरे हुए हैं और उनके ऊपर बहुत अंतरराष्ट्रीय दबाव है। हालात ये हैं कि महिला आरक्षण जैसे ऐतिहासिक कदम को उन्होंने सत्ता बनाए रखने का एक कमजोर बहाना बनाया है। उन्होंने कहा, क्या प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से घबरा रहे हैं कि जब असल आंकड़ें आएंगे तो पता चलेगा कि ओबीसी वर्ग कितना बड़ा है। प्रियंका ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि महिला आरक्षण को 2029 से लागू किया जाए लेकिन सरकार ने यह बात नहीं मानी थीं।

महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन को जोड़ना साजिश है: बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग के गठन से संबंधित विधेयकों को कथित तौर पर आपस में जोड़ना मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की साजिश है। बनर्जी ने कूच बिहार जिले के माथाभंगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों को जोड़कर भारत को बांटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों को आपस में जोड़कर भारत को बांटने की कोशिश की जा रही है। इन विधेयकों को आपस में जोड़ना मतदाताओं के नाम हटाने और एनआरसी को लागू करने की साजिश है। बता दें कि सरकार ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से संबंधित तीन विधेयकों को पेश किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' और 'परिसीमन विधेयक, 2026' पेश किए, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया। बनर्जी ने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक तो बहुत पहले ही पारित हो चुका था, फिर इसके कार्यान्वयन में देरी क्यों हुई? तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने दावा किया कि लोकसभा में उसके निर्वाचित सांसदों में से 37 प्रतिशत महिलाएं हैं।

जाति जनगणना को टालना चाहती है भाजपा: अखिलेश

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा में आरोप लगाया कि भाजपा महिला आरक्षण विधेयक के बहाने नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं के लिए आरक्षण के समर्थन में है, लेकिन भाजपाई चालबाजी के खिलाफ है। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा, वे उनका मान-सम्मान कैसे रखेंगे। जिस मूल संगठन से आप निकले हैं, उसमें मान-सम्मान के लिए कितनी नारी हैं। सच यह है कि भाजपा जनगणना को टालनी चाहती है, वह जाति जनगणना को टालना चाहती है और ऐसा कर वह आरक्षण को टालना चाहती है। उन्होंने सरकार पर आधी आबादी में मुस्लिम महिलाओं को नहीं गिनने का आरोप लगाते हुए कहा, हमारी मांग है कि आधी आबादी में पिछड़े और मुस्लिम महिलाओं को भी शामिल किया जाए।

विविध

लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल : प्रबंधक ने बच्चों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल अजीतनखेड़ा सदरौना की शाखा में सीबीएसई की दसवीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने विद्यालय के शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता को हमेशा कायम रखा और कीर्तिमान स्थापित किया। आदित्य शुक्ला 87% ने प्रथम स्थान हासिल किया और राखी यादव 85% अंक साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्र अंशिका कुशवाहा 83% अंक प्रकार तीसरा स्थान मिला। वही आदिति वर्मा 81% अंशिका यादव 76 .4 प्रतिशत सर्वाधिक अंक साथ विद्यार्थियों ने अभिभावक एवं प्रधानाचार्य शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। वही विद्यालय के प्रबंधक अवधेश कुमार सिंह उपनिदेशक अमित सिंह ने विद्यार्थियो के उज्जवल भविष्य की कामना की और शुभकामनाएं दीं।

आरडीएसओ : केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

लखनऊ, अमृत विचार : सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में केंद्रीय विद्यालय आरडीएसओ शाखा में विद्यार्थियों ने सर्वाधिक अंकप्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्रा मनीषा मीना 96% अंकों के साथ प्रथम, छात्रा अमोघ वर्मा ने 95 .20% अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि छात्रा सहजन गौड़ ने 94 .80 प्रतिशत तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रत्युष श्रीवास्तव 94 .20% पायल मीना 94% महक मिश्रा 93 .80% नीरज कुमार 93% प्रतिष्ठा 93% आदित्य 92, 60% कृतिका कमारी 92 .60% आयुष 91 .60 प्रतिशत सर्वस्व कबीर 91 .20% विनायक त्रिवेदी 90 .40% के जयंत 90 .20% अंक प्राप्त किए। विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार शुक्ला ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

चिरंजीव भारती स्कूल के बच्चों ने भी किया शानदार प्रदर्शन

आलमबाग, अमृत विचार : कानपुर रोड स्थित एलडीए कॉलोनी के सेक्टर एम में स्थित चिरंजीव भारती स्कूल के छात्र छात्राओ ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर स्कूल द्वारा मेधावी छात्र छात्राओं सहित उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रबंध निदेशक कर्नल राजाराम ने बच्चों को सम्मानित कर उनका हौसलाफजाई किया। चिरंजीव भारती स्कूल के बच्चों ने 85 से 96 परसेंट अंक हासिल कर स्कूल का मान बढ़ाया है। स्कूल के प्रबंध निदेशक ने हाई स्कूल के रैंकर छात्र छात्राओं का माल्यार्पण कर अपने हाथों बच्चों का मुंह मीठा कराया।

रेड रोज ग्रुप ऑफ स्कूल्स के विद्यार्थियों का भी जलवा

लखनऊ, अमृत विचार : सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में रेड रोज ग्रुप ऑफ स्कूल्स के विद्यार्थियों ने भी सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यालय का परचम लहराया। तेजस्वी पंडित (98%), प्रेरणा मिश्रा (97 .8%), प्रभाव राज निगम (96 .2%), पीहू अस्थाना (95 .6%) एवं पियूष त्रिवेदी (95 .4%), साथ ही कई अन्य विद्यार्थियों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए। संस्थापक आर, सी . मिश्रा, प्रबंध निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा एवं अध्यक्षा स्मिता मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

रायबरेली में दावत खाने के बाद 40 लोग बीमार

अस्पताल में भर्ती बीमार लोग। अमृत विचार

शिवगढ़, रायबरेली, अमृत विचार : तिलक समारोह में शामिल 40 लोग बीमार हो गए। सभी को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉ. अनिल ने सभी लोगों का उपचार किया। सुशील गुप्ता का बुधवार को तिलक था, जिसमें क्षेत्र के लोग आए थे। बछरावां एक हॉल में आयोजित तिलक समारोह में सब लोगों ने खाना खाया और देर रात करीब साढ़े बारह बजे कई लोगों की हालत बिगड़ने लगी। बीमार लोगों को सीएचसी पहुंचाया गया। डॉ. अनिल और प्रमोद पाण्डेय ने तीन दर्जन से अधिक लोगों का इलाज किया। उन्होंने बताया कि फूड प्वाइजनिंग के चलते सबको उल्टियां हो रही थी। सबको दवा देकर घर भेज दिया है। वहीं गुरुवार की सुबह से लेकर प्रात: 10 :30 बजे तक उल्टी दस्त से पीड़ित कई लोग अस्पताल पहुंचे।

संजय सेतु दो माह के लिए बंद, पांटून पुल से आवागमन शुरू

जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचार : संजय सेतु को गुरुवार दोपहर 12 बजे से आगामी दो माह के लिए सभी प्रकार के वाहनों के लिए पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया है। पुल की जर्जर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर इसका जीर्णोद्धार कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। हालांकि आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संजय सेतु के बगल उत्तरी छोर पर बनाए गए पांटून पुल से आवागमन शुरू कर दिया गया है। इस वैकल्पिक मार्ग से वर्तमान में स्कूली वाहन, एंबुलेंस व छोटे चार पहिया यात्री वाहनों को रास्ता दिया गया है।

बलरामपुर में 11.47 लाख की अवैध दवाएं जब्त, तीन गिरफ्तार

बलरामपुर, अमृत विचार : एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने नेपाल सीमा के निकट अवैध दवाओं की बड़ी खेप बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसएसबी 9वीं बटालियन, ड्रग इंस्पेक्टर सुमीत वर्मा तथा थाना हरैया पुलिस ने महादेव बांकी, खरवन बांध क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान महिंद्रा पिकअप लोडर को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में 35 बॉक्स प्रतिबंधित दवाएं बरामद हुईं। जिनकी अनुमानित कीमत 11,47,057 आंकी गई है। वाहन में सवार गोविंद सोनी, आकाश कुमार श्रीवास्तव तथा चालक कपिल जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व निकाली गयी कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

लखनऊ, अमृत विचार : राजाजीपुरम के सपना कॉलोनी सी ब्लॉक स्थित श्री निम्बेश्वर महादेव मंदिर में मां दुर्गा, पंचमुखी हनुमान, शिव परिवार की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन पंडित धीरज शास्त्री के नेतृत्व में किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत गुरुवार को कलश यात्रा निकाली गयी। इसमें दिवाकर तिवारी, राजरानी शुक्ला, उमेश कुमार सिंह, अजय ठाकुर, सुषमा दुबे, मधु श्रीवास्तव, राहुल शुक्ला, सौरभ शुक्ला, अभिनव सक्सेना सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कलश यात्रा श्री शिव शक्ति पीपल वाला मंदिर पहुंची जहां टीसी शर्मा, विश्वनाथ द्विवेदी एवं जुनेजा ने यात्रा का स्वागत किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बढ़ेगा आधी आबादी का मान

अनीता तिवारी

मनू सिंह मनीषा।

लखनऊ, अमृत विचार : नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण और आधी आबादी के मान और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला एक मील का पत्थर साबित होगा। ये बातें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की अवध क्षेत्र की संयोजिका मनू सिंह मनीषा ने कहीं। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह कानून नारी शक्ति को अबला नहीं, बल्कि सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करेगा। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनीता तिवारी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन जो कि इस लाइन में ही एक सम्मान दिख रहा है। यह कानून सिर्फ 33% आरक्षण का प्रावधान नहीं है बल्कि यह देश की राजनीति और लोकतंत्र को नया स्वरूप देने वाला विकास है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा हाईस्कूल वर्ष 1991 अनुक्रमांक 1721445 का अंकपत्र और प्रमाणपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **राजकरन पुत्र राजाराम ग्राम चरनगहिया बेलहा–बलरामपुर।**

सूचना

मैने अपना नाम ZAKIR ALI से बदलकर MOHD ZAKIR ALI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **MOHD ZAKIR ALI S/O-NASIR ALI R/0-165/64KA, KACHCHA HATA AMINABAD, DIST-LUCKNOW-226018 (U.P)**

सूचना

मैं ABDUL LATIF पुत्र ABDUL AZIZ, निवासी – 312, ग्राम – मेवातीयान, गोण्डा, उ0प्र0 सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर ABDUL LATIF SIDDIQUI रख लिया है, अत: आज से मुझे ABDUL LATIF SIDDIQUI के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सूचित हो कि मेरी पॉलिसी सं0– 215421673 में मेरा नाम शिवम श्रीवास्तव अंकित है जबकि मेरा सही नाम प्रखर श्रीवास्तव है जो कि मेरे सभी अभिलेखों में अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम प्रखर श्रीवास्तव व शिवम श्रीवास्तव मेरे ही हैं। अत: मेरी उपरोक्त पॉलिसी में मेरा सही नाम प्रखर श्रीवास्तव अंकित किया जाये। **प्रखर श्रीवास्तव पुत्र तेग बहादुर श्रीवास्तव निवासी– कायस्थाना सतरिख तहसील नवाबगंज जिला बाराबंकी।**

सूचना

पहले मेरा नाम TRIPATHI ALOK GIRIJA SHANKER था अब मैंने बदलकर अपना नाम ALOK G TRIPATHI रख लिया है भविष्य में मुझे ALOK G TRIPATHI के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O GIRIJASHANKAR DAYARAM TRIPATHI R/O KHERAWA JARUKHA SAYA, AMBEDKAR NAGAR.**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजमणि त्रिपाठी पिता स्व0 जमुना प्रसाद त्रिपाठी निवासी श्री राम पंडित डीह, कूकनगर ग्रिंट, गोंडा 271312. यह शपथ करता हूं कि मेरी जमीन ग्राम– बुक्कूनपुर, तहसील मनकापुर जिसकी गाटा संख्या 179 मि. एवं 180 मि. के मूल बैनामा के दस्तावेज ग्राम– बुक्कनपुर से मसकनवा के रास्ते में कहीं गिर गए है।

सूचना

पहले मेरा नाम RAJENDRA VERMA था अब मैंने बदलकर अपना नाम RAJENDRA KUMAR VERMA रख लिया है भविष्य में मुझे RAJENDRA KUMAR VERMA के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O R.A.VERMA R/O MM D1-520F/266,KANPUR ROAD, SECTOR-D1, L D A COLONY, LUCKNOW**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम अनुराग सिंह पुत्र श्री रावेन्द्र सिंह है, जो कि मेरे शैक्षणिक अभिलेख में अंकित है। मैंने अपना स्वास्थ ठीक ना रहने के कारण ज्योतिषाचार्य के अनुसार अपना नाम अनुराग सिंह से बदलकर अनुराग सिंह भदौरिया (Anurag Singh Bhadauriya) रख लिया है भविष्य में मुझे अनुराग सिंह भदौरिया के नाम से जाना व पहचाना जाये। एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में सभी औपचारिकताये मेरे स्वयं द्वारा पूर्ण की गई है। **नि0–ए–246, ए–ब्लाक, निकट–नीलगिरी काम्पलेक्स, इन्दिरा नगर, जिला लखनऊ –226016 उ0प्र0**

सूचना

पहले मेरा नाम MOHAMMAD KAMEEL KHAN था अब मैंने बदलकर अपना नाम MOHD KAMEEL KHAN रख लिया है। भविष्य में मुझे MOHD KAMEEL KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O WASIM KHAN R/O VILL SADRAUNA PS-KAKORI, LUCKNOW.**

सूचना

पहले मेरे नाम की स्पेलिंग MOHAMMAD EKHALAK थी अब मैंने बदलकर अपने नाम की स्पेलिंग MOHD AKHLAQUE रख लिया है भविष्य में मुझे MOHD AKHLAQUE इसी नाम की स्पेलिंग से जाना व पहचाना जाये। **S/O SHEKH ISMAIL R/O 544/689/2, BARAURA HUSAIN BADI NIKAT SEVAI MEEL BALAGANJ LUCKNOW 226003**

आंबेडकर की मूर्ति जल्द लगवाने का दिया आश्वासन

लखनऊ, अमृत विचार : रायबरेली में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में भूरा डीह ग्राम सभा के अम्बेडकर नगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक अदिति सिंह और मुख्य वक्ता सामाजिक समरसता गतिविधि के प्रांत प्रमुख राजकिशोर ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक अदिति सिंह ने बाबा साहब के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। विधायक ने ग्रामीणों को आंबेडकर की मूर्ति जल्द लगवाने का आश्वासन दिया। विदित हो कि इस स्थान पर आंबेडकर की मूर्ति का अनावरण होना था लेकिन सोमवार को पुलिस मूर्ति उठा ले गई थी। सामाजिक समरसता के विभाग संयोजक सतीश ने कहा कि बाबा साहब ने देश को एक ऐसा संविधान दिया, जो हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम का संचालन शिव कुमार ने किया। इस अवसर पर रॉयल पब्लिक स्कूल के शिव शंकर सिंह, सचिन चौधरी, ग्राम प्रधान दिनेश सिंह समेत ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–गोण्डा

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना नोटिस

पत्रांक 2246 / ग्रा0अ0वि0 / ई–निविदा / निर्माण / 2025–26 दिनांक 31.03.2026

महामहिम श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–गोण्डा के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी, एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेन्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नलिखित है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख रू0 में (जीएसटी छोड़कर)	बिड सिक्योरिटी लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि(वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		वित्तीय वर्ष 2025–26 त्वरित आर्थिक विकास योजनान्तर्गत विधान सभा क्षेत्र–गौरा।				
01	गोण्डा	रसूलपुर खान मुख्य रोड से मुन्नालाल यादव के गांव रसूलपुर खास तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	19.65	0.39	300+500+GST	चार माह
02	गोण्डा	बखरवा नारापार कठौवा पिच रोड से दलित बस्ती शशिकान्त भारती के घर तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	24.03	0.48	300+500+GST	चार माह
03	गोण्डा	चन्द्रदीप घाट बस्तीखास मार्ग से बकुई गांव रामरूप तेली (गुप्ता) गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	20.49	0.41	300+500+GST	चार माह
04	गोण्डा	मझौवातोग लोक निर्माण विभाग मार्ग से सबना स्व0 तिलक राम वर्मा के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	23.95	0.48	300+500+GST	चार माह
05	गोण्डा	खम्हरिया लोक निर्माण विभाग मार्ग से ईटवाखुर्द का अवशेष भाग पश्चिमडीह घनष्याम पाण्डेय के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	30.64	0.61	300+500+GST	चार माह
06	गोण्डा	कलेनिया मुख्य मार्ग पेट्रोल पम्प के सामने से कल्लू तिवारी के घर होते हुये पोखर भिटवा सम्पर्क मार्ग पर रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	20.25	0.41	300+500+GST	चार माह
07	गोण्डा	छपिया मन्दिर मार्ग से दीननगर बाबूलाल के घर तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	24.03	0.48	300+500+GST	चार माह
08	गोण्डा	केषवनगर ग्रन्ट पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग से चांदपुर पूर्व से भागीरथी पासवान के घर तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	19.92	0.40	300+500+GST	चार माह
09	गोण्डा	बरहरपुर पिच रोड से कहारपुरवा मोल्हू के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	21.92	0.44	300+500+GST	चार माह
10	गोण्डा	कूकनगर ग्रन्ट नारापार पवन भट्ठा पिच रोड से छविलाल बढ़ईडीह तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	26.51	0.53	300+500+GST	चार माह
11	गोण्डा	कूकनगर ग्रन्ट हरदौनी चौराहा से सुखदेव डीह विजय मार्ग के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	19.95	0.40	300+500+GST	चार माह
12	गोण्डा	मोकलपुर पिच रोड से राम अभिलाख प्रधान गावं सीरापार तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	19.85	0.40	300+500+GST	चार माह
13	गोण्डा	दौलतपुर ग्रन्ट ओ0डी0आर0 मार्ग से दौलतपुर खास राजू निशाद के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	19.46	0.39	300+500+GST	चार माह
14	गोण्डा	बखरौली पिच रोड अनिल वर्मा के गांव भुईगांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	19.85	0.40	300+500+GST	चार माह
15	गोण्डा	कर्मा जू0 हाईस्कूल से यादवपुरवा होते हुये जिलेदार वर्मा के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	19.87	0.40	300+500+GST	चार माह
16	गोण्डा	सोनहवा पिच रोड से राजेन्द्र वर्मा लेखपाल के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	20.34	0.41	300+500+GST	चार माह
17	गोण्डा	बस्ती खास पिच रोड से लोनियनडीह रामपत्तर राजभार के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	24.17	0.48	300+500+GST	चार माह
18	गोण्डा	सिंसईरानी पिच रोड से बढ़ईपुरवा तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	19.44	0.39	300+500+GST	चार माह
19	गोण्डा	खुटिहन पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग से बहेरी माफी अशोक मार्ग के गांव तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	22.06	0.44	300+500+GST	चार माह

2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता 22.04.2026 से 30.04.2026 तक।
3. ई–निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि/समय–30.04.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक ।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय–30.04.2026 को अपरान्हन् 12.30 बजे।
5. निविदा आमत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लास के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा सभी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर लागिंन करें तथा डाक्यूमेंट को लोड करें।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–गोण्डा

UP-249861 दिनांक 15.04.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.)। पीबीएक्स : 1800 1800 5000, वेबसाइट: www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यवसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/ नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड/ फ्लैट संख्या	योजना का नाम	मृत्यु का दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी (मृतक) से आवेदक के सम्बंध
1	2	3	4	5	6	7	8
1	स्व0 जय प्रदीप बाजपेई (क्रेता)	भवन/भूखण्ड संख्या–सी–49	सेक्टर–ओ अलीगंज	06.05.2022	1. श्रीमती अनीता बाजपेई–पत्नी	1. श्रीमती श्यामली बाजपेई 2. श्री श्यामज बाजपेई	पुत्री पुत्र
2	स्व0 मिथिलेश कुमारी वर्मा	भूखण्ड सं0 4/693	विजयन्त खण्ड गोमती नगर	25.12.2025	श्री अमरेश बहादुर वर्मा	वसीयत के आधार पर	पति
3	स्व0 राजीव अग्रवाल	भूखण्ड सं0 –B-6	सेक्टर–बी अलीगंज	21.08.2025	श्री राघव गर्ग श्री रोहन गर्ग वारिसान प्रमाण पत्र के अनुसार	श्रीमती अनुपमा अग्रवाल	पुत्री पुत्रगण
4	स्व0 कलावती	ई.डब्लू.एस. भवन संख्या–3/418	विनीत खण्ड, गोमती नगर	08.07.2011	श्री अशोक कुमार भारतीय	उत्तराधिकार के आधार पर	पुत्र
5	कमला देवी	भूखण्ड संख्या–SS-836 सेक्टर–जी	कानपुर रोड	01.06.2024	दिनेश कुमार शुक्ला उमेश शुक्ला	–	पुत्र पुत्र

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

अमृत विचार

शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026

घमंड से सब कुछ बर्बाद हो जाता है। घमंड से बचें और सेवा करें। तभी जीवन में सुख-शांति आ सकती है।
-गुरु नानक देव

दूरगामी विधायी पहल

संसद में पेश किए जा रहे तीन अहम विधेयक— विशेषकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, परिसीमन से जुड़े प्रावधान और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रतिनिधित्व संशोधन, सिर्फ विधायी पहल नहीं, बल्कि आने वाले दशक की भारतीय राजनीति की दिशा तय करने वाले अत्यंत निर्णायक कदम हैं। इनकी महत्ता जितनी व्यापक है, विवाद भी उतना ही गहरा है। इसके लिए राज्यों में चुनावों के बीच अचानक बुलाए विशेष सत्र की 'हड़बड़ी' पर विपक्ष सवाल उठाते हुए इसे असामान्य और चुनावी नैरेटिव सेट करने की रणनीति के रूप में देख रहा है। महिला आरक्षण जैसे लोकप्रिय और नैतिक रूप से अजेय मुद्दे को केंद्र में रखकर सत्ता पक्ष द्वारा राजनीतिक बढ़त लेना कहीं से अनुचित नहीं, ऐसे में विपक्ष द्वारा इसे 'टाइमिंग की राजनीति' कहकर सवाल उठाना बहुत तार्किक नहीं लगता।

महिला आरक्षण विधेयक का मूल प्रस्ताव, लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसद सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना, सैद्धांतिक रूप से सर्वसम्मति का विषय है, पर इसके लागू होने को ताजा जनगणना और परिसीमन से जोड़ देना इसे विवादास्पद बनाता है। विपक्ष का आरोप है कि यह शर्त आरक्षण को अनिश्चितकाल तक टालने का माध्यम बन सकती है। प्रस्ताव में ताजा जनगणना का आशय 2011 की जनगणना से लिया जा रहा है, इसे आधार बना कर महिला आरक्षण को लागू करना तर्कसंगत नहीं है, क्योंकि पिछले 15 वर्षों में जनसंख्या, शहरीकरण और सामाजिक संरचना में भारी बदलाव आया है। बेहतर विकल्प यही प्रतीत होता है कि 2027 के आसपास नई जनगणना के बाद परिसीमन हो जाने के बाद इस आरक्षण को लागू किया जाए, लेकिन इससे सरकार के लिए तत्काल राजनीतिक लाभ की संभावना समाप्त हो जाती है। महिला आरक्षण को बिना परिसीमन समाप्त हुए अगले चुनाव से भी लागू किया जा सकता है, सही है कि इससे सीटों के रोटेशन और प्रतिनिधित्व में असमानता के प्रश्न खड़े होंगे फिर भी, इसे अंतरिम व्यवस्था के रूप में तो अपनाया ही जा सकता है, जिसकी उम्मीद नहीं है। आरक्षण के बाद संसद में महिलाओं की संख्या 283 तक पहुंचने से भारतीय लोकतंत्र में ऐतिहासिक बदलाव होगा। नीति-निर्माण में लैंगिक दृष्टिकोण मजबूत होगा, विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में, लेकिन केवल सीटें बढ़ाने से महिलाओं की समस्याएं हल नहीं होंगी। राजनीतिक सशक्तीकरण के साथ सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण भी जरूरी है। पंचायत स्तर पर आरक्षण के अनुभव बताते हैं कि वास्तविक प्रभाव तब आता है, जब महिलाओं को निर्णय लेने की स्वतंत्रता और संसाधन मिलते हैं।

फिलहाल इस विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार को व्यापक समर्थन जुटाना होगा। संविधान संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी है। महिला आरक्षण के नैतिक दबाव के कारण विपक्ष के लिए खुला विरोध करना कठिन है, इसलिए इस विधेयक का पारित होना संभव दिखता है, भले ही उसके क्रियान्वयन की समय सीमा पर अस्पष्टता बनी रहे। महिला आरक्षण भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक अवश्य है, परंतु इसे परिसीमन और जनगणना से जोड़ना इसकी समय सीमा को अनिश्चित बना देगा और यह पहल त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन तक शीघ्र नहीं पहुंच सकेगी।

प्रसंगवश

समाजवाद के पहरुआ थे युवा तुर्क चंद्रशेखर

समाजवाद के प्रखर अनुयायी चंद्रशेखर का स्पष्ट मानना था कि गैर-बराबरी को खत्म किए बिना समतामूलक समाज का निर्माण संभव नहीं है। इसके लिए उन्होंने पूंजीवादी व्यवस्था को खत्म कर समाजवादी व्यवस्था की स्थापना पर बल दिया। वे डॉ. लोहिया के इस विचार से पूरी तरह सहमत थे कि पूंजीवाद कम्युनिज्म की तरह ही जुआ, अपव्यय और बुराई है और दो तिहाई विश्व में पूंजीवाद पूंजी का निर्माण नहीं कर सकता। वह केवल खरीद-फरोख्त ही कर सकता है, जो हमारी स्थितियों में महज मुनाफाखोरी और कालाबाजारी है। सच कहें तो चंद्रशेखर राष्ट्रवादी होने के साथ-साथ मानवतावादी भी थे।

उनकी अवधारणा एक ऐसे समाजवादी समाज के निर्माण की थी, जहां भय, भूख और भ्रष्टाचार न हो। चतुर्दिक सुख और समृद्धि का प्रसार हो। सैकड़ों साल बाद भारतीय समाज का स्वरूप, चरित्र एवं चिंतन की व्याख्या का दायरा और उसके मूल्यों को मापने व परखने का मापदंड क्या होगा, इसकी भविष्यवाणी आज संभव नहीं है, लेकिन जब भी असमानता और अन्याय पर आधारित समाज के खिलाफ तनकर खड़े होने वाले शिल्पकारों का इतिहासपरक मूल्यांकन होगा, उस परिधि में समाजवाद के महानायक चंद्रशेखर सहज रूप से याद आएंगे। चंद्रशेखर का जन्म 1927 में पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के इब्राहिमपट्टी के एक किसान परिवार में हुआ। उनकी स्कूली शिक्षा भीमपूरा के रामकरन इंटर कालेज में हुई। उन्होंने स्नातकोत्तर की शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पूरी की।

अरविंद जयतिलक
लेखक

युवा तुर्क कहे जाने वाले चंद्रशेखर विद्यार्थी राजनीति जीवन के समय ही एक फायरब्रांड नेता के रूप में स्थापित हो चुके थे। वे कॉलेज के दिनों से ही सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों में हिस्सा लेते थे और आगे बढ़कर उसकी अगुवाई करते थे। प्रारंभ से ही उनका रूझान समाजवाद की ओर था। नतीजतन वे शीघ्र ही छात्र जीवन के बरअक्स समाजवादी राजनीति की धुरी बन गए।

1951 में वे सोशलिस्ट पार्टी के वर्कर बन गए, लेकिन जब सोशलिस्ट पार्टी में फूट पड़ी तो वे कांग्रेस में चले गए। वे 1962 से 1977 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। 1984 में भारत की पदयात्रा कर भारत की चिरंतन संस्कृति और सभ्यता को समझने की कोशिश की। उनकी इस पदयात्रा ने देश के तमाम शीर्षस्थ नेताओं के मन में हलचल पैदा कर दी।

इमर्जेंसी के बाद जब 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी, तो सभी दिग्गज नेताओं ने मंत्रिपद स्वीकारा, लेकिन चंद्रशेखर ने मंत्री पद नहीं लिया। उन्होंने जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद लेना स्वीकार किया। उनका मकसद जनसेवा के जरिए समाज में समाजवादी चेतना का विकास करना था। वे पहली बार 1977 में बलिया जिले से लोकसभा के सदस्य चुने गए। वर्ष 1990 में उन्हें प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला, जब उनकी ही पार्टी के विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार भाजपा के समर्थन वापस लेने के उपरांत अल्पमत में आ गई। चंद्रशेखर के नेतृत्व में जनता दल में दो फाड़ हो गया। 64 सांसदों का धड़ा अलग हुआ। राजीव गांधी ने चंद्रशेखर को प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव दिया। कांग्रेस ने सात महीने बाद ही उनकी सरकार से समर्थन वापस ले लिया। कहा जाता है कि उन्होंने प्रधानमंत्री रहते हुए कभी भी सरकारी घर 7 रेसकोर्स रोड पर नहीं रहे। वे या तो तीन साउथ रेवेन्यू वाले घर में रहते या भोड़सी के भारत यात्रा आश्रम में। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नीतीश के भरोसे की विरासत संभाल पाएंगे 'सम्राट'!

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है, उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है, लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनि चौधरी की विरासत और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है।

राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था, बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया, बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है, लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है, लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे।

चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा।

बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है, लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है, क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है, बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे?

आमने

हाईकोर्ट की डेडलाइन खत्म हो चुकी है, लेकिन सरकार निकाय चुनाव नहीं करा रही है। कानून का लगातार उल्लंघन हो रहा है और संविधान की मूल भावना को चोट पहुंचाई जा रही है। राष्ट्रपति को दखल देना चाहिए और राज्यपाल से बात कर सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनाव समय पर हों।

-अशोक गहलोत
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

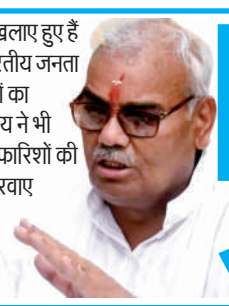

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बौखलाए हुए हैं और बचकानी बातें कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी हमेशा कानून और न्यायालयों का सम्मान करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी ओबीसी आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों की अनुपालना के पश्चात ही चुनाव करवाए जाने के लिए निर्देशित किया है।

-मदन दिलावर
शिक्षा मंत्री, राजस्थान

दोबारा बातचीत से पूर्व विश्वास बहाली की जरूरत

अमित नारायन
राजनीतिक विश्लेषक

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई शांति वार्ता फिलहाल बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। जब वार्ता शुरू हुई थी, तभी यह कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें कोई हल नहीं निकलेगा। यह आशंका सच साबित हुई। अमेरिका अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है और ईरान अपनी मांग को लेकर। युद्ध विराम अभी जारी है। ट्रंप ने पुनः पाकिस्तान की धरती पर ईरान से वार्ता के संकेत दिए हैं। अब देखना यह है कि वार्ता कब होती है और दोनों देश क्या शर्तें रखते हैं। ईरान की सबसे बड़ी शर्त है कि उसे युद्ध में हुए नुकसान का मुआवजा मिले और होर्मुज जलडमरूमध्य में टोल वसूली का अधिकार मिले, लेकिन अमेरिका उसे यह छूट देने को तैयार नहीं है।

अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी लंबी दूरी की मिसाइलों पर कैपिंग करे और परमाणु बम बनाने की जिद छोड़ दे, पर ईरान इस शर्त पर राजी नहीं है। अब सवाल यही है कि जब दोनों देश अपनी-अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं, तो वार्ता कैसे सफल होगी और युद्ध विराम कब तक टिकेगा, हालांकि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य को घेर रखा है और उसकी सेना ने तो तेल लेकर जा रहे ईरानी जहाजों को भी रोक दिया है। अब उसकी इस कार्रवाई को उकसावा माना जा रहा है।

इस युद्ध का खामियाजा पूरी दुनिया भुगत रही है। युद्ध में शामिल न होने के बाद भी ईरान के हमले में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन जैसे देशों के तेल डिपो, बड़े-बड़े औद्योगिक कारखाने, पेयजल के स्रोत, हवाई अड्डे तबाह हो गए। उनके नागरिकों की मौत भी हुई। अब अमेरिका इन देशों के इंफ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने के नाम पर बड़े पैमाने पर कमाई करेगा। उसकी कंपनियां वहां निवेश करेंगी। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप इन देशों को बड़े पैमाने पर हथियार भी बेचेंगे। युद्ध में हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई इन्हीं देशों से करेंगे।

ईरान से संघर्ष में अमेरिका को 20 बिलियन डॉलर से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है, जबकि इससे कहीं ज्यादा का नुकसान खाड़ी में उसके सहयोगी देशों ने ईरानी हमले से झेला है। दुनिया के तमाम देशों में कच्चे तेल और गैस के लिए त्राहि- त्राहि मची हुई है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगे बिछाकर तमाम देशों के तेल और गैस से भरे जहाजों को रोक रखा है। सिर्फ कुछ मित्र देशों के जहाजों को ही उसने अनुमति दी है, वहां से गुजरने के लिए। ऐसे में तीन हजार से अधिक जहाज वहां तेल और गैस भरकर खड़े हैं। इस मौके का फायदा भी अमेरिका ही उठा रहा है। उसने तमाम देशों को तेल बेचने का ऑफर भी दे दिया है।

अमेरिका ने होर्मुज पर कब्जे की अपनी मंशा जाहिर कर दी है और उसे घेर कर यह घोषणा कर दी है कि जो देश ईरान को टोल देंगे, उनके जहाज को वह वहां से नहीं जाने देगा। चीन इस घेरेबंदी के बाद भी वहां से निकला, जबकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि उसने ईरान को टोल दिया था या नहीं। उधर, तेल भरे जहाज रोके जाने से ईरान नाराज है और उसने कड़ी प्रतिक्रया दी है। अब पाकिस्तान फिर से चीन की अंदरूनी मदद से ईरान को वार्ता के लिए मना रहा है. लेकिन विदेशी मामलों के जानकार मान रहे हैं कि दोबारा वार्ता तभी सफल होगी जब खुले मन से दोनों देश वार्ता की मेज पर बैठेंगे। दोनों पक्षों को अपनी- अपनी शर्तों में कुछ ढील देनी होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही पुनः वार्ता के संकेत दे रहे हैं, लेकिन उनके अड़ियल रुख से वार्ता की सफलता पर हर किसी को संदेह है। खाड़ी देशों और इजरायल में भारी तबाही मचाने के साथ ही अमेरिकी लड़ाकू विमानों और ड्रोन को गिराकर अपनी ताकत का अहसास कराने वाला ईरान अमेरिकी शर्तों पर झुकने को तैयार नहीं है। हां, उसने इस बात के संकेत जरूर दिए हैं कि अमेरिका कुछ झुकेगा तो वह भी झुकने को तैयार है। ईरान चाहता है कि उसे होर्मुज में टैक्स वसूली का अधिकार मिले। उसके यहां जो क्षति हुई है उसका मुआवजा मिले। साथ ही उसके ऊपर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंध हटें। यह शर्तें मानना अमेरिका के लिए कठिन है, क्योंकि इन शर्तों को मानने के बाद ट्रंप अपने देश की जनता के सामने हारे हुए योद्धा से कम नहीं दिखेंगे जो वह दिखना नहीं चाहते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मई माह में चीन का दौरा करने वाले हैं। इस दौरे से पहले वे ईरान पर निर्णायक जीत चाहते हैं, इसीलिए वे वार्ता के लिए दोबारा उतावले हैं। अगर ईरान उनकी शर्तें मान लेता है, तो ट्रंप आसानी से घोषित कर पाएंगे कि अमेरिका और उसके सहयोगी इजरायल ने यह युद्ध जीत लिया है, लेकिन ईरान आसानी से उन्हें इस युद्ध से बाहर नहीं निकालने देगा। ट्रंप यदि युद्ध जीत कर आते हैं, तो चीन पर वार्ता से पहले बड़ा दबाव होता वे खुद को जीते हुए योद्धा की तरह वहां पेश करते, लेकिन अब दबाव ट्रंप पर है, क्योंकि वे यहां बहुत लंबी-लंबी बातें नहीं कर पाएंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

ट्रंप ने पुनः पाकिस्तान की धरती पर ईरान से वार्ता के संकेत दिए हैं। अब देखना यह है कि वार्ता कब होती है और दोनों देश क्या शर्तें रखते हैं।

सोशल फोरम

कन्फ्यूशियस की सलाह

ली वेई नाम का एक बूढ़ा आदमी महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस के पास एक सवाल लेकर गया, जो आज भी बहुत से बुज़ुर्गों को परेशान करता है। अपनी पूरी ज़िंदगी औलाद के लिए लगा देने के बाद भी, हम बुढ़ापे में खुद को अकेला क्यों महसूस करते हैं?

ली वेई ने अपनी औलाद के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया।

सुनील सिंह
ब्लॉगर

उसने बहुत मेहनत की ताकि उन्हें कभी किसी चीज़ की कमी न हो। जब बच्चे बड़े हो गए और अपनी ज़िंदगी जीने लगे, तो ली वेई ने अपना घर बेच दिया और बेटे के पास रहने चला गया। यह सोचकर कि अब वह प्यार और अपनापन पाएगा, लेकिन उसे वह खुशी नहीं मिली। वे उसकी बातें आधे मन से सुनते, उसके सुझावों से चिढ़ जाते और उसकी मौजूदगी को बोझ समझने लगे।

ली वेई ने कन्फ्यूशियस से अपना दुख कह सुनाया, "गुरुजी! मैंने अपनी ज़िंदगी बच्चों के लिए दे दी। सोचा था उनके साथ रहकर सुकून मिलेगा, लेकिन मैं खुद को उनके बीच नापसंद महसूस करता हूं। ऐसा क्यों?"

कन्फ्यूशियस ने उसे तीन आसान सबक़ सिखाए।

पहला सबक- उन्होंने एक बर्तन को पानी से भर दिया और पूछा कि अगर इसमें और पानी डालूं तो क्या होगा?"

ली वेई ने कहा कि यह छलक जाएगा।

कन्फ्यूशियस बोले, "बिल्कुल, रिश्ते भी ऐसे ही होते हैं। जब हम खुद को ज़बरदस्ती किसी ऐसी जगह डालते हैं जो पहले से भरी हो, तो संतुलन बिगड़ जाता है।"

तुम अपने बच्चों के घर में फिर से केंद्र बनना चाहते हो, लेकिन अब उनकी ज़िंदगी और उनके बच्चे ही उनका केंद्र हैं।

दूसरा सबक- उन्होंने पास के दो पेड़ों की ओर इशारा किया। जब पेड़ बहुत पास-पास होते हैं तो क्या होता है?

ली ने कहा, "वे एक-दूसरे को रोकते हैं और कमजोर हो जाते हैं।"

कन्फ्यूशियस ने कहा, "ज़िंदगी में भी यही होता है। ज़्यादा नज़दीकी भी समस्या बन जाती है। बढ़ने के लिए जगह ज़रूरी है।"

तीसरा सबक- कन्फ्यूशियस ने रेत को कसकर मुट्ठी में पकड़ा। अब क्या होगा?

ली वेई ने कहा, "रेत फिसल जाएगी।"

कन्फ्यूशियस ने कहा, "रिश्ते भी ऐसे ही होते हैं। प्यार दबाव से नहीं टिकता। जितना तुम पकड़ने की कोशिश करोगे, वह उतना दूर जाएगा। आज़ादी दो, तो वह खुद तुम्हारे पास रहेगा।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

भारत के कुपोषण मुक्त होने में हैं कई चुनौतियां

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है, जिसका समाधान खोजने के उद्देश्य से साल 1975 में केंद्र सरकार ने समेकित बाल विकास सेवा योजना की शुरुआत की थी, इसके अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई, जिसका मकसद था कि छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रारंभिक शिक्षा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा सके। बहुत हद तक यह योजना सफल भी रही है, लेकिन पिछले 50 वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी हम यह दावे के साथ नहीं कह सकते कि यह योजना शत-प्रतिशत सफल रही है।

इस समय देशभर में लगभग 13.9 लाख आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी प्रारंभिक बाल देखभाल और पोषण व्यवस्था मानी जाती है। यह करीब आठ करोड़ से अधिक लाभार्थियों तक सेवाएं पहुंचा रही है। इस योजना के तहत छह प्रमुख सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिनमें पूरक पोषण, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा और जरूरत पड़ने पर रेफरल सेवाएं शामिल हैं। इन सेवाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि बच्चे जीवन के पहले छह वर्षों में शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ विकसित हों और गर्भवती महिलाओं को उचित पोषण मिल सके।

अल्पना कुमारी
एक्टिविस्ट

भारत में कुपोषण की समस्या लंबे समय से गंभीर रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार, आज भी देश में 35.5 प्रतिशत बच्चे कम कद, 32.1 प्रतिशत कम वजन वाले और 19.3 प्रतिशत अत्यधिक दुबले पाए जाते हैं। ये आंकड़े इस बात की ओर संकेत करते हैं कि समस्या अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है, लेकिन पिछले दशकों में इसमें कुछ सुधार अवश्य हुआ है। यदि पिछले तीन दशकों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो यह स्पष्ट होता है कि आंगनबाड़ी प्रणाली ने कुपोषण की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार लाने में भूमिका निभाई है। वर्ष 1992-93 में जहां बच्चों में कम कद की दर लगभग 52 प्रतिशत थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर 35.5 प्रतिशत रह गई। इसी प्रकार कम वजन वाले बच्चों की संख्या 53.4 प्रतिशत से घटकर 32.1 प्रतिशत तक पहुंची है।

इन उपलब्धियों के बावजूद चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि आंगनबाड़ी सेवाओं का लाभ सभी जरूरतमंद लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पा रहा है। देश में आंगनबाड़ी सेवाओं का उपयोग बढ़ा है, लेकिन 2016 से 2021 के बीच कुपोषण में जो कमी आई, उसमें आंगनबाड़ी सेवाओं का योगदान लगभग 9-12 प्रतिशत ही माना गया है। जो यह दर्शाता है कि योजना ने सकारात्मक प्रभाव डाला है, लेकिन इसे और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

हाल के वर्षों में सरकार ने आंगनबाड़ी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई नई पहलें शुरू की हैं। सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 योजना के तहत देशभर में लगभग दो लाख आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने की प्रक्रिया चल रही है। इनमें इंटरनेट सुविधा, डिजिटल उपकरण और स्वच्छ पेयजल जैसी व्यवस्थाएं शामिल की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्ण केंद्रो में परिवर्तित करने की भी योजना बनाई गई है, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

ऐसे हुआ वेल्क्रो का आविष्कार

वेल्क्रो का आविष्कार किसी बड़ी प्रयोगशाला में नहीं, बल्कि एक साधारण सैर के दौरान हुआ और यही इसे खास बनाता है। साल 1940 के दशक में स्विट्ज़रलैंड के इंजीनियर जॉर्ज डे मेस्ट्रल अपने कुत्ते के साथ जंगल में घूमने निकले। लौटकर उन्होंने देखा कि उनके कपड़ों और कुत्ते के बालों पर छोटे-छोटे कांटेदार बीज चिपके हुए हैं। आमतौर पर लोग इन्हें झटककर फेंक देते, लेकिन मेस्ट्रल ने ऐसा नहीं किया। उनकी जिज्ञासा जाग उठी-आखिर ये बीज इतनी मजबूती से चिपकते कैसे हैं?

उन्होंने इन बीजों को माइक्रोस्कोप से देखा और जो सामने आया, वह चौंकाने वाला था। बीजों पर बहुत बारीक हुक (कांटे) थे, जो कपड़े और बालों के रेशों में फंस जाते थे। बस, यहीं से एक अनोखा विचार जन्मा-क्या इसी सिद्धांत पर कोई कृत्रिम चीज बनाई जा सकती है? कई सालों की मेहनत और प्रयोगों के बाद उन्होंने 'हुक और लूप' प्रणाली पर आधारित एक फास्टनर तैयार किया। एक सतह पर छोटे-छोटे हुक और दूसरी पर मुलायम लूप दोनों को दबाते ही वे चिपक जाते और खींचते ही अलग हो जाते। 1955 में इस आविष्कार का पेटेंट हुआ और इसका नाम रखा गया 'वेल्क्रो'। शुरुआत में लोगों ने इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन जब नासा ने अंतरिक्ष मिशनों में इसका उपयोग किया, तब इसकी उपयोगिता दुनिया के सामने आई। आज वेल्क्रो जूतों, बैगों और कपड़ों से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक हर जगह इस्तेमाल हो रहा है-सिर्फ एक जिज्ञासा भरे सवाल की वजह से।

वैज्ञानिक के बारे में

जॉर्ज डे मेस्ट्रल का जन्म 1907 में स्विट्ज़रलैंड में हुआ था। वे बचपन से ही जिज्ञासु और आविष्कारशील स्वभाव के थे। केवल 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपना पहला पेटेंट हासिल कर लिया था, जो उनके वैज्ञानिक रुझान को दर्शाता है। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और प्रकृति से प्रेरणा लेकर नए विचार विकसित किए। उनका जीवन साधारण लेकिन प्रयोगधर्मी था, जहां वे रोज़मर्रा की चीजों में भी नवाचार के अवसर खोजते थे। वे अपने परिवार के साथ शांत जीवन बिताते हुए शोध और प्रयोगों में लगे रहे और 1990 में उनका निधन हो गया।

धूमकेतु के लिए रोमांचक माह अप्रैल

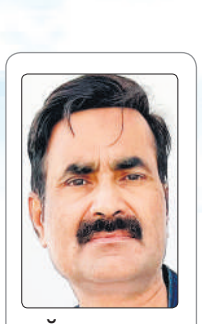

डॉ. इरफान ह्यूमन

विज्ञान लेखक

अप्रैल माह धूमकेतु दर्शन के लिए एक रोमांचक समय होगा, क्योंकि इस महीने में कम से कम दो प्रमुख धूमकेतु नग्न आंखों से या दूरबीन की मदद से दिखाई दे सकते हैं। ये धूमकेतु लंबी अवधि के (लॉन्ग-पिरियड) और आवर्ती (पिरियडिक) प्रकार के हैं। मुख्य रूप से दो धूमकेतु सी/2026 ए1 (मैप्स) और सी/2025 आर3 (पैनस्टार्स), जिनकी चमक अपेक्षाकृत अधिक होने की संभावना है। इसके अलावा, 10पी/टेम्पेल 2 जैसे अन्य धूमकेतु दूरबीन से दिखाई दे सकते हैं, लेकिन वे कम चमकीले होंगे। ध्यान दें कि धूमकेतु की चमक मौसम, वायुमंडलीय स्थितियों और उनके व्यवहार पर निर्भर करती है, इसलिए पूर्वानुमान बदल सकते हैं। भारत (उत्तर गोलार्ध) से देखने के लिए सामान्य दिशा और समय पर फोकस करना आवश्यक है।

सी/2026 ए1 (मैप्स)- संग्रेजिंग धूमकेतु

यह धूमकेतु 13 जनवरी, 2026 को चिली के अमैक्स1 वेधशाला में चार खगोलशास्त्रियों द्वारा खोजा गया। यह क्रूट्ज संग्रेजर समूह का सदस्य है, जो सूर्य के बहुत निकट से गुज़रने वाले धूमकेतु हैं। यह अब तक का सबसे पहले खोजा गया इनबाउंड क्रूट्ज धूमकेतु है (पेरिहेलियन से 11.5 सप्ताह पहले)। पेरिहेलियन एक खगोलीय अवधारणा है, जो सूर्य-केंद्रित कक्षाओं (जैसे ग्रहों, धूमकेतुओं या अन्य वस्तुओं की कक्षा) से संबंधित है। यह वह बिंदु है, जहां कोई वस्तु (जैसे पृथ्वी या धूमकेतु) अपनी कक्षा में सूर्य के सबसे निकट पहुंचती है। पेरी का अर्थ सबसे निकट और हेलियन का अर्थ सूर्य होता है। अर्थात सूर्य के चारों ओर घूमने वाली वस्तुओं की कक्षा आमतौर पर अंडाकार (एलिप्टिकल) होती है, न कि पूरी तरह गोलाकार। इसलिए इन पिंडों की दूरी हमेशा एक समान नहीं रहती।

संग्रेजिंग धूमकेतु के पेरिहेलियन की बात करें, तो 4 अप्रैल, 2026 को यह सूर्य की सतह से मात्र 7,48,000 किलोमीटर (4,65,000 मील) की दूरी पर रहेगा। यह सूर्य के व्यास का आधा हिस्सा जितना निकट है। इसकी अपेक्षित चमक की बात करें, तो यदि यह टूटा नहीं, तो इसकी चमक-4 मैग्निट्यूड तक पहुंच सकती है (शुक्र ग्रह जितनी चमकीली)। इससे पहले मार्च के अंत में बड़े शौकिया दूरबीनों से 13 मैग्निट्यूड पर दिखाई देगी, लेकिन अप्रैल में तेजी से चमक बढ़ेगी। लंबी पूंछ विकसित हो सकती

है। अप्रैल में सूर्यास्त के बाद पश्चिम दिशा में मध्य-ट्वाइलाइट (अर्ध-अंधेरे) में दिखाई दे सकता है। दक्षिणी गोलार्ध में मार्च के अंत से ही दिखना शुरू हो सकता है, लेकिन उत्तर भारत से अप्रैल में पश्चिम क्षितिज पर निम्न ऊंचाई पर रहेगा। अप्रैल के मध्य के बाद यह सूर्य के करीब होने के कारण इसे देखना कठिन हो जाएगा।

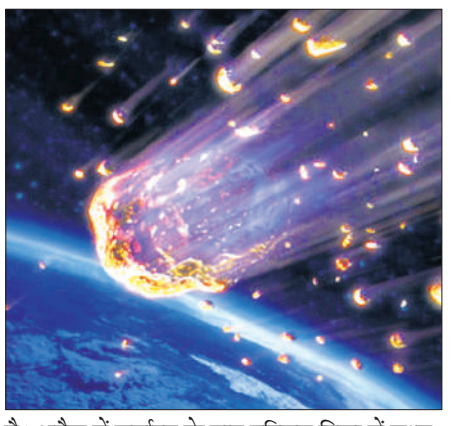

सूर्यास्त के तुरंत बाद (लगभग 6-7 बजे आईएसटी) पश्चिम की ओर देखें, जहां यह शुक्र ग्रह के आसपास होगा। 8 अप्रैल को शुक्र के बहुत पास दिखाई दिया। नग्न आंखों से या छोटी दूरबीन से पूंछ दिख सकती है, लेकिन सूर्य के करीब होने से इसका दृश्यावलोकन कठिन होगा। इसे देखने के लिए अवरोध-रहित क्षितिज चुनें। यदि इस धूमकेतु की चमक-4 तक पहुंची, तो दिन के उजाले में भी दिख सकता है। संभावित जोखिम यह है कि सूर्य के निकट गर्मी और गुरुत्वाकर्षण से यह पूरी तरह टूट सकता है। यदि ऐसा हुआ, तो चमक कम हो जाएगी। फिर भी यदि बचा रहा, तो सूर्य के करीब होने से इसे देखना चुनौतीपूर्ण रहेगा।

अन्य धूमकेतु (दूरबीन आवश्यक)

10 पी/टेंपेल 2 एक आवर्ती धूमकेतु है, जिसकी कक्षीय अवधि 5 .5 वर्ष है। इसकी चमक 12 मैग्निट्यूड, शाम और सुबह के आकाश में (ऊंचाई 11-44 डिग्री) पर ओफ्यूकस तारामंडल में दिखाई देगा। यह दूरबीन से ही दिखेगा, नग्न आंखों से नहीं, क्योंकि इसका चरम अगस्त 2026 में होगा। इसे देखने के लिए शाम को पश्चिम या सुबह पूर्व दिखा में खोजें। एक अन्य धमकेतु सी/2024 ई1 (विएरझोस), जिसका 10 मैग्निट्यूड होगा, शाम में दिखाई देगा, लेकिन ये कम उल्लेखनीय हैं और शौकिया खगोलविदों के लिए यह भी दूरबीनों से दृष्टिगोचर होगा।

सी/2025 आर3 (पैनस्टार्स) - संभावित 'ग्रेट धूमकेतु'

2025 में पैनस्टार्स टेलीस्कोप द्वारा खोजा गया। यह धमकेतु 2026 की शुरुआत में चर्चा में आया। इसके पेरिहेलियन की बात करें, तो 19 अप्रैल, 2026 को सूर्य के सबसे निकट होगा। यह 3 से 7 मैग्निट्यूड के बीच चमकेगा। यदि 3 मैग्निट्यूड, तो नग्न आंखों से आसानी से दिखेगा। अप्रैल 2026 के मध्य (26 अप्रैल तक) सबसे अच्छा दिखाई देगा। यह पृथ्वी के सबसे निकट 26 अप्रैल को (73.2 मिलियन किमी दूर) होगा और सुबह के आकाश में दिखेगा। अप्रैल 11-12 को सूर्योदय से पहले पेगासस तारामंडल के पास दिखाई दिया था। वहीं अप्रैल 15 को यह ग्रेट स्क्वायर ऑफ पेगासस के निकट था। यह दक्षिणी गोलार्ध में अप्रैल के अंत में सूर्यास्त के बाद पश्चिम क्षितिज पर दिखाई देगा। इस धमकेतु को सूर्योदय से 1-2 घंटे पहले (लगभग 4-5 बजे आईएसटी) पूर्व दिशा में देखें। इसे पेगासस के आकाशगंगाओं के पास ढूंढें। दूरबीन या बाइनोकुलर के उपयोगी से इसे देखा जा सकता है, लेकिन यदि चमक 3 मैग्निट्यूड रही तो इसे नग्न आंखों से भी देखा जा सकेगा। नया चंद्रमा (17 अप्रैल के आसपास) के समय आकाश अंधेरा होगा, जो इसे देखने में बहुत आसानी रहेगी। इसे 2026 का ग्रेट धूमकेतु इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि यह धूमकेतु लंबी अवधि का है और चमकदार हो सकता है, लेकिन सूर्य के बीच से गुजरने (पृथ्वी और सूर्य के बीच) से चमक प्रभावित हो सकती है।

मरीन लाइफ

जेलीफिश: प्रकृति का पारदर्शी चमत्कार

जेलीफिश का शरीर बेहद मुलायम, पारदर्शी और जेल जैसा होता है, जिससे इन्हें 'समुद्री जेली' भी कहा जाता है। इनका शरीर लगभग 95 प्रतिशत पानी से बना होता है, इसलिए ये बहुत हल्की होती हैं और समुद्र की लहरों के साथ आसानी से तैरती रहती हैं। जेलीफिश की सबसे खास बात यह है कि इनमें दिल, दिमाग और हड्डियां नहीं होतीं, फिर भी ये लाखों वर्षों से पृथ्वी पर जीवित हैं।

जेलीफिश को दिल की आवश्यकता इसलिए नहीं होती, क्योंकि इनके शरीर में रक्त संचार (ब्लड सर्कुलेशन) की जटिल प्रणाली नहीं होती। इनके शरीर की संरचना इतनी सरल होती है कि पानी सीधे इनके ऊतकों (टिश्यू) के बीच से गुजरता है। इसी पानी के माध्यम से ऑक्सीजन और पोषक तत्व शरीर के सभी हिस्सों तक पहुंच जाते हैं। इस प्रक्रिया को डिफ्यूजन कहा जाता है, जिससे ये बिना दिल और ब्लड वेसल्स के भी आसानी से जीवित रह पाती हैं। इनका शरीर मुख्य रूप से एक घंटी के आकार का होता है, जिसके नीचे लटकती हुई टेंटेकल्स होती हैं। इन टेंटेकल्स में सूक्ष्म डंक होते हैं, जिन्हें नेमाटोसिस्ट कहा जाता है। ये डंक शिकार को पकड़ने और खुद की रक्षा करने में मदद करते हैं। कुछ जेलीफिश का डंक इंसानों के लिए भी खतरनाक हो सकता है। जेलीफिश का अपना कोई विकसित दिमाग नहीं होता, लेकिन इनके पास एक सरल तंत्रिका जाल (nerve net) होता है, जो इन्हें अपने आसपास के वातावरण को महसूस करने में मदद करता है। ये प्रकाश और स्पर्श के प्रति प्रतिक्रिया कर सकती हैं, जिससे ये दिशा बदलने या खतरे से बचने में सक्षम होती हैं। एक और रोचक तथ्य यह है कि कुछ जेलीफ़िश प्रजातियां, जैसे कि 'अमर जेलीफिश', अपनी उम्र को वापस शुरुआती अवस्था में ले जाने की क्षमता रखती हैं, जिससे वे सैद्धांतिक रूप से अमर मानी जाती हैं। जेलीफिश समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये छोटे जीवों को खाकर संतुलन बनाए रखती हैं और खुद भी कई बड़े समुद्री जीवों के भोजन का स्रोत होती हैं। इस तरह, अपनी सरल संरचना के बावजूद, जेलीफिश समुद्र के जीवन चक्र में एक अहम कड़ी हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

क्यों दिखाई पड़ता है आकाश का रंग नीला

साफ और धूप वाले दिन जब हम आसमान की ओर देखते हैं, तो वह हमें चमकीला नीला दिखाई देता है, जबकि शाम के समय वही आकाश लाल, नारंगी और गुलाबी रंगों में बदल जाता है। यह परिवर्तन प्रकृति के एक बेहद रोचक वैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित है, जिसे समझने के लिए हमें प्रकाश और वायुमंडल की भूमिका जाननी होती है। सूर्य से आने वाला प्रकाश देखने में भले ही सफेद लगता हो, लेकिन वास्तव में यह कई रंगों लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, जामुनी (इंडिगो) और बैंगनी का मिश्रण होता है। इन सभी रंगों की तरंगदैर्ध्य अलग-अलग होती है। लाल रंग की तरंगदैर्ध्य सबसे अधिक होती है, जबकि नीले और बैंगनी रंग की सबसे कम। कम तरंगदैर्ध्य वाले रंगों में ऊर्जा अधिक होती है और वे वातावरण में अधिक बिखरते हैं। जब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है, तो वह गैसों (जैसे ऑक्सीजन और नाइट्रोजन), धूलकणों और जलवाष्प से टकराता है। इस टकराव के कारण प्रकाश का बिखराव होता है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में "रेले प्रकीर्णन" कहा जाता है। इस प्रक्रिया में नीले और बैंगनी रंग की तरंगें सबसे अधिक बिखरती हैं। हालांकि बैंगनी रंग का बिखराव अधिक होता है, फिर भी हमें आकाश नीला दिखाई देता है। इसका कारण यह है कि हमारी आंखें नीले रंग के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं और सूर्य से भी नीले प्रकाश की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक पहुंचती है।

दिन के समय सूर्य सिर के ऊपर होता है, जिससे प्रकाश को कम दूरी तय करनी पड़ती है और नीला प्रकाश हर दिशा में बिखरकर पूरे आकाश को नीला बना देता है, लेकिन सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सूर्य क्षितिज के पास होता है, जिससे प्रकाश को अधिक दूरी तय करनी पड़ती है। इस दौरान नीला और बैंगनी प्रकाश रास्ते में ही बिखर जाता है और हमारी आंखों तक मुख्यत: लाल, नारंगी और पीले रंग की किरणें पहुंचती हैं, जिससे आकाश का रंग बदल जाता है। ऊंचाई बढ़ने पर आकाश का रंग और गहरा नीला दिखाई देता है, क्योंकि वहां वायुमंडल पतला होता है और बिखराव कम होता है। अंतरिक्ष में तो लगभग कोई वायुमंडल नहीं होता, इसलिए वहां आकाश काला दिखाई देता है। इस प्रकार, आकाश का नीला रंग प्रकृति की एक सुंदर वैज्ञानिक प्रक्रिया का परिणाम है, जो हमें हर दिन एक नया और आकर्षक दृश्य प्रदान करती है।

सर्पविष का विज्ञान: संरचना और प्रभाव

रणबीर सिंह

विज्ञान लेखक

भारत में आदिकाल से सांप से संबंधित फोकलोर और वैज्ञानिक साहित्य उपलब्ध है। आयुर्वेद में विष चिकित्सा में इनका वर्णन है। अंग्रेजों के समय में भारत उपमहाद्वीप ही नहीं, बल्कि श्रीलंका और बर्मा में पाए जाने वाले सांपों की प्रजातियों और इनके जहर के बारे में विशेष अध्ययन और डॉक्यूमेंटेशन वर्क हुआ था। इन पुस्तकों में सभी किस्म सांपों के हाथ से बनाए गए रंगीन चित्र दिए गए हैं। इनके बारे में बहुत सा अध्ययन ब्रिटेन की लैब्स में उन दिनों अंग्रेज वैज्ञानिकों ने किया था और मनुष्य में सांप के काटने के बाद शरीर में फैलने वाले इन जहरों को बे-असर करने के उपाय विकसित किए गए थे। आधुनिक मॉलिक्यूलर बायोलॉजीकल अध्ययनों से विभिन्न जहरीले सांपों के जहर की विस्मित करने वाली संरचनाएं सामने आई हैं। दवा उद्योग में सांपों के विभिन्न प्रकार के जहर की बड़ी मांग है, क्योंकि इस पर अरबों रुपये का उद्योग खड़ा किया गया है।

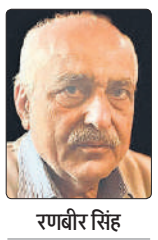

मनुष्य और पालतू पशुओं की जान बचाने के लिए या एन्वीनोमिंग के लिए जो एंटीबाडीज और अन्य उत्पाद दवा फैक्ट्रीज में बनाए जाए हैं, उससे पहले इन पर व्यापक अध्ययन किया जाता है और खास तरह की प्रोसस्सेस को विकसित किया जाता है। अब सांप के काटे का टीका बनाने के लिए घोड़ों का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बायोटेक्नोलॉजी और केमिकल विधियों से इन्हें बड़ी मात्रा में निर्मित करना सिद्ध किया जा चुका है।

लोग सांप के प्रति एक ही प्रकार का नजरिया रखते हैं: मार देना। यह बिल्कुल प्रकृति विरुद्ध काम है। सांपों के परिवेश अर्थात हैबिटैट और व्यवहार का अध्ययन करने वाले कुछ और कहते हैं। भारत में सांपों की करीब 300 किस्में हैं और इनके रंग और हैबिटैट भी अलग है। इनमें से नाग अर्थात कोबरा, वाईपर की दो किस्में और करात ही जहरीले हैं। सांप प्रजातियों की खुराक अलग-अलग होती है। भारत में सभी सांप जहरीले नहीं हैं। इनमें चार प्रकार के जहर होते हैं। ये एक प्रकार के कुदरती एंजाइम अथवा प्रोटीन होते हैं और इनकी रासायनिक और मॉलिक्यूलर संरचना अलग-अलग तरह की होती है। ज्यादातर जहर चार प्रकार के असर वाले यथा न्यूरोटॉक्सिक, साइटोटॉक्सिक, हीमोटॉक्सिक और मायोटॉक्सिक हैं। अर्थात कोई जहर शरीर के नर्वस सिस्टम, दूसरा, रक्त कोशिकाओं, तीसरा शरीर के उत्तकों की कोशिकाओं और चौथा मांशपेशियों की कोशिकाओं को नष्ट करता है। सांप अपने शरीर में जहर का निर्माण अथवा सिंथेसिस शिकार को बेदम करने के लिए और अपनी रक्षा करने के लिए करते हैं। इन चारों किस्म के जहर का निर्माण करने के लिए सांप के शरीर में विशेष कोशिकाएं/ग्रंथियां होती हैं। विष का उत्पादन अत्यधिक विशिष्ट लार स्रावी ग्रंथियों के भीतर होता है। रूपांतरित ग्रंथियां अथवा एपिथीलियल कोशिकाएं विभिन्न प्रोटीन घटकों का संश्लेषण करती हैं। सांपों के जहर की एक बड़ी

वैरायटी फोस्फोलायीपेज ए-2 डाइजेस्टिव एंजाइम से 'तेज विकास' की प्रक्रिया के जरिए विकसित हुई है। इन जहरों के अलग-अलग टिश्यू टारगेट, मेम्ब्रेन रिसेप्टर और सेल प्लाज्मा मेम्ब्रेन को बदलने के अलग-अलग तरीके होते हैं। जहर जैसे असरात दिखाने वाले फोस्फोलायीपेज ए-2 की किस्मों से होने वाले दो सबसे आम असर हैं न्यूरोटॉक्सिसिटी और मायोटॉक्सिसिटी।

विभिन्नताओं के बावजूद, सांप का जहर एक जैसा सेल्यूलर घाव कैसे पैदा करते हैं, जो विकास के नजरिए से बहुत ज्यादा सुरक्षित है। वे शुरू में प्लाज्मा मेम्ब्रेन में गड़बड़ी पैदा करते हैं, जिससे साइटोसोलिक कैल्शियम आयन $Ca2+$ की मात्रा में भारी बढ़ोतरी होती है, जिससे सेल का क्षरण होता है। यह प्रक्रिया उन तरीकों से होती है, जिसमें मांसपेशियों के सेल्स और न्यूरोमस्कुलर जंक्शन प्रभावित होते हैं। उक्त कैल्शियम आयन एक धनात्मक आवेश वाला आयन है और कई जैविक तथा शारीरिक प्रक्रियाओं के लिए जरूरी है। यह एक द्विसंयोजी धनायन है, जिसका मतलब है कि जब एक उदासीन कैल्शियम परमाणु अपने दो सबसे बाहरी इलेक्ट्रॉन खो देता है, तो उस पर +2 का आवेश आ जाता है।

इस धनात्मक आवेश के कारण यह ऋणात्मक आवेश वाले आयनों (ऋणायनों)-जैसे कि फॉस्फेट और कार्बोनेट, के साथ आयनिक बंध बना पाता है। यह प्रक्रिया कैल्शियम लवणों के निर्माण और हड्डियों के खनिजीकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जहरों से होने वाले अलग-अलग सिस्टमिक पैथोफिजियोलॉजिकल नतीजे सेल टॉक्सिसिटी के अलग-अलग तरीकों की वजह से नहीं होते, बल्कि टारगेट किए गए टिश्यू और सेल्स की अंदरूनी शारीरिक और जैविक विशेषताओं की वजह से होते हैं। फोस्फोलायीपेज ए-2 एक ऐसा एंजाइम है, जो फॉस्फोलिपिड्स के हाइड्रोलिसिस को उत्प्रेरित करता है।

टॉक्सिन्स का अध्ययन

वाइपर सांप की किस्म के विष के मामले में, फोस्फोलायीपेज ए-2 द्वारा पैदा की गई स्थानीय विकृति अन्य विषाक्त घटकों -मुख्य रूप से जिंक-निर्भर मेटालोप्रोटीनेज, की क्रिया से और भी अधिक जटिल हो जाती है। ये घटक रक्तस्राव, फफोले और अन्य ऐसे बदलाव पैदा करते हैं, जो ऊतकों को व्यापक नुकसान पहुंचाने और ऊतकों के खराब पुनर्निर्माण के कारण होने वाले दीर्घकालिक परिणामों अर्थात सीक्वेली के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा, विषाक्त पदार्थों के कारण ऊतकों को होने वाला नुकसान बैक्टीरिया के संक्रमण के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। यह संक्रमण स्थानीय विकृति को और भी अधिक जटिल बना देता है और अंतत: गैंग्रीन तथा ऊतकों के नष्ट होने का कारण बन सकता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रभावित अंग को काटकर अलग करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इन फोस्फोलायीपेज ए-2 टॉक्सिन्स के समूह का गहन अध्ययन किया जाता है, क्योंकि कई देशों में सर्पदंश से मरने वाले लोगों की बड़ी संख्या बहुत गंभीर है। टॉक्सिन्स का अध्ययन इसलिए भी किया जाता है, क्योंकि वे ऊतकों और कोशिकाओं की कार्यप्रणाली के अज्ञात पहलुओं को उजागर करने में मदद कर सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,988.68	24,196.75
गिरावट	122.56	34.55
प्रतिशत में	0.16	0.14

सोना 1,57,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,58,700 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

डीसीएम श्रीराम ने बेची पॉलीटेक की अपनी 50 फीसदी हिस्सेदारी

नयी दिल्ली। डीसीएम श्रीराम ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपनी अनुषंगी कंपनी श्रीराम पॉलीटेक लिमिटेड (एसपीएल) में अपनी आधी हिस्सेदारी नीदरलैंड की कंपनी टेक्नॉर एपेक्स बी वी को 56 लाख डॉलर में बेचेगी। इससे यह इकाई एक संयुक्त उद्यम में बदल जाएगी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि डीसीएम श्रीराम के बोर्ड ने इस सौदे को मंजूरी दे दी है, जिसके 23 अप्रैल तक पूरा होने की उम्मीद है। इस लेनदेन से एसपीएल में डीसीएम श्रीराम की हिस्सेदारी 100 प्रतिशत से घटकर 50 प्रतिशत रह जाएगी।

विप्रो की 15,000 करोड़ की शेयर पुनर्खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 15,000 करोड़ रुपये की अपनी अब तक की सबसे बड़ी शेयर पुनर्खरीद को मंजूरी दी है। इसके 2027 की पहली तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि बोर्ड ने 'दो रुपये अंकित मूल्य के 60 करोड़ पूर्ण चुकता इक्विटी शेयरों के पुनर्खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जो कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 5.7 प्रतिशत है। यह पुनर्खरीद 250 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर अधिकतम 15,000 करोड़ रुपये तक की होगी।

भारत-न्यूजीलैंड 27 को करेंगे एफटीए पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस मुक्त व्यापार समझौते का उद्देश्य घरेलू निर्यातकों के सामान को न्यूजीलैंड के बाजार में बिना किसी शुल्क के प्रवेश दिलाना है। साथ ही इससे अगले 15 साल में 20 अरब डॉलर का निवेश आएगा। दोनों देशों ने पिछले साल 22 दिसंबर को व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी।

वाहनों के दाम एक लाख रुपये तक बढ़ाएगी वोल्वो

मुंबई। स्वीडन की लक्जरी कार विनिर्माता वोल्वो कार्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह भारत में अपने वाहनों की कीमतों में एक मई से एक लाख रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में लगातार व्यवधान आने और विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के चलते उसे कीमतों में यह सीमित बदलाव करना पड़ रहा है। इसके साथ ही वोल्वो कार्स इंडिया ने संकेत दिए कि वैश्विक परिस्थितियां इसी तरह बनी रहने पर आगे भी कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने में जुटा मैक्स

नयी दिल्ली। मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड 'मेडिकल टूरिज्म' को बढ़ावा देने के लिए अपनी क्षमता विस्तार को तेज कर रहा है। कंपनी के सीएमडी अभय सोई ने कहा कि अगले तीन से चार वर्ष में कुल 10,000 'बेड' उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी ने 2028 तक भारत के प्रमुख स्थानों पर 3,700 'बेड' जोड़ने के लिए 6,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। इसने राष्ट्रीय राजधानी के साकेत स्थित अपने मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में 400 'बेड' का नया टावर शुरू किया है।

1,000 टन खुबानी का निर्यात किया जाएगा

लेह। लद्दाख प्रशासन ने गुरुवार को लुलु रिटेल के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत इस मौसम में 1,000 टन प्रीमियम लद्दाखी खुबानी का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात किया जाएगा।

1300 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित होंगी 13 परियोजनाएं

यूपी रेरा ने लखनऊ, बरेली समेत आठ जिलों में दी स्वीकृति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, गाजियाबाद, वाराणसी, गौतमबुद्ध नगर व मथुरा में 1,300.38 करोड़ के निवेश से 13 परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। गुरुवार को उप्र विनियामक प्राधिकरण (रेरा) की 200वीं बैठक में परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

इनमें बिल्डरों द्वारा 1,976 आवासीय और व्यावसायिक इकाइयां निर्मित करके भूखंड, फ्लैट, विला व दुकानें आदि बिक्री किए जाएंगे। न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में बैठक हुई। निवेश और इकाइयों की संख्या में गाजियाबाद अग्रणी रहा। जहां 767.58 करोड़ की लागत से दो आवासीय परियोजनाओं में कुल 1,137 इकाइयां निर्मित करने को मंजूरी दी गई। लखनऊ में सबसे अधिक 66.55 करोड़ की कुल पांच परियोजनाएं स्वीकृत की गईं। इनमें दो आवासीय, दो व्यावसायिक और एक मिश्रित उपयोग की परियोजना में 404 इकाइयां विकसित की जाएंगी।

बरेली में 16.33 करोड़ रुपये लागत की एक आवासीय परियोजना स्वीकृत की गई। इस परियोजना में 84 आवासीय इकाइयां निर्मित की जाएंगी। इसके अलावा गौतमबुद्ध नगर में 141.14 करोड़ रुपये की एक व्यावसायिक परियोजना में 21 इकाई, मथुरा में 160.93 करोड़ रुपये की एक आवासीय परियोजना में 198 इकाई, सहारनपुर में 131.49 करोड़ रुपये से एक आवासीय परियोजना में 83 इकाई विकसित की जाएंगी।

इसी तरह वाराणसी में 2.50 करोड़ रुपये से एक व्यावसायिक परियोजना में 20 इकाइयां व मुरादाबाद में 13.86 करोड़ रुपये से एक आवासीय परियोजना में 29 इकाइयां स्वीकृत की गईं।

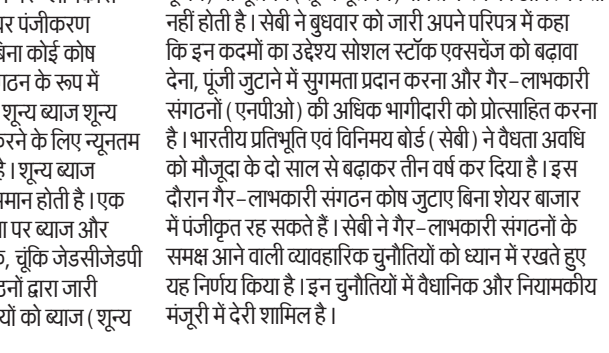

न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर बैठक करते अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी।

- 1,976 व्यावसायिक व आवासीय इकाई निर्मित करेंगे बिल्डर
- बरेली में 16.33 करोड़ की आवासीय परियोजना मंजूर

शेयरों में मुनाफावसूली से सेंसेक्स 123 अंक टूटा, निफ्टी 24,200 के नीचे बंद

मुंबई, एजेंसी

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 123 अंक टूट गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,200 अंक के नीचे बंद हुआ। हाल की तेजी के बाद बैंक और वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरुआती बढ़त को गंवाते हुए 122.56 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,988.68 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और 78,730.32 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली से यह गिरावट के साथ 77,674.93 अंक के निचले स्तर पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 1,055.39 अंक का उतार-चढ़ाव आया। एनएसई निफ्टी भी 34.55 अंक यानी 0.14 प्रतिशत टूटकर 24,196.75 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक ऊंचे में 24,400.95 तक गया और नीचे में 24,102.80 अंक तक आया।

- अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर पर स्पष्टता का इंतजार, मिलेगी बाजार के रुख को दिशा

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत के बीच दोनों मानक सूचकांकों में बुधवार को एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आई थी। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचडीएफसी बैंक में सबसे ज्यादा 1.75 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा

बढ़त में रहे अन्य एशियाई बाजार

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार दोपहर के कारोबार में सकारात्मक दायरे में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.51 प्रतिशत बढ़कर 96.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 666.15 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स बुधवार को 1,263.67 अंक बढ़कर 78,111.24 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 388.65 अंक बढ़कर 24,231.30 अंक पर रहा था।

गिरावट वाले शेयर

टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस

ये रहे लाभ में

ट्रेंट, इटर्नल, अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फोसिस

एक्सपर्ट्स की राय

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू बाजार की शुरुआत सकारात्मक रही। हालांकि, उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सौदों की साप्ताहिक समाप्ति के दिन बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। निवेशकों ने हाल की बढ़त के बाद मुनाफा वसूली की। बाजार को अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर पर स्पष्टता का इंतजार है, जो निकट भविष्य के बाजार के रुख को दिशा देगा।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि भारतीय बाजार में आज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पश्चिम एशिया के प्रति बाजार धारणा संवेदनशील है। क्षेत्रवार रुझान मिलाजुला रहा। धातु, आईटी और ऊर्जा शेयरों ने सूचकांक को सहारा दिया, जबकि बैंक और वाहन शेयरों पर कुछ दबाव देखने को मिला।

सेबी ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर गैर-लाभकारी इकाइयों को पंजीकरण वैधता अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने गैर-लाभकारी इकाइयों के लिए सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर पंजीकरण वैधता अवधि बढ़ा दी है। इन इकाइयों को बिना कोई कोष जुटाये तीन साल के लिए गैर-सरकारी संगठन के रूप में पंजीकरण की अनुमति दी गयी है। साथ ही शून्य ब्याज शून्य मूलधन (जेडसीजेडपी) वाला बॉन्ड जारी करने के लिए न्यूनतम बोली आवश्यकता को कम कर दिया गया है। शून्य ब्याज शून्य मूलधन उत्पाद की संरचना बॉन्ड के समान होती है। एक पारंपरिक बॉन्ड में, जारीकर्ता को परिपक्वता पर ब्याज और मूलधन का भुगतान करना होता है। हालांकि, चूंकि जेडसीजेडपी उत्पाद ऋण के बजाय दान मांगने वाले संगठनों द्वारा जारी किए जाते हैं, इसलिए जारीकर्ता को इकाइयों को ब्याज (शून्य कूपन) या मूलधन (शून्य मूलधन) वापस करने की आवश्यकता नहीं होती है। सेबी ने बुधवार को जारी अपने परिपत्र में कहा कि इन कदमों का उद्देश्य सोशल स्टॉक एक्सचेंज को बढ़ावा देना, पूंजी जुटाने में सुगमता प्रदान करना और गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने वैधता अवधि को मौजूदा के दो साल से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दिया है। इस दौरान गैर-लाभकारी संगठन कोष जुटाए बिना शेयर बाजार में पंजीकृत रह सकते हैं। सेबी ने गैर-लाभकारी संगठनों के समक्ष आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय किया है। इन चुनौतियों में वैधानिक और नियामकीय मंजूरी में देरी शामिल है।

रुपया 19 पैसे बढ़कर 93.14 प्रति डॉलर पहुंचा

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया गुरुवार को 19 पैसे मजबूत होकर 93.14 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के चलते रुपये में मजबूती आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आयातकों की डॉलर मांग बढ़ने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त पर अंकुश लगाया। कच्चे तेल की कीमतें 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने से घरेलू मुद्रा में तेजी आई। कारोबार के अंत में यह 93.14 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त है।

लगातार मांग से चांदी 1700 रुपये चढ़ी, सोना टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 1,700 रुपये बढ़कर 2.58 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसकी वजह लगातार मांग और मज़बूत वैश्विक रुख था, जबकि निवेशक भू-राजनीतिक घटनाक्रम और मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर नज़र रखे हुए थे। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी 1,700 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 2,58,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई, जबकि पिछली सत्र में यह 2,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, 99.9 प्रतिशत वाला सोना 200 रुपये टूटकर 1,57,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया। बुधवार को, सोने की कीमत 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि बृहस्पतिवार को सोने में सीमित दायरे में कारोबार हुआ, जो मिले-जुले बाजार संकेतों को दिखाता है।

वैश्विक वृद्धि में मुख्य भूमिका निभाएगा एशिया : आईएमएफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि एशिया वैश्विक वृद्धि का मुख्य चालक बना रहेगा, जिसमें भारत और चीन क्षेत्रीय विस्तार में 70 प्रतिशत का योगदान देंगे। साथ ही संगठन ने यह भी कहा कि खाड़ी संकट के कारण ऊर्जा का झटका इस क्षेत्र को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा।

आईएमएफ ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी शुल्क और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते क्षेत्रीय वृद्धि दर के 2026 में घटकर 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आंकड़ा 2025 में 5% था। आईएमएफ के एशिया प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने यहां पत्रकारों से कहा कि एशिया ने 2026 में एक मजबूत स्थिति के साथ प्रवेश किया है और अमेरिकी शुल्कों तथा बढ़ती अनिश्चितता का खामियाजा भुगतने के बावजूद क्षेत्र की वृद्धि दर जुझारू बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की जीवाश्म ईंधन पर उच्च निर्भरता और प्रमुख वस्तुओं के लिए संघर्ष वाले क्षेत्रों पर निर्भरता को देखते हुए, ऊर्जा का नया झटका उन्हें नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। इससे मुद्रास्फीति बढ़ रही है, बाहरी संतुलन कमजोर हो रहा है और वित्तीय मोर्चे पर सख्ती बढ़ रही है।

UPI से गलत खाते में गया पैसा, आएगा वापस

कारोबार डेस्क

आज के डिजिटल युग में UPI ने जीवन को बहुत आसान बना दिया है। बैंक आपकी जेब और खाता उंगलियों में है, लेकिन यही सुविधा कभी-कभी बड़ी परेशानी तब बन जाती है, जब आपका पैसा गलती से किसी अनजान अकाउंट में चला जाता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल क्या UPI से गलत भेजा गया पैसा वापस मिल सकता है या सदा के लिए गया? हां! पैसा वापस आ सकता है लेकिन सही समय पर सही कदम उठा लिए जाएं तो...

5 बिन्दुओं में समझें

- UPI में Undo ऑप्शन नहीं होता
- इसलिए तुरंत एक्शन लेना ज़रूरी
- बैंक और NPCI दोनों को शिकायत करें।
- ऐसे मामलों में 24 घंटे अत्यधिक महत्वपूर्ण होते हैं।
- जरूरत पड़े तो RBI और बैंकिंग लोकपाल तक जाएं

पैसा तुरंत वापस क्यों नहीं आता

- UPI एक सहमति आधारित सिस्टम है अर्थात आपने स्वयं ही पिन डालकर या बायोमेट्रिक से ट्रांजेक्शन को एप्रूव किया है।
- इसलिए बैंक खुद से पैसा वापस नहीं ले सकता, लेकिन कानूनी और सिस्टम प्रोसेस से आपको पैसा वापस मिल सकता है।
- यह 3 बातों पर निर्भर करेगा। 1. आपने कितनी जल्दी शिकायत की। 2. बैंक और सिस्टम की तत्परता। 3. सामने वाले का रवैया कैसा है।

आसानी से समझें

- Step 1: गोल्डन मिनट में क्या करें?
  - जैसे ही गलती पता चले, तुरंत सामने वाले को कॉल/मैसेज करें। यूपीआई में ऐप में नाम वेरिफाई करें। कई मामलों में सामने वाला पैसा खुद वापस कर देता है।
- Step 2: सबूत तैयार करें, तुरंत ये करें-
  - ट्रांजेक्शन स्क्रीनशॉट लें
  - ट्रांजेक्शन आईडी नोट करें।
  - तारीख और समय को नोट कर लें।

  यही आपका सबसे बड़ा सबूत है
- Step 3: बैंक को तुरंत सूचना दें
  - अपने बैंक को तुरंत अलर्ट करें। कस्टमर केयर पर कॉल करें या ब्रांच विज़िट करें। बैंक ट्रांजेक्शन ट्रेस करेगा। फिर दूसरे बैंक को रिक्वेस्ट भेजेगा। ध्यान रखें कि ये हमारी ज़िम्मेदारी नहीं कहें तो भी फॉलो करें।
- Step 4: NPCI पर शिकायत करें
  - NPCI वेबसाइट खोलें। UPI कंप्लेंट सेक्शन में जाएं। गलत ट्रांसफर ऑप्शन चुनें। इसके बाद डिटेल्स भरें। इसका फायदा ये है कि मामला सीधे सिस्टम में एस्केलेट हो जाता है।

क्या होगा

- बैंक पर दबाव बनेगा। इससे समाधान जल्दी मिलेगा।
- ये पूरी प्रक्रिया फ्री होती है

ध्यान रखें- UPI इरिवर्सिबल होता है। पिन डालने पर ट्रांजेक्शन पूरा होता है। बैंक ऑटो रिवर्स नहीं कर सकता, लेकिन लीगल रिकवरी संभव है। रिपोर्टिंग में देरी से मुश्किल हो सकती है। नियम सख्त हैं। तुरंत एक्शन लें।

और क्या करें

- हमेशा पेमेंट से पहले नाम चेक करें।
- बड़ी रकम भेजने से पहले एक टेस्ट करें।
- UPI हिस्ट्री रेगुलर चेक करें।
- बैंक हेल्पलाइन नम्बर सेव रखें।
- अगर 30 दिन में समाधान नहीं मिला तो RBI Ombudsman यानी रिजर्व बैंक लोकपाल में शिकायत करें।

काम की बात

- UPI ने जीवन को आसान बनाया है लेकिन जिम्मेदारी भी बढ़ाई है। छोटी सी असावधानी आपकी मेहनत की कमाई को खतरे में डाल सकती है। सही समय पर सही कदम उठाएं और पैसा वापस पायें। बेहतर होगा कि ट्रांजेक्शन सतर्क रहकर करें और पैसा भेजने से पहले दो बार चेक करलें कि प्राप्तकर्ता सही है या नहीं।

रेनो की भारत को शीर्ष तीन बाजारों में शामिल करने की योजना : सीईओ

चेन्नई। फ्रांसीसी वाहन विनिर्माता रेनो की भारत को अपने शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल करने की योजना है और इसके लिए वह 2030 तक देश में कई ऊर्जा विकल्पों वाले सात मॉडल पेश करेगी। कंपनी के वैश्विक समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फ्रांस्वा प्रोवोस्ट ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रोवोस्ट ने यहां संवाददाताओं से कहा कि रेनो भारत में अपने सबसे बड़े उत्पाद नवीनीकरण चरण में प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि हम नए वाहन पेश करेंगे और वर्ष 2030 तक अपने पोर्टफोलियो को सात मॉडल तक लेकर जाएंगे। हाल ही में अपने लोकप्रिय मॉडल डस्टर को दोबारा भारतीय बाजार में पेश करने वाली कंपनी ने निर्यात (कलपुर्जों समेत) से 2030 तक सालाना दो अरब यूरो राजस्व का लक्ष्य भी तय किया है।

पेंशन होगी सुरक्षित, मनी लांड्रिग से निपटने को वित्तीय खुफिया इकाई का करार

पेंशन नियामक और एफआईयू के बीच एमओयू के दौरान मौजूद अधिकारी।

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्त मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर दी समझौते की जानकारी

देश में धन शोधन और वित्तीय अपराधों के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के उद्देश्य से वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) और पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने परस्पर सहयोग के लिए करार किया है।

वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार दोनों एजेंसियां इस करार के तहत एक दूसरे के साथ सूचनाओं को साझा करेंगी और इस दिशा में परस्पर समन्वय का विस्तार करेंगी।

करार पर एफआईयू-आईएनडी के निदेशक अमित मोहन गोविल और पीएफआरडीए के पूर्णकालिक सदस्य रणदीप सिंह जगपाल ने हस्ताक्षर किये।

इस अवसर पर पीएफआरडीए के अध्यक्ष शिवसुब्रमणियन रामन उपस्थित थे। इस समझौता ज्ञापन के आधार पर दोनों एजेंसियां को पेंशन विनियामक के विनियमन के तहत काम करने वाली या उसे रिपोर्ट देने वाली संस्थाओं के लिए मनी लांड्रिग रोधी प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजन में सुविधा होगी।

इसके तहत पीएफआरडीए विनियमित संस्थाओं की मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने (एएमएल/सीएफटी) क्षमताओं को उन्नत करने पर ध्यान दिया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार दोनों एजेंसियां (एफएयू और पीएफआरडीए) अपने कामों में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूपता सुनिश्चित करेंगे और सूचनाओं के आदान-प्रदान और पारस्परिक हित के मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए त्रैमासिक बैठकें आयोजित करेंगी। समझौते के प्रत्येक पक्ष द्वारा एक नोडल अधिकारी और एक वैकल्पिक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी ताकि दोनों एजेंसियों के बीच नियमित समन्वय और संवाद सुगम हो सके।

टाटा संस के चेयरमैन से मिले सिंगापुर एयरलाइंस के सीईओ

मुंबई, एजेंसी

सिंगापुर एयरलाइंस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गोह चून फोंग ने बृहस्पतिवार को टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। माना जा रहा है कि दोनों पक्षों ने घाटे में चल रही एयर इंडिया के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की।

फोंग सुबह टाटा समूह के मुख्यालय बॉम्बे हाउस पहुंचे और शाम को रवाना हो गए। टाटा समूह ने जनवरी, 2022 में भारत सरकार से एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था और बाद में सिंगापुर एयरलाइंस ने विमानन कंपनी में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। एक सूत्र ने बताया कि उन्होंने एयर इंडिया के चेयरमैन चंद्रशेखरन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। टाटा समूह के अधिकारियों के साथ हुई बैठकों के बारे में फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब एयर इंडिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है जिनमें पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से बढ़ती परिचालन लागत और करीब एक वर्ष से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद रहने का प्रभाव शामिल है। इस महीने की शुरुआत में एयर इंडिया ने घोषणा की थी कि उसके सीईओ एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन पद छोड़ेंगे। कंपनी नए प्रमुख की तलाश कर रही है।

रिपोर्ट | पश्चिम एशिया संघर्ष का असर, विमानन उद्योग को 18000 करोड़ के घाटे की आशंका

15-20 फीसदी घटे भारत आने वाले पर्यटक

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 15-20 प्रतिशत की गिरावट आई है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। इसके अनुसार, संघर्ष के कारण पैदा हुई बाधाओं के चलते विमानन उद्योग को करीब 18,000 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा होने की आशंका है।

भारत के पर्यटन, विमानन और आतिथ्य क्षेत्रों पर पश्चिम एशिया संघर्ष का प्रभाव शीर्षक वाली रिपोर्ट में बताया गया कि विमानन क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

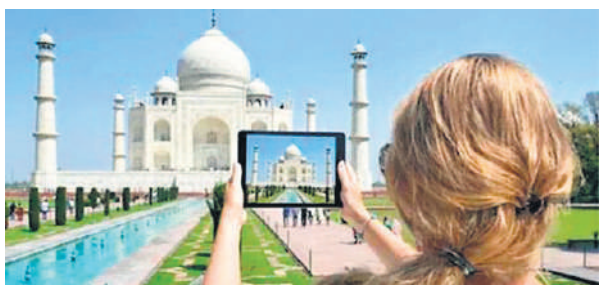

एयरलाइन कंपनियों को उड़ानें रद्द करने, हवाई क्षेत्र के प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के मार्ग में बड़े बदलावों का सामना करना पड़ रहा है। इन बाधाओं के कारण प्रमुख मार्गों पर उड़ान के समय में 2-4 घंटे की वृद्धि हुई है, जिसके चलते ईंधन की खपत और परिचालन लागत में भारी वृद्धि हुई है।

उद्योग के अनुमान बताते हैं कि एयरलाइन की परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत होती है, और वर्तमान स्थिति ने एयरलाइन की लाभप्रदता पर दबाव डाला है। रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक पश्चिम एशिया के हवाई गलियारों में व्यवधान ने संपर्क की सुविधा को कम कर दिया है और हवाई किराये में वृद्धि की है।

पीएचडीसीसीआई ने कहा कि रेटिंग एजेंसी इक्रा ने उद्योग के रुझानों, बुकिंग, रद्दीकरण और परिचालन लागत के दबावों की जांच करके उद्योग को करीब 18,000 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा होने की आशंका जताई है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 15-20 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि वैश्विक यात्री भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच सावधानी बरत रहे हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

इजराइल के हमलों में चार लेबनानी राहत कर्मियों की मौत

टायरे। इजराइली सेना के बुधवार को लगातार तीन लक्षित हमलों में चार लेबनानी बचावकर्मी मारे गए और छह घायल हो गए। यह घटना नबातिएह के पास स्थित दक्षिणी गांव मयफदौन में हुई, जहां पहले हमले में घायल नागरिकों की मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों को निशाना बनाया गया। दूसरे हमले में, पहले से घायल साथियों की सहायता करने पहुंचे दल को निशाना बनाया गया, जबकि तीसरा हमला उन राहतकर्मियों पर हुआ जो पहले दो समूहों की मदद के लिए पहुंचे थे। लेबनान ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। इस्लामिक हेल्थ कमेटी के अधिकारी अबू हैदर हया ने कहा कि राहतकर्मियों को निशाना बनाना संकेत है कि इस युद्ध में कोई सीमा रेखा नहीं बची है।

लश्कर ए तैयबा के सह संस्थापक को लाहौर में गोली मारी, घायल

लाहौर। पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा आतंकी समूह का सह संस्थापक आमिर हमजा बृहस्पतिवार को लाहौर में मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में गोली लगने से घायल हो गया। हमजा को लश्कर ए तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण नेता माना जाता है। सईद आतंकी वित्तपोषण मामलों में कई वर्षों की सजा के बाद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है। अज्ञात बंदूकधारियों ने गृह मंत्री मोहसिन नकवी के स्वामित्व वाले निजी टीवी चैनल '24 न्यूजएचडी टीवी' के वाहन पर गोलीबारी की। चैनल के धार्मिक कार्यक्रम के मेजबान न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नजीर अहमद गाजी और हमजा वाहन में सवार थे। इस हमले में हमजा को गोली लगी जबकि गाजी बाल-बाल बच गए।

नीदरलैंड्स में जेलेंस्की को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा

मिडलबर्ग। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को बृहस्पतिवार को एक समारोह में प्रतिष्ठित इंटरनेशनल फोर फ्रीडम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जेलेंस्की को यह पुरस्कार रूस द्वारा चार वर्ष से अधिक समय पहले शुरू किए गए युद्ध के जवाब में उनके और उनके देश के साहस और दृढ़ता के लिए रूजवेल्ट फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया। रूजवेल्ट फाउंडेशन की स्थापना 1982 में की गई थी। फाउंडेशन के अध्यक्ष ह्यूगो डी जोंगे ने बृहस्पति को कहा, हम यूक्रेन की जनता के अटूट साहस और दृढ़ संकल्प व उनके राष्ट्रपति जेलेंस्की के दृढ़ व संकल्पित नेतृत्व को सर्वोच्च सम्मान देते हैं। नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन ने जेलेंस्की को सम्मानित किया।

ईरान युद्ध : यूरोप में बढ़ा संकट, सिर्फ छह सप्ताह के लिए बचा विमान ईंधन

आईआईए ने सबसे बड़ा ऊर्जा संकट करार दिया, कहा- युद्ध जारी रहा तो रद्द होंगी उड़ानें

पेरिस, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि यूरोप के पास संभवतः करीब छह हफ्ते का विमान ईंधन ही बचा है और यदि ईरान युद्ध के कारण तेल आपूर्ति बाधित रहती है तो जल्द ही उड़ानें रद्द करने की नौबत आ सकती हैं।

आईईए के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल ने एक साक्षात्कार में पश्चिम संकट के वैश्विक प्रभावों की गंभीर स्थिति बयां करते हुए इसे अब तक का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट करार दिया जो दरअसल होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल, गैस एवं अन्य महत्वपूर्ण आपूर्ति के बाधित होने से पैदा हुआ है। बिरोल ने कहा, पहले डायर (भयानक) स्ट्रेट्स नाम का एक समूह था। अब यह सचमुच एक डायर स्ट्रेट बन गया है और इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ेगा। यह जितना लंबा चलेगा, वैश्विक आर्थिक वृद्धि और महंगाई के लिए उतना ही खराब होगा। बिरोल ने कहा कि इसका प्रभाव पेट्रोल (गैसोलीन) की ऊंची कीमतें, गैस की बढ़ती कीमतें और बिजली की महंगी दरों के रूप में दिखाई देगा जबकि दुनिया के कुछ हिस्से दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावित होंगे।

उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा असर एशियाई देशों पर पड़ेगा जो पश्चिम एशिया से ऊर्जा पर निर्भर हैं जिनमें जापान, दक्षिण कोरिया, भारत, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं। इसके बाद इसका प्रभाव यूरोप और अमेरिका पर पड़ेगा। उन्होंने आगाह किया कि यदि होर्मुज नहीं खुलता है तो जल्द ही हम यह खबर सुन सकते हैं कि विमान ईंधन की कमी के कारण एक शहर से दूसरे शहर के लिए उड़ानें रद्द की जा सकती हैं।

अमेरिकी सीनेट में युद्ध रोकने का प्रस्ताव खारिज

वाशिंगटन। अमेरिका की सीनेट ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को रोकने वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस पहल का 52 सीनेटरों ने विरोध और 47 ने समर्थन किया। यह वोट इस साल चौथी बार है जब सांसदों ने इसकी वैधता और दायरे को लेकर जताई गई चिंताओं के बावजूद औपचारिक मंजूरी के बिना यह युद्ध जारी रखने की अनुमति दी है।

अराघची ने मुनीर से कहा- गैरकानूनी युद्ध के स्थायी अंत की शर्तों को देंगे प्राथमिकता

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनके देश पर थोपे गए गैरकानूनी युद्ध के निर्णायक और स्थायी अंत की शर्तें उनकी प्राथमिकता हैं और अमेरिकी मीडिया में उसके रुख को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान के प्रयासों के लिए आभारी हैं और हमने कभी इस्लामाबाद जाने से इन्कार नहीं किया। हमारे लिए अहम है कि हम पर थोपे गए इस गैरकानूनी युद्ध का निर्णायक और स्थायी अंत किन शर्तों पर होगा। अराघची ने बुधवार को तेहरान में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात के दौरान यह बात कही। उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मुनीर के साथ पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय, सुरक्षा संस्थानों और तकनीकी विशेषज्ञों के प्रतिनिधि शामिल थे।

वार्ता के दूसरे दौर की तारीख अभी तय नहीं : पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के दूसरे दौर के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी का यह बयान उन खबरों के बीच आया है कि पाकिस्तानी पक्ष द्वारा ईरानी नेतृत्व सहित क्षेत्रीय नेताओं के साथ किए गए हालिया संपर्क के बाद बातचीत का एक और दौर संभव है।

चीन के बदले सुर, कहा- होर्मुज खोलना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा मांग

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है। तेहरान के अमेरिका के साथ युद्ध के दौरान इस अहम समुद्री मार्ग पर दबाव बढ़ाने के बीच बीजिंग की ओर यह पहली अपील है। वांग यी ने बुधवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत के दौरान अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मांगी। वांग की यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान का एक मध्यस्थता प्रतिनिधिमंडल बुधवार को तेहरान पहुंचा, जहां उसने इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता के लिए नए शांति प्रस्तावों पर चर्चा की। ईरान का करीबी सहयोगी और उसके तेल का सबसे बड़ा आयातक चीन भी अमेरिकी नाकेबंदी से बढ़ते ऊर्जा संकट को लेकर चिंतित है। इस नाकेबंदी के कारण ईरान के बंदरगाहों से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

विफल हो रहा है अखिल भारतीय सेवा के निर्माण का उद्देश्य..ये देश का दुर्भाग्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच अविश्वास को उजागर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को चुनाव निकाय की ओर से राज्य में 1,000 से अधिक प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के तबादलों को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह देश का दुर्भाग्य है कि अखिल भारतीय सेवाओं के निर्माण का उद्देश्य विफल हो रहा है।

हालांकि सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस विवादास्पद कानूनी प्रश्न को भविष्य में विचार के लिए खुला रखा कि क्या निर्वाचन आयोग को चुनाव वाले राज्यों में प्रशासनिक परिवर्तन करने से पहले संबंधित राज्य से परामर्श करने की आवश्यकता है। सीजेआई ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की कवायद में न्यायालय को न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति करनी पड़ी क्योंकि पक्षों के बीच विश्वास की कमी थी। पीठ ने कहा, आयोग को राज्य सरकार के अधिकारियों पर भरोसा नहीं है और राज्य को उनके आयोग द्वारा लाए गए अधिकारियों पर भरोसा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 31 मार्च के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा अधिकारियों के तबादलों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अर्का कुमार नाग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद पश्चिम बंगाल में लगभग 1,100 अधिकारियों का रातोंरात तबादला कर दिया गया। पहली बार किसी राज्य के मुख्य सचिव का इस तरह से तबादला किया गया है। पीठ ने टिप्पणी की, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है या ऐसा सिर्फ इसी राज्य में नहीं हुआ है। बनर्जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को इस तरह तबादलों से पहले राज्य से परामर्श करने की आवश्यकता है। सीजेआई ने पूछा, जिन अधिकारियों का तबादला हुआ है, वे सभी पश्चिम बंगाल कैडर के हैं। ऐसा नहीं है कि अन्य राज्यों के अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। बनर्जी ने कहा कि याचिकाकर्ता यह तर्क नहीं दे रहा है कि न्यायालय को अधिकारियों के तबादलों पर रोक लगानी चाहिए, बल्कि उसने इस मामले में कानून का एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है। पीठ ने कहा, हम उचित मामले में इस पर निर्णय लेंगे। हम कानून के प्रश्न को खुला रखेंगे।

- सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में अधिकारियों के तबादलों के खिलाफ दायर याचिका पर की टिप्पणी

मुस्लिम पर्सनल लॉ के प्रावधानों के खिलाफ याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को केंद्र से उस जनहित याचिका पर जवाब मांगा जिसमें मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। याचिका में इन प्रावधानों को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि ये महिलाओं के खिलाफ कथित तौर पर भेदभावपूर्ण हैं। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ताओं पौलोमी पाविनी शुक्ला और न्याय नारी फाउंडेशन की ओर से मामले में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण की दलीलों पर गौर किया और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को नोटिस जारी किया।

सैन्य संघर्ष किसी समस्या का हल नहीं हो सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया एक बेहद तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है, जिससे सभी देश प्रभावित हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह कहते हुए यूक्रेन और पश्चिम एशिया में स्थायी शांति लाने की अपील की कि सैन्य संघर्ष से किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता।

मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ व्यापक वार्ता के बाद यह टिप्पणी की, जिसमें व्यापार, रक्षा और अवसंरचना के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। अपनी वार्ता में मोदी और स्टॉकर ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में संघर्षों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें कम करने के लिए संयुक्त रूप से काम करने का संकल्प लिया। ऑस्ट्रिया के चांसलर विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से चार दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को नयी दिल्ली पहुंचे। भारत की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में कहा, पूरी दुनिया बहुत ही गंभीर और तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है और यह स्थिति हम सब को प्रभावित कर रही है। ऐसे तनावपूर्ण वैश्विक माहौल में भारत और ऑस्ट्रिया इस बात पर एकमत हैं कि सैन्य संघर्ष से समस्याओं का हल नहीं हो सकता। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम एक स्थिर, टिकाऊ और स्थायी शांति का समर्थन करते हैं।

- प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ वार्ता के बाद की टिप्पणी

छह समझौतों पर दोनों पक्षों ने किए हस्ताक्षर

मोदी-स्टॉकर वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें एक समझौता भारतीय और ऑस्ट्रियाई कंपनियों को एक-दूसरे के यहां निवेश करने में सहायता के लिए एक त्वरित तंत्र स्थापित करने से संबंधित है। सैन्य क्षेत्र में सहयोग के लिए भी एक समझौता किया गया। मोदी ने स्टॉकर की यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और भारत में रेलवे के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा पहल सहित कई इंजीनियरिंग परियोजनाओं में ऑस्ट्रियाई कंपनियों की भागीदारी का उल्लेख किया। मोदी ने कहा, भारत-यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता होने के बाद, भारत और यूरोपीय संघ के संबंधों में एक नया स्वर्णिम अध्याय शुरू हो गया है। चांसलर स्टॉकर की यात्रा के साथ, हम भारत-ऑस्ट्रिया संबंधों को भी एक नए युग में ले जा रहे हैं।

ट्रंप महाभियोग मामले में जांच की सिफारिश

वॉशिंगटन। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले महाभियोग जांच से जुड़े दो पूर्व अधिकारियों के खिलाफ न्याय विभाग (डीओजे) को जांच करने का निर्देश दिया है।

गबार्ड के कार्यालय ने पुष्टि की कि उन्होंने एक व्हिसलब्लोअर और खुफिया समुदाय के एक पूर्व निगरानी अधिकारी के खिलाफ आपराधिक संदर्भ तैयार किए हैं, हालांकि किसी विशेष अपराध का उल्लेख नहीं किया गया है। गबार्ड के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि इन संदर्भों पर आपराधिक जांच शुरू करनी है या नहीं, यह निर्णय न्याय विभाग के अभियोजक लेंगे।

रूस के यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों में हमले, 16 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी

रूस ने यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर कई घंटे तक सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में 16 लोग मारे गए और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। लगभग दो सप्ताह में यूक्रेन को निशाना बनाकर किया गया रूस का यह सबसे बड़ा हवाई हमला था।

अधिकारियों ने बताया कि रूस ने लगभग 700 ड्रोन और कई बैलिस्टिक एवं क्रूज मिसाइलें दागीं, जिनका मुख्य निशाना आम नागरिक थे। रूस ने चार साल से अधिक समय पहले पड़ोसी देश पर आक्रमण किया था और तब से रूसी सेना लगभग हर दिन नागरिक क्षेत्रों पर हमले कर रही है। नियमित हमलों के बीच-बीच में बड़े पैमाने पर हमले भी होते रहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इन हमलों में 15,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिक मारे गए हैं। ताजा बमबारी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की इस सप्ताह जर्मनी, नॉर्वे और इटली की 48 घंटे की यात्रा के बाद हुई है। यात्रा के दौरान जेलेंस्की ने रूसी मिसाइलों को रोकने में सक्षम और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों की तत्काल मांग की थी।

सुकून तलाश करने की राह में खतरे भी हैं

क्या आपकी दीवारें सब देख रही हैं

सोचिए, आप ऑफिस से थके-हारे घर लौटते हैं, दरवाजा अपने आप खुल जाता है, कॉफी मेकर मशीन गरम कॉफी तैयार रखती है और आपकी पसंद का म्यूजिक बजने लगता है। वैसे तो यह जादुई सा लगता है, लेकिन दरअसल इस आराम के पीछे एक ऐसी कीमत है जो आप अनजाने में चुका रहे हैं। आपके घर के स्मार्ट उपकरण चाहे वह स्मार्ट टीवी हो, फ्रिज हो या रोबोट वैक्यूम क्लीनर, वे सिर्फ आपकी सेवा नहीं कर रहे, बल्कि वे आपके निजी जीवन का एक लाइव डेटा मैप भी बना रहे होते हैं।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स के इस युग में हर उपकरण इंटरनेट से जुड़ा है। इसका मतलब है कि आपके घर की हर हलचल डेटा बनकर कंपनी के सर्वर पर जा रही है।

ऐसे समझें यह सारा माजरा

- **रोबोट वैक्यूम का मैप :** रोबोट वैक्यूम क्लीनर पूरे घर का एक थ्री डी मैप बनाता है। उसे पता है कि आपका बेडरूम कितना बड़ा है और घर में कितना फर्नीचर है और आपकी लाइफस्टाइल कैसी है। यह डेटा रियल एस्टेट या फर्नीचर कंपनियों के लिए बहुत कीमती है।
- **स्मार्ट टीवी की नजर :** स्मार्ट टीवी में ऑटोमैटिक कन्टेंट रिकग्नीशन तकनीक होती है। यह न केवल यह ट्रैक करता है कि आप क्या देख रहे हैं, बल्कि टीवी में लगे सेंसर और माइक यह भी जान सकते हैं कि कमरे में कितने लोग बैठे हैं।
- **स्मार्ट फ्रिज और सेहत :** आपका स्मार्ट फ्रिज जानता है कि आप कब दूध खत्म करते हैं और कब शराब या कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। यह डेटा आपकी डाइट और स्वास्थ्य की पूरी जानकारी इंश्योरेंस कंपनियों को दे सकता है।

फैक्ट

क्या आप जानते हैं कि एक अंतरराष्ट्रीय रिसर्च में पाया गया कि एक औसत स्मार्ट घर दिन भर में लगभग 50 से 100 एमबी डेटा बाहरी सर्वर पर भेजता है। अमेरिका में एक मर्डर केस के दौरान पुलिस ने स्मार्ट वॉटर मीटर के डेटा का इस्तेमाल यह साबित करने के लिए किया था कि आरोपी ने अपराध के वक्त खून साफ करने के लिए बहुत ज्यादा पानी का इस्तेमाल किया था। आपके घर के उपकरण आपके सबसे वफादार गवाह या मुखबिर बन सकते हैं।

क्या करते हैं वीवीआईपी

कई राष्ट्राध्यक्ष और वीवीआईपी मॉडिफाई किए फोन का उपयोग करते हैं जिसमें से कैमरा या जीपीएस जैसे हार्डवेयर हटा दिए जाते हैं। ऐसे कंप्यूटरों का उपयोग किया जाता है जो कभी इंटरनेट से नहीं जुड़ते। इसे एयर गैपिंग कहा जाता हैं।

ये जरूरी बातें भी रखें ध्यान

- **डार्क लिसनिंग और स्मार्ट बल्ब**
  क्या आप जानते हैं कि कुछ स्मार्ट बल्ब आपके कमरे की आवाजों के साथ सिंक होते हैं। यानी उनके पास माइक न भी हो तो भी वे बिजली खपत में होने वाले बदलावों से घर के अंदर की हलचल का अंदाजा लगा सकते हैं।
- **घर की प्राइवेसी का लीक होना**
  स्मार्ट सिक्योरिटी कैमरे सबसे खतरनाक हो सकते हैं। अगर इन कैमरों का पासवर्ड कमजोर है या उनकी कंपनी का सर्वर हैक होता है तो कोई अनजान व्यक्ति आपके बेडरूम के अंदर की लाइव फीड देख सकता है।
- **बिजली के मीटर की जासूसी**
  स्मार्ट मीटर बता सकते हैं कि आपने रात को किस वक्त लाइट बंद की, सुबह कितने बजे उठे और कौन से उपकरण जैसे एसी या हीटर का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। यह आपके रूटीन का सटीक ग्राफ है।

एक्सपर्ट टिप्स

- **कैमरों पर फिजिकल कवर :** अगर आपके स्मार्ट टीवी या लैपटॉप में कैमरा है तो उस पर एक छोटा सा स्टिकर या स्लाइडर लगा दें। सॉफ़्टवेयर पर भरोसा करने से बेहतर है भौतिक सुरक्षा।
- **अलग वाई-फाई नेटवर्क :** स्मार्ट उपकरणों के लिए अलग वाई-फाई नेटवर्क बनाएं। इससे कोई हैकर आपका स्मार्ट बल्ब हैक करेगा तो आपके मुख्य कंप्यूटर या फोन तक नहीं पहुंच पाएगा।
- **म्यूट बटन का प्रयोग :** स्मार्ट स्पीकर्स जैसे एलेक्सा या गूगल होम में फिजिकल म्यूट बटन होता है। जब कोई निजी बात कर रहे हों तो उसे मैन्युअली बंद कर दें।
- **अपडेट्स हैं जरूरी :** अपने हर स्मार्ट उपकरण के फर्मवेयर को समय-समय पर अपडेट करते रहें। पुराने सॉफ़्टवेयर में हैकिंग का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

मेलोनी को साहसी समझा था मगर गलत साबित हुआ

मिलान/साओ पाओलो। पोप लियो 14वें का समर्थन करने के कारण इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर आ गई हैं। मेलोनी को कभी यूरोप और डोनाल्ड ट्रंप के बीच सेतु माना जाता था। वहीं, ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला डी सिल्वा ने भी पोप की आलोचना करने के लिए ट्रंप पर निशाना साधा है।

पोप लियो आलोचना करने के बाद ट्रंप ने अपना गुस्सा मेलोनी पर निकाला जो लंबे समय से उनके सबसे करीबी यूरोपीय सहयोगियों में से एक रही हैं। मेलोनी ने पोप पर इस तीखे हमले को अस्वीकार्य बताया था और ईरान पर अमेरिका-इजराइल युद्ध का समर्थन करने से इन्कार कर दिया था। ट्रंप ने इटली के एक प्रमुख दैनिक अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे लगा था कि उनमें साहस है, लेकिन मैं गलत था। हालांकि मेलोनी ने ट्रंप के हमलों का सीधे तौर पर जवाब नहीं दिया है। बुधवार को ट्रंप ने अपने रुख पर जोर देते हुए कहा कि उनके बीच संबंध खराब हो गए हैं। 'फॉक्स न्यूज' से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, उनका (मेलोनी का) रवैया नकारात्मक रहा है। जिसने भी ईरान के मामले में हमारी मदद करने से इनकार किया है, उनके साथ हमारे संबंध पहले जैसे नहीं रहे।

इस सप्ताह मेलोनी ने पोप पर ट्रंप के हमले को अस्वीकार्य बताया था जो अमेरिकी राष्ट्रपति की अब तक की सबसे सीधी आलोचना थी।

- पोप लियो का समर्थन करने पर इटली की प्रधानमंत्री पर भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज कार्यक्षेत्र में नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक खर्चों पर नियन्त्रण रखें।

तुला – आज आपकी आय में वृद्धि होगी। बच्चे काफी अनुशासित रहेंगे। रिश्तेदारों के घर जाने का अवसर मिलेगा।

वृष – आज आपके ऊपर मानसिक दबाव बढ़ सकता है। सिरदर्द की समस्या हो सकती है। माइग्रेन के रोगियों को भोजन और नींद का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

वृश्चिक – आज विरोधी आपके प्रति सक्रिय रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परीक्षा परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है।

मिथुन – आज आय के नए स्रोत बनेंगे, लेकिन आपके खर्च भी बढ़ेंगे। व्यापार को लेकर बड़ी डील हो सकती है।

धनु – आज आपकी दिनचर्या अत्यन्त व्यवस्थित रहेगी। पारिवारिक तनाव दूर होगा। मन में अज्ञात कारणों से चिन्ता रहेगी।

कर्क – आज धन की कमी से रुके कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। आपको व्यापार में बड़े अवसर मिल सकते हैं। अपनी पुरानी गलतियों का विश्लेषण करेंगे।

मकर – आज नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। संतान की उन्नति से आप अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। पूर्व में किया गया निवेश लाभप्रद सिद्ध होगा।

सिंह – आज परिजनों का पर्याप्त सहयोग नहीं मिलेगा। कानूनी मामलों में उलझ सकते हैं। बच्चों की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

कुंभ – आज राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान होकर वक्तव्य देना चाहिये। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा।

कन्या – आज नई तकनीक के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। घर में आपका मन नहीं लगेगा। तीर्थस्थल की यात्रा हो सकती है। हिसाब-किताब में पारदर्शिता रखें।

मीन – आज अटके हुए काम दोबारा शुरू होंगे। वाहन चलाते समय नियमों का पालन करें। शारीरिक पीड़ा हो सकती है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

आज की ग्रह स्थिति : 17 अप्रैल, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- कृष्ण पक्ष, अमावस्या 17 .21 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 12 .02 तक तत्पश्चात अश्विनी।

सुडोकू - 121 का हल

1	3	8	7	2	5	4	6	9
5	6	7	1	4	9	3	8	2
2	9	4	8	3	6	7	1	5
6	2	5	4	7	8	9	3	1
7	1	9	5	6	3	8	2	4
4	8	3	9	1	2	5	7	6
8	7	1	2	9	4	6	5	3
3	4	2	6	5	7	1	9	8
9	5	6	3	8	1	2	4	7

सुडोकू -122

9	4			5				
	1				9			
		5						9
				6	4			
	8						2	
2			3	1		6		
5				4			9	
			7				1	
	6			9	2		8	4

भारत ने जारी की रिपोर्ट

विश्व भर में अब तक के सर्वाधिक रॉकेट प्रक्षेपित किए गए पिछले साल

अंतरिक्ष में मानवीय प्रभुत्व बढ़ाने वाला साल रहा 2025

चेन्नई, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता रिपोर्ट (इसार-2025) के अनुसार वर्ष 2025 में विश्व भर में अब तक के सबसे अधिक रॉकेट प्रक्षेपित किए गए। इस रिपोर्ट को इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने कुछ दिन पहले बेंगलुरु में आयोजित ''स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस'' (स्मॉप्स-2026) के उद्घाटन सत्र के दौरान जारी किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में कुल 328 रॉकेट प्रक्षेपित किए गए जिनमें से 315 सफल रहे। इन मिशनों के जरिए 4,198 उपग्रहों को उनकी कक्षाओं में स्थापित किया गया।

इस वर्ष अंतरिक्ष में मानव निर्मित वस्तुओं की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी हुई और कुल 4,651 नई वस्तुएं अंतरिक्ष में भेजी गईं। इसरो ने बताया कि पिछले वर्षों की तुलना में यह एक बड़ी वृद्धि है, क्योंकि 2024 में 254 प्रक्षेपणों के माध्यम से 2,963 वस्तुएं और 2023 में 212 प्रक्षेपणों के माध्यम से 3,135 वस्तुएं अंतरिक्ष में भेजी गई थीं। भारत की तरफ से 2025 के अंत तक निजी संचालकों और शैक्षणिक संस्थानों सहित कुल 144 अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किए गए। वर्तमान में भारत के पास निचली कक्षा (एलईओ) में 22 और भू-स्थैतिक कक्षा (जीईओ) में 31 सक्रिय उपग्रह हैं। वहीं, एनवीएस-02 उपग्रह एक अंडाकार कक्षा में अपना काम कर रहा है। इसके अलावा, भारत के दो दूरस्थ अंतरिक्ष मिशन चंद्रयान-2 और आदित्य-एल1 भी पूरी तरह सक्रिय हैं। साल 2025 की एक खास घटना चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल का चंद्रमा के पास से गुजरना रहा। यह मॉड्यूल नवंबर 2023 में पृथ्वी की ऊंची कक्षा में भेजा गया था, जिसने नवंबर 2025 में चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में फिर से प्रवेश किया।

कचरामुक्त रखें अंतरिक्ष को

रिपोर्ट में अंतरिक्ष को साफ रखने के प्रयासों पर भी जोर दिया गया है। इसरो ने 2030 तक मलबे मुक्त अंतरिक्ष मिशन का लक्ष्य रखा है। इसके तहत अब उपग्रहों के डिजाइन और संचालन में ऐसे बदलाव किए जा रहे हैं जिससे मिशन खत्म होने के बाद वे अंतरिक्ष में कचरा न बनें।

ऋषभ पंत अपनी विकेट खुद ही गंवा रहे हैं जबकि वह इसके लिए गेंदबाजों को मेहनत नहीं करवा रहे और और इसी वजह से मौजूदा आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जाएंट्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।
–नवजोत सिंह सिद्धू

IPL 2026
आज के मुकाबले

गुजरात टाइटंस
बनाम
कोलकाता नाइट राइडर्स

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- विराट कोहली बेंगलुरु–228 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद–224 रन
- रजत पाटीदार बेंगलुरु–222 रन

पर्पल कैप

- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात – 10 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई – 10 विकेट
- प्रिंस यादव लखनऊ– 9 विकेट

प्रभसिमरन-श्रेयस ने पंजाब किंग्स के अजेय रथ को शीर्ष पर पहुंचाया

आईपीएल-2026 : डिकॉक के शतक पर फिरा पानी, मुंबई इंडियंस 7 विकेट से हारा

शॉट लगाते पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह। एजेंसी

मुंबई, एजेंसी

प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतक से सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के तेजतर्रार शतक पर पानी फेरते हुए पंजाब किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गई।

पंजाब किंग्स की टीम मुंबई के 196 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन की 39 गेंद में 11 चौकों और दो छक्कों से नाबाद 80 रन की पारी की और कप्तान श्रेयस अय्यर (66 रन, 35 गेंद, पांच चौके, चार छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी बदौलत 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर आसान जीत दर्ज करने में सफल रही। इस जीत से टूर्नामेंट की एकमात्र अजेय टीम पंजाब किंग्स पांच मैच में नौ अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। मुंबई की टीम इतने ही मैच में दो अंक के साथ नौवें स्थान पर है।

इससे पहले मौजूदा सत्र में अपना पहला मैच खेल रहे डिकॉक ने 60 गेंद में सात छक्कों और आठ चौकों से नाबाद 112 रन की पारी खेलने के अलावा नमन धीर (50 रन, 31 गेंद, तीन चौके, तीन छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की जिससे मुंबई इंडियन्स ने छह विकेट पर 195 रन बनाए। ये दोनों उस समय साथ आए जब टीम 12 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश आर्य (15) ने दीपक चाहर के पहले ओवर में लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन स्पिनर अल्लाह गजनफर (31 रन पर दो विकेट) की गेंद पर चाहर को कैच थमा दिया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 11 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब कप्तान हार्दिक पंड्या की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर जसप्रीत बुमराह ने उनका कैच टपका दिया। कूपर कोनोली ने इसी ओवर में चौका और छक्का मारा। कोनोली (17) ने गजनफर पर भी छक्का जड़ा लेकिन एक गेंद बाद विकेटकीपर डिकॉक को कैच दे बैठे। पंजाब ने पावर प्ले में दो विकेट पर 61 रन बनाए। चाहर के पारी के पहले ओवर में दो चौकों के साथ शुरुआत करने वाले प्रभसिमरन ने आठवें ओवर में भी इस तेज गेंदबाज की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा।

प्रभसिमरन ने 10वें ओवर में पंड्या पर लगातार दो चौके मारे जिससे ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा हुआ। प्रभसिमरन ने अगले ओवर में शारदुल पर लगातार दो चौकों के साथ 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

मुंबई इंडियंस

195/6 (20 ओवर)

रेयान रिकेल्टन का शशांक बो अर्शदीप	02
क्विंटन डिकॉक नाबाद	112
सूर्यकुमार यादव का चहल बो अर्शदीप	00
नमन धीर का बार्टलेट बो शशांक	50
हार्दिक पंड्या का बार्टलेट बो यानसेन	14
शेरफेन रदरफोर्ड बो अर्शदीप	01
तिलक वर्मा रन आउट	08
मयंक रावत नाबाद	00

अतिरिक्त : 08, **विकेट पतन :** 1-12, 2-12, 3-134, 4-175, 5-185, 6-193

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-22-3, यानसेन 4-0-30-1, बार्टलेट 4-0-39-0, वैशाक 3-0-36-0, चहल 3-0-45-0, शशांक 2-0-19-1

पंजाब किंग्स

198/3 (16.3 ओवर)

प्रियांश आर्य का चाहर बो गजनफर	15
प्रभसिमरन सिंह नाबाद	80
कूपर कोनोली का डिकॉक बो गजनफर	17
श्रेयस अय्यर का नमन बो शारदुल	66
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	10

अतिरिक्त : 10, **विकेट पतन :** 1-27, 2-45, 3-184

गेंदबाजी : चाहर 2.3-0-45-0, बुमराह 4-0-41-0, गजनफर 4-0-31-2, पंड्या 3-0-39-0, शारदुल 3-0-42-1

80 रनों की नाबाद पारी के दौरान प्रभसिमरन सिंह ने 11 चौके व दो छक्के लगाए

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1. पंजाब किंग्स	5	4	0	1	9	1.067
2. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	5	4	1	0	8	1.503
3. राजस्थान रॉयल्स	5	4	1	0	8	0.889
4. सनराइज़र्स हैदराबाद	5	2	3	0	4	0.576
5. दिल्ली कैपिटल्स	4	2	2	0	4	0.322
6. गुजरात टाइटंस	4	2	2	0	4	-0.029
7. लखनऊ सुपर जाएंट्स	5	2	3	0	4	-0.804
8. चेन्नई सुपर किंग्स	5	2	3	0	4	-0.846
9. मुंबई इंडियंस	5	1	4	0	2	-1.076
10. कोलकाता नाइट राइडर्स	5	0	4	1	1	-1.383

टी-20 प्रारूप में एक ही तरह से गेंदबाजी करके प्रासंगिक नहीं रह सकते : एंगिडी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को परेशान करने वाली लुंगी एंगिडी की नीचे की ओर गिरती हुई धीमी गेंद (डिपिंग स्लोअर बॉल) इंडियन प्रीमियर लीग में भी बल्लेबाजों के लिए उतनी ही घातक बनी हुई है। एनगिडी ने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स में ड्वेन ब्रावो के कहने पर अपनी धीमी गेंदों पर काम करना शुरू किया था और खेल के इस सबसे छोटे प्रारूप में इस अहम कला में महारत हासिल करने में उन्हें थोड़ा समय लगा। दक्षिण अफ्रीका और दिल्ली कैपिटल्स के इस तेज गेंदबाज को हैरानी है कि अब सभी उनकी गेंदबाजी विविधताओं के बारे में बात कर रहे हैं जबकि ये वर्षों से उनके खेल का हिस्सा रही हैं। बृहस्पतिवार को चुनिंदा संवाददाताओं से बात करते हुए एनगिडी ने अपनी हाल की सबसे असरदार गेंद के बारे में बात की। एक धीमी गेंद जो बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते नीचे की ओर गिरने लगती है। यह धीमी यॉर्कर, लेंथ गेंद या धीमी बाउंसर हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान कहा था यह एक ही गेंद के साथ तीन अलग-अलग लेंथ हैं और बल्लेबाज को यह अंदाजा लगाना होता है कि अगली गेंद कौन सी आने वाली है। बृहस्पतिवार को इस तेज गेंदबाजी से उनकी विविधताओं और टी20 प्रारूप में बल्लेबाजों से आगे रहने में

वह कैसे कामयाब रहे इस बारे में कई सवाल पूछे गए। एनगिडी ने उन सभी का जवाब बहुत ही आसान शब्दों में दिया। एनगिडी ने कहा ऐसा लगता है कि हर कोई हैरान है लेकिन मैं तो वर्षों से धीमी गेंदें डाल रहा हूं। शायद मैं अब उन्हें थोड़ी अधिक फ्लाइट दे रहा हूं। मैं आईपीएल से जुड़े ट्रेंड पर नजर रख रहा हूं। हर कोई तेज गेंदबाजी करना चाहता है। उन्होंने कहा इन जैसी बल्लेबाजी के लिए मददगार पिचों पर आपको कुछ अलग करना पड़ता है। यही एकमात्र तरीका है जिससे आप प्रासंगिक बने रह सकते हैं। बहुत से लोग मेरे से इसके बारे (डिपिंग स्लोअर बॉल के बारे में) पूछते हैं। उन्हें लगता है कि यह आसान है। एनगिडी ने कहा इस गेंद को सही तरीके से डालने में मुझे लगभग एक साल का समय लगा। यह मेरे मुख्य हथियारों में से एक है।

हाईलाइट

फ्रेंच ओपन की इनामी राशि में इजाफा

पेरिस। फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की इनामी राशि में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है जिससे कुल इनामी राशि छह करोड़ 17 लाख यूरो (सात करोड़ 21 लाख डॉलर) हो गई है। यह कुल राशि पिछले साल के मुकाबले 53 लाख यूरो अधिक है। प्रतियोगिता 24 मई को पश्चिमी पेरिस के रोलां गैरो में शुरू होगी। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उप विजेता को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को सात लाख 50 हजार यूरो और पहले दौरे में हारने वाले खिलाड़ियों को 87 हजार यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल के विजेताओं को छह लाख यूरो और मिश्रित युगल की चैंपियन जोड़ी को एक लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे।

खलील चोट के कारण आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज खलील अहमद कूल्हे में चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं, जो अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश में जुटी इस फ्रेंचाइजी टीम के लिए करारा झटका है। खलील ने सीएसके की तरफ से अभी तक सभी पांच मैच में हिस्सा लिया है। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 14 अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान अपने दाहिने कूल्हे में दर्द की शिकायत की थी।

एशियाई खेलों के पदक पर बरवाल की नजरें

नई दिल्ली। हाल में भारतीय एथलेटिक्स का सबसे पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मैराथन धावक सावन बरवाल का लक्ष्य एशियाई खेलों में देश के लिए 1982 के बाद इस दूरी का पहला पदक जीतना है। मैराथन में भारत का आखिरी एशियाई खेल पदक होसुर कुक्कप्पा सीतारण ने 1982 में नयी दिल्ली में जीता था। उससे पहले छोटा सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी में हुए शुरूआती 1951 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

तेज गेंदबाजी आक्रमण ने आरसीबी को बना दिया खतरनाक टीम

बेंगलुरु, एजेंसी

जोश हेजलवुड

भुवनेश्वर कुमार

रसिक सलाम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच जीतकर इतिहास रच दिया है और इसमें उसके तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम रही।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के गेंदबाजों ने सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएके) और लखनऊ सुपर जाएंट्स जैसी टीमों पर हावी रहकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

बदलाव का पहला संकेत 28 मार्च को मिला जब जैकब डफी ने तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। जोश हेज़लवुड की शुरुआती मैचों में अनुपस्थिति में उन्होंने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। हैदराबाद के खिलाफ मैच के बाद डफी ने कहा था मैं तो बस उस दिग्गज खिलाड़ी की जगह संभाल रहा हूं। जोश ने पिछले साल यहां बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए उसने जो अच्छा किया था, उसे मैं आगे बढ़ाने की कोशिश करूं।

हेजलवुड ने वापसी करने के बाद अपना जलवा दिखाया और लखनऊ की टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए चार ओवर में 21 रन देकर एक विकेट लिया। इसके लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने मैच के बाद संवाददाताओं से हेजलवुड के बारे में कहा मुझे लगता है कि वह पहले से ज्यादा चुस्त-दुरुस्त दिख रहे हैं। चोट के बाद उन्हें काफी आराम मिला है। इसलिए वह पहले से ज्यादा तेज और फिट हो गए हैं और अब उन्हें अपने शरीर पर पूरा भरोसा है। यह उनकी गेंदबाजी में दिख रहा है। आरसीबी के पास भुवनेश्वर कुमार के रूप में एक नया अन्य उपयोगी तेज गेंदबाज है जिन्होंने हेज़लवुड का साथ देते हुए तीन विकेट लिए। वह अपनी धीमी बाउंसर, यॉर्कर और कम गति वाली गेंद करके बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। यही नहीं आरसीबी को रसिक सलाम के रूप में एक उपयोगी तेज गेंदबाज मिला है जिन्होंने पिछले मैच में चार विकेट लिए। अपने इस तेज गेंदबाजी आक्रमण के कारण आरसीबी किसी भी मैदान पर जीत हासिल करने में सक्षम है।

पहली जीत के लिए बेताब केकेआर

अहमदाबाद, एजेंसी

अभ्यास सत्र के दौरान केकेआर के उपकप्तान रिंकू सिंह (दाएं से दूसरे), अंगकृष रघुवंशी (दाएं से तीसरे), वैभव अरोड़ा (बाएं से तीसरे) और अन्य। एजेंसी

लगातार खराब प्रदर्शन के कारण दबाव में चल रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार फॉर्म में चल रही गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपनी लय में लौटकर पहली जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच अभिषेक नायर के नेतृत्व में केकेआर की स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आ रही है। उसे अब तक पांच मैच में से चार मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने तथा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किए जाने के बाद टूर्नामेंट से पहले उसकी गेंदबाजी काफी कमजोर हो गई थी। उसके लिए हालांकि सबसे बड़ी चिंता सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिन गेंदबाजों की खराब फॉर्म है। चक्रवर्ती इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। केकेआर की समस्याएं मैदान के अंदर और बाहर के कुछ फैसलों के कारण बढ़ गई हैं। टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखने पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि टॉस जीतने के बाद उनके फैसले भी समझ से परे हैं। पंजाब के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए मैच में रहाणे ने बल्लेबाजी का फैसला करके सभी को चौंका दिया।

घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाया गुजरात

गुजरात टाइटन्स की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की। उसकी गेंदबाजी मजबूत नजर आ रही है जिसमें प्रसिद्ध कृष्णा अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और राशिद खान ने अपनी लय वापस हासिल कर ली है। शुभमन गिल और जोस बटलर जैसे बल्लेबाजों के फॉर्म में आने से गुजरात टाइटन्स मजबूत नजर आ रही है।

- घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा गुजरात टाइटन्स

दिशाहीन नजर आ रही कोलकाता टीम

केकेआर दिशाहीन टीम नजर आ रही है। अभी तक सारा ध्यान कैमरन ग्रीन पर रहा है जिन्हें आंद्रे रसेल की जगह भरने के लिए रिकॉर्ड 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। ऑस्ट्रेलिया का यह ऑलराउंडर उस कीमत को सही ठहराने के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन वह पांच पारियों में केवल 56 रन ही बना पाए हैं और गेंदबाजी में भी खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। केकेआर के बल्लेबाजी क्रम में भी स्पष्टता नजर नहीं आती। पिछले मैच में सुनील नारायण को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया जबकि रहाणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे लेकिन यह दोनों ही बदलाव कारगर साबित नहीं हुए। मनीष पांडे, राहुल त्रिपाठी और सार्थक रंजन जैसे बल्लेबाजों को मौका नहीं मिला है। केकेआर को जीत हासिल करने के लिए रणनीति को बदलना होगा और तीनों विभाग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सफलता

वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

वैशाली ने फिडे महिला कैंडिडेट्स जीतकर रचा इतिहास

साइप्रस/ नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली ने फिडे विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह खिताब को जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस उपलब्धि पर वैशाली को बधाई दी।

बुधवार को 14 राउंड के इस मुकाबले में आखिरी राउंड में कतेरीना लाग्नो को हराकर वैशाली ने खिताब अपने नाम किया। इस खिताबी जीत के साथ ही उन्होंने इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप का टिकट मिल गया है, जहां उनका सामना चीन की जू वेनजुन से होगा। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए आर वैशाली को बधाई दी है। डॉ. मांडविया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा भारत की नारी शक्ति हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रचने पर आर वैशाली को बधाई। पूरे भारत को आप पर गर्व है।

वर्ष 2023 में तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर बनकर किया थाा कमाल

वैशाली दिसंबर 2023 में कोनेरू हम्पी और डी हरिका के बाद तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर बनीं। इसके बाद वह गुपचुप अपने खेल को आगे बढ़ाती रहीं। उन्होंने आयु वर्ग के कई खिताब जीते और 2021 में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर का खिताब हासिल किया। इसके बाद 2022 में चेन्नई के मल्लापुरम में शतरंज ओलंपियाड में उन्होंने व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने टीम को भी कांस्य पदक दिलाने में मदद की। कैंडिडेट्स प्रतियोगिता में भी उन्होंने अपना शांत आत्मविश्वास बनाए रखा। उन्हें इस प्रतियोगिता में कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था लेकिन उन्होंने केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और सभी धारणाओं को गलत साबित कर दिया। नॉर्वे की शतरंज चैंपियन अन्ना मुज़िचुक, महिला विश्व रैपिड चैंपियन एलेक्जेंड्रा गोरियाचकिना, विश्व ब्लिट्ज चैंपियन बिबिसारा असाउबायेवा और चीन की दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी झू जिनर और पूर्व कैंडिडेट्स विजेता टैन झोंगयी जैसी दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में उन्हें जीत का प्रबल दावेदार नहीं माना जा रहा था।

मां की उपस्थिति ही सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली। अपने शांत स्वभाव लेकिन मजबूत आत्मविश्वास वाली कैंडिडेट्स प्रतियोगिता की विजेता आर वैशाली अक्सर अपनी मां के साथ देखी जाती हैं और विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने से पहले यही उनकी ताकत हैं। वह एक ऐसी भारतीय खिलाड़ी हैं जो अपने खेल को ही अपनी पहचान बनने देती हैं। वैशाली के लिए जो चीज सबसे महत्वपूर्ण है वह है उनके घर का माहौल। वह एक ऐसे परिवार से हैं जो पूरी तरह से शतरंज के प्रति समर्पित है और जिसने बिना किसी दिखावे के महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। साइप्रस के पाफोस में खेले गए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में आठ महिला खिलाड़ियों में सबसे कम रेटिंग वाली खिलाड़ी वैशाली ने अपने शांत खेल और आत्मविश्वास से ही जीत हासिल करके अपनी काबिलियत साबित कर दी।

मेसी पर अनुबंध के उल्लंघन का आरोप

मियामी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पर मियामी स्थित एक 'इवेंट प्रमोटर' ने मुकदमा दायर किया है, जिसका कहना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अनुपस्थित रहकर 70 लाख डॉलर के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है।

अदालती रिकॉर्ड के अनुसार विड म्यूजिक ग्रुप ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था। मेसी और एएफए ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए भेजे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। मेसी को महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी व अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं।

बायर्न म्यूनिख चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

- क्वार्टर फाइनल में रियल मैड्रिड को 4-3 से हराया

म्यूनिख, एजेंसी

बायर्न म्यूनिख ने अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लुइस डियाज़ और माइकल ओलिस के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में रियल मैड्रिड पर 4-3 से जीत दर्ज की।

बायर्न म्यूनिख ने पहला चरण 2-1 से जीता था। इस तरह से उसने कुल 6-4 के स्कोर से जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। डियाज ने 89वें मिनट और ओलिस ने स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में गोल करके बायर्न म्यूनिख की जीत सुनिश्चित की। उसकी तरफ से अलेक्जेंडदर पावलोविच (छठे) और हैरी केन (38वें) ने पहले हाफ में गोल किए थे। रियल मैड्रिड की तरफ से अर्डा गुलेर ने दो (पहले और 29वें मिनट) तथा किलियन एमबाप्पे (42वें) ने गोल किए। रियाल मैड्रिड के खिलाड़ी 86वें मिनट में एडुवार्डो कैमाविंगा को लाल कार्ड देने के रेफरी के फैसले से संतुष्ट नहीं थे और उन्होंने मैच खत्म होने के बाद उन्हें घेर लिया। जिसके कारण गुलेर को लाल कार्ड दिखाया गया। बायर्न म्यूनिख सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल आर्सेनल और एटलेटिको मैड्रिड के बीच खेला जाएगा।